■ आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा-अस्थिरता के बाद भी अर्थव्यवस्था में उच्च वृद्धि - 16

■ ढाका में बेगम खालिदा जिया राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक - 17

■ विजय हजारे ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश की लगातार चौथी जीत, जुयाल ने बनाए नाबाद 150 रन -18

नव वर्ष की शुभकामनाएं

आज का मौसम
18.0° अधिकतम तापमान
08.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.04
सूर्यास्त 05.27

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर
मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 10:22 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 1 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 38, पृष्ठ 20 ■ मूल्य 6 रुपये

आप सभी क्षेत्रवासियों को
नववर्ष 2026
की हार्दिक शुभकामनाएं
2026
2026
HAPPY NEW YEAR 2026
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
2026 Happy New Year
डॉ. अजीत वर्मा
हमजापुर
नगर पंचायत
निगोही
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
सीताराम हॉस्पिटल निगोही, शाहजहांपुर
2026 Happy New Year
सर्वेश वर्मा
डायरेक्टर
डॉ. पूजा वर्मा
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
2026 Happy New Year
सरदार जगजीत सिंह
उर्फ काले
ग्राम पंचायत बिरासिन
ब्लॉक निगोही
नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
मदन पाल वर्मा
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत चकबरेचा
ब्लॉक निगोही
नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
रामनिवास वर्मा
प्रधान
ग्राम पंचायत हथ गाँव
ब्लॉक निगोही
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
2026 Happy New Year
महेन्द्र सिंह यादव
पूर्व प्रधान
ग्राम पंचायत बहादुरपुर
खुर्द ब्लॉक निगोही
नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
2026 Happy New Year
अय्यूब खां
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत तालगांव
ब्लाक निगोही
नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
2026 Happy New Year
सुशान्त सिंह यादव
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत विक्रमपुर
चकौरा ब्लाक निगोही
नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
2026 Happy New Year
प्रो. सुभाष चौधरी
साईन ईट
कबीरपुर झोतेपुर
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
2026 Happy New Year
राजीव वर्मा
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत बरीलालपुर
ब्लाक निगोही
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
2026 Happy New Year
छोटे बक्स
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत जिन्दपुरा
ब्लाक निगोही
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
2026 Happy New Year
आशा शर्मा
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत सहदेवपुर
वि.खं. निगोही
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
2026 Happy New Year
ठा. राजा सिंह
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत बनासदेवी
(अर्जुनपुर) ब्लॉक निगोही
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
पवन कुमार वर्मा
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत सहेतेपुर
वि.खं. निगोही
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
बीरेश सिंह यादव
उर्फ पप्पू यादव
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत धुलिया
ब्लाक निगोही
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
सरदार हरीशचन्द्र सिंह
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत पराझरसा
वि.खं. निगोही
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
सत्यपाल सिंह यादव
प्रधान
ग्राम पंचायत ऊनखुर्द
ब्लाक निगोही
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
याशीन अली
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत लोहरगवा
ब्लाक निगोही
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रो. हरीश गुप्ता
सतगुरु बिल्डिंग मैटेरियल
पतराजपुर
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
एड. मनोज यादव
पूर्व जिला पंचायत सदस्य
निगोही शाह.
मो. 9415411444, 9793377309
रजनीश यादव
प्रधान सण्डा खास एवं
अध्यक्ष, साधन सहकारी
समिति लि., सण्डा खास
मो. 9415492037
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
जावित्री देवी गावस्कर
डॉ. विजय शंकर गावस्कर
ग्राम पंचायत हरपरा (निगोही)
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
दीपक सिंह यादव
प्रधान
ग्राम पंचायत उदारा
ब्लाक निगोही
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
सुशील कुमार मौर्य
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत भवानीपुर
वि.खं. निगोही
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
2026 Happy New Year
ठा. सोमेन्द्र सिंह
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत खिरिया
ब्लॉक निगोही
नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं
2026 Happy New Year
नाजरीन बेगम
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत ऊनकलां
ब्लाक निगोही
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
शाबित्री ट्रेडिंग
घनश्यामपुर
प्रो. ठाकुर विनोद कुमार सिंह
प्रस्तुत कर्ताः- मदन लाल वर्मा, संवाददाता निगोही मो. 9670085994, 9455220424

■ आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा-अस्थिरता के बाद भी अर्थव्यवस्था में उच्च वृद्धि - 16

■ ढाका में बेगम खालिदा जिया राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक - 17

■ विजय हजारे ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश की लगातार चौथी जीत, जुयाल ने बनाए नाबाद 150 रन -18

नव वर्ष की शुभकामनाएं

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

आज का मौसम: 18.0° अधिकतम तापमान | 08.0° न्यूनतम तापमान | सूर्योदय 07.04 | सूर्यास्त 05.27

पौष शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 10:22 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082 | बरेली | गुरुवार, 1 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 38, पृष्ठ 20 ■ मूल्य 6 रुपये

अखबार पढ़ने की आदत : एक जरूरी पुनर्विचार

1960 से 1980 के दशक में जन्मी पीढ़ी के लिए अख़बार केवल समाचार पत्र नहीं था, बल्कि दिन की शुरुआत का एक अनिवार्य हिस्सा था। सुबह दरवाज़े पर अख़बार गिरने की मद्धम सी आवाज़ के साथ दिन शुरू होता। जो जल्दी उठता, वही सबसे पहले पूरा अख़बार पढ़ने का सौभाग्य पाता। कुछ ही घंटों में उसके पन्ने घर के अलग-अलग सदस्यों तक पहुंच जाते— किसी के लिए समाचार, किसी के लिए खेल, व्यापार या फिर स्थानीय खबरें।

उन दिनों अख़बार समाज की धड़कन हुआ करता। स्थानीय विज्ञापन, वैवाहिक सूचनाएं, शोक समाचार, टेंडर नोटिस, राजनीतिक गतिविधियां, सामाजिक कार्यक्रम और नागरिक मुद्दे-सब कुछ उसी में दर्ज होते। ये समाचार लोगों को अपने आसपास की दुनिया से जोड़ते और समुदाय के साथ एक आत्मीय रिश्ता भी बनाते थे। आज हम एक डिजिटल और मोबाइल-केंद्रित युग में जी रहे हैं। सूचनाओं की कोई कमी नहीं है, लेकिन विश्वसनीयता, पुष्टि और संदर्भ का अभाव स्पष्ट रूप से महसूस किया जा सकता है। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर खबरें तेज़ी से आती-जाती हैं, परंतु उनमें गहराई और ज़िम्मेदारी अक्सर नहीं होती। सबसे अधिक नुकसान हाइपरलोकल समाचारों का हुआ है- वे खबरें जो सीधे हमारे जीवन, हमारे शहर और हमारे मोहल्ले को प्रभावित करती हैं।

मीडिया उद्योग में अपने 30 वर्षों के अनुभव के दौरान मैंने इस परिवर्तन को बहुत करीब से देखा है। तकनीक बदली है, समाचार वितरण के माध्यम बदले हैं, लेकिन पत्रकारिता का मूल उद्देश्य आज भी वही है- सत्य, संतुलन और विश्वास। अख़बार आज भी प्रमाणिकता, संपादकीय अनुशासन और ज़िम्मेदार रिपोर्टिंग का सबसे मज़बूत माध्यम बने हुए हैं। अखबार समाचारों और सूचनाओं का सच्चा और तटस्थ माध्यम आज भी है, यही वजह है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्कूलों में अखबार अनिवार्य किया है। साथ ही छात्रों को इसे पढ़ने की आदत डालने के लिए भी कहा है। अख़बार हमें रुककर सोचने की आदत सिखाता है, केवल प्रतिक्रिया देने की नहीं। यह समाज का दस्तावेज़ है— आज का भी और आने वाले कल का भी। अखबार पढ़ना अतीत की कोई धुंधली याद नहीं, बल्कि वर्तमान की एक बौद्धिक आवश्यकता है। यह हमें शोर से बचाकर सार तक ले जाता है। यदि हम चाहते हैं कि आने वाली पीढ़ियां केवल सूचनाओं से भरी न हों, बल्कि उनके पास विवेक और समझ भी हो, तो अखबार को फिर से ड्राइंग रूम की मेज पर गरिमापूर्ण स्थान देना होगा।

2026 की ओर बढ़ते हुए यह सवाल प्रिंट बनाम डिजिटल का नहीं, सवाल यह है कि हम किस तरह की जानकारी पर भरोसा करना चाहते हैं। घरों, दफ्तरों और संस्थानों में अख़बार को फिर से रोज़मर्रा की आदत बनाना किसी अतीत की याद नहीं, बल्कि एक जागरूक समाज की ज़रूरत है।

आइए, एक संकल्प लें:
● एक अख़बार की सदस्यता लेने का। ● स्थानीय पत्रकारिता को समर्थन देने का। ● पुष्ट और विश्वसनीय समाचार पढ़ने का। ● और सबसे अहम अगली पीढ़ी को अखबार पढ़ने की आदत सौंपने का।

अमृत विचार की तरफ से आप सभी को नूतन वर्ष मंगलमय हो...

पार्थो कुनार
सीओओ

अब देश में हर जगह बोल सकते जय श्रीराम और राम-राम : मुख्यमंत्री

जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्राणप्रतिष्ठा की दूसरे वर्षगांठ समारोह में बोले योगी

● **रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी समारोह में हुए शामिल**

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/अयोध्या

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में अब किसी भी जगह जयश्रीराम और राम-राम बोल सकते हैं। भारत सरकार की योजना भी अब 'जी राम जी' के नाम पर आ गई है जो रोजगार की सबसे बड़ी स्कीम बनने जा रही है। कोई भी बेरोजगार कहेगा कि मुझे अपनी ग्राम पंचायत में रोजगार चाहिए तो उसे साल में 125 दिन रोजगार की गारंटी गांव में ही मिल जाएगी।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

श्रीरामजन्मभूमि मंदिर में श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ (प्रतिष्ठा द्वादशी) बुधवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल हुए। यहां मुख्यमंत्री योगी ने अंग्रेजी नववर्ष 2026 की शुभकामना देते हुए प्रार्थना की कि यह वर्ष सभी के लिए मंगलकारी हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या ने स्वतंत्र भारत में रामजन्मभूमि आंदोलन के अनेक पड़ाव देखे हैं। अयोध्या के नाम से ही अहसास होता है कि यहां कभी युद्ध नहीं हुआ। कोई भी दुश्मन यहां के शौर्य, वैभव व पराक्रम के आगे टिक नहीं पाया, लेकिन कुछ लोगों ने अपने स्वार्थ, मजहबी जुनून व सत्ता के तुष्टिकरण की निकृष्टता में पड़कर अयोध्या को भी उपद्रव और संघर्ष का अड्डा बना दिया था।

योगी ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए और संगठन के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए राजनाथ सिंह की श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में प्रत्यक्ष भूमिका रही है।

ऑपरेशन सिंदूर में हमने राम की शिक्षा का पालन किया: राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रामलला के दर्शन करने के बाद मंत्रोच्चार के बीच परिसर में बने मां अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर धर्मध्वजा को स्थापित किया। अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा जिस प्रकार श्रीराम ने युद्ध में मर्यादा न छोड़ने की शिक्षा हम सबको दी है, उसी प्रकार हमारी सेना ने भी सीमित, नियंत्रित और उद्देश्यपूर्ण कार्रवाई की। ऑपरेशन का उद्देश्य आतंकियों को सबक सिखाना था, हमने उनके ठिकाने में घुस कर सबक सिखाया है। उन्होंने राम जन्मभूमि आंदोलन को अद्वितीय बताया। कहा, भारत से लेकर पाकिस्तान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, वियतनाम और थाईलैंड जैसे अनेक देश जहां हिंदुओं के अलावा अन्य समुदायों के लोग भी प्रभु राम से खुद को जुड़ा हुआ मानते हैं, यह उन सबका आंदोलन था। 500 वर्ष अहिंसक संघर्ष से चलने वाला ऐसा आंदोलन कहीं देखने को नहीं मिलेगा।

उप्र पुलिस में 32,679 नई भर्तियों की घोषणा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। साल 2025 के आखिरी दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के लाखों युवाओं को अच्छी खबर दी है। उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 के तहत कुल 32,679 पदों पर भर्ती की विज्ञप्ति जारी कर दी गई है।

● **साल के आखिरी दिन युवाओं को योगी सरकार ने दी अच्छी खबर**

भर्ती बोर्ड के अनुसार अभ्यर्थी 31 दिसंबर 2025 से 30 जनवरी 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन से पहले उम्मीदवारों को बोर्ड की वन टाइम रजिस्ट्रेशन यानी ओटीआर प्रणाली में पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। यह व्यवस्था भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी, तेज और तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में अहम मानी जा रही है।

ओटीआर के जरिए एक बार पंजीकरण कराने के बाद अभ्यर्थियों को बार-बार दस्तावेज अपलोड करने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे समय और संसाधनों दोनों की बचत होगी। योगी आदित्यनाथ सरकार के कार्यकाल में पुलिस भर्ती अब अभियान का रूप ले चुकी है। साल 2025 में ही 60,244 पदों पर सिपाही भर्ती पूरी की गई थी और अब 32,679 नई भर्तियों की घोषणा ने यह साफ कर दिया है कि सरकार कानून-व्यवस्था के साथ-साथ युवाओं के भविष्य को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

लिवर खराब करने वाली दवा निमेसुलाइड पर लगा प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी

● **सौ मिलीग्राम से अधिक मात्रा वाली ओरल दवाएं आएंगी प्रतिबंध के दायरे में**

स्वास्थ्य मंत्रालय ने ऐसी सभी ओरल दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर तत्काल प्रभाव से पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है, जिसमें निमेसुलाइड की मात्रा 100 मिलीग्राम से अधिक है। लिवर को नुकसान पहुंचाने वाली इस दवा को मंत्रालय ने एक वर्ष पहले मवेशियों के लिए भी प्रतिबंधित कर दिया था।

भारत में इस साल्ट का प्रयोग सामान्य रूप से दर्द और बुखार में होता है। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक इसकी उच्च खुराक से कई समस्याएं पैदा हो सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने पहले ही इससे रोगियों में लिवर-किडनी को घातक नुकसान पहुंचने की आशंका जताई थी। इसे गिद्धों के लिए भी खतरनाक बताया गया था। इस बारे में आईवीआरआई के एक अध्ययन के दौरान जिन जिन गिद्धों को निमेसुलाइड दी गई, वे 24 घंटे के भीतर मर गए।

कई देशों में 20 साल पहले से प्रतिबंध: फिनलैंड, स्पेन, आयरलैंड, सिंगापुर समेत कई देशों ने 2002 और 2007 के बीच इस दवा पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके लिवर एंजाइम की वृद्धि, लिवर विषाक्तता, आंतरिक रक्तस्राव, थक्के विकार, किडनी को गंभीर रूप से नुकसान जैसे जोखिम बताए गए थे। भारत ने 2011 में 12 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए इस पर प्रतिबंध लगा दिया था, मगर बार-बार चेतावनियों के बावजूद वृद्ध रोगियों में उपयोग की अनुमति जारी रखी गई।

18 साल की काम्या ने साउथ पोल तक स्कीइंग कर रचा इतिहास

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के अधिकारी की 18 साल की बेटी काम्या कार्तिकेयन ने साउथ पोल तक स्कीइंग करके इतिहास रच दिया है। वह यह कारनामा करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय और दुनिया की दूसरी सबसे कम उम्र की महिला बन गई हैं।

● **सबसे कम उम्र में ऐसा करने वाली भारत की पहली महिला बनीं**

काम्या ने 89 डिग्री दक्षिण से यह यात्रा शुरू करके ज्योग्राफिक साउथ पोल तक पैदल 115 किमी का सफर तय किया। यह शानदार उपलब्धि हासिल करने को काम्या ने अंटार्कटिका की माइनस 30 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान और तेज तूफानी हवाओं का सामना किया। वह पूरे एक्सपेडिशन के सामान से भरी स्लेज खींचते हुए 60 नॉटिकल मील पैदल चलकर 27 दिसंबर को साउथ पोल पर पहुंचीं। भारतीय नौसेना ने काम्या को बधाई दी है।

ब्रीफ न्यूज

सुबह 10 से 3 बजे तक चलेंगे माध्यमिक स्कूल

लखनऊ। प्रदेश में 2 जनवरी से सभी माध्यमिक स्कूल खुल जाएंगे। यह स्कूल सुबह 10 बजे से दोपहर 3 .0 बजे तक खुलेंगे। सर्दी को देखते हुए स्कूलों के समय को एक घंटा कम किया गया है। पहले इन स्कूलों का समय 9 .30 बजे से 3 .30 बजे तक का था। माध्यमिक स्कूलों से अलावा प्राथमिक स्कूलों में 14 जनवरी तक अवकाश घोषित कर दिया गया है। यह 15 दिन का शीतकालीन अवकाश बेसिक के अवकाश कैलेंडर में अंकित होता है।

झारखंड: हाई सिक्योरिटी जेल से तीन कैदी फरार

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारागार से तीन कैदी फरार हो गए हैं। इस घटना ने पूरे प्रशासनिक तंत्र को सकते में ला दिया है। यह जेल हाई सिक्योरिटी के लिए जानी जाती है। जहां खूंखार कैदी और नक्सलियों को रखा जाता है। इसके साथ कई हाई प्रोफाइल विचाराधीन कैदी भी जेल में बंद हैं। ऐसे में तीन कैदी के लापता होने के बाद सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठना शुरू हो गए हैं। इस जेल में पांच स्तरीय सुरक्षा कवच है। कोई भी व्यक्ति जो जेल परिसर के अंदर जाता है, उसे इन पांच सुरक्षा घेरा से गुजरना होता है। कोई बाहर निकलता है तो भी उसे इन पांच घेरों से होते हुए निकलना पड़ता है।

रिश्वतखोरी में सीजीएसटी उपायुक्त समेत 5 गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने उत्तर प्रदेश के झांसी में सीजीएसटी कार्यालय में रिश्वतखोरी के रैकेट का भंडाफोड़ कर भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी व उपायुक्त प्रभा भंडारी समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। अन्य लोगों में अधीक्षक अनिल तिवारी व अजय कुमार शर्मा, जय दुर्गा हार्डवेयर के मालिक राजू मंगतानी और वकील नरेश कुमार गुप्ता शामिल हैं। सीबीआई ने 30 दिसंबर को इस संबंध में मामला दर्ज किया था। आरोप है कि जीएसटी चोरी के मामलों में निजी फर्मों को फायदा पहुंचाने के लिए 1.5 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी गई थी।

इंदौर में दूषित पानी से डायरिया, 9 मरे

भोपाल, एजेंसी

● **देश में सबसे स्वच्छ घोषित शहर में सैकड़ों लोग अस्पताल में भर्ती**
● **नगर निगम के दो अफसरों को निलंबित, एक को बर्खास्त किया**

इंदौर शहर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी से फैले संक्रमण ने गंभीर रूप ले लिया। डायरिया होने के बाद छह महीने के एक बच्चे सहित अब तक नौ लोगों की मौत होने का दावा किया जा रहा है, जबकि सैकड़ों लोग बीमार होकर अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें बड़ी संख्या में बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने सात लोगों की मौत की पुष्टि की है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार भागीरथपुरा के अब तक 1146 मरीजों का इलाज किया जा चुका है, जबकि 150 से अधिक मरीज विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं। स्थिति यह है कि क्षेत्र के लगभग हर दूसरे घर से कोई न कोई व्यक्ति बीमार होकर अस्पताल पहुंच रहा है। लापरवाही सामने आने के बाद निगम के जोनल अधिकारी शालिग्राम सितोले और सहायक यंत्री योगेश जोशी को निलंबित कर दिया गया है, जबकि प्रभारी उपयंत्री शुभम श्रीवास्तव को सेवा से बर्खास्त किया गया है। मामले की जांच के लिए एडीएम नवजीवन पंवार की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये देने तथा मरीजों के मुफ्त इलाज की घोषणा की है।

पर्यावरण की चिंता | संघ प्रमुख ने अरावली का जिक्र कर दी चेतावनी- ध्यान न रखा तो भविष्य को चुकानी पड़ेगी बड़ी कीमत

विकास और प्रकृति में संतुलन रखना बेहद जरूरी

रायपुर, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने बुधवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक कार्यक्रम में अरावली पर्वतमाला का उदाहरण देते हुए कहा कि विकास और प्रकृति में संतुलन बेहद जरूरी है।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पर्यावरण का ख्याल रखे बगैर विकास की रफ्तार जारी रखी गई तो आने वाली पीढ़ियों को इसके गंभीर दुष्परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। छत्तीसगढ़ के तीन दिवसीय प्रवास के दौरान मोहन भागवत बुधवार को रायपुर एम्स में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, मौजूदा दौर में विकास की दिशा पर गंभीरता से पुनर्विचार करने की आवश्यकता है, क्योंकि ऐसा कोई मॉडल अब तक सामने नहीं आया है, जिसमें इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार और पर्यावरण संरक्षण बिना टकराव के एक साथ आगे बढ़ सके। ऐसी परिस्थितियों में समाज को संतुलित और टिकाऊ विकल्पों की ओर बढ़ना ही होगा।

उन्होंने इस परिप्रेक्ष्य में अरावली पर्वतमाला का उल्लेख किया जिसकी नई परिभाषा लागू किए जाने पर देश भर के प्रमुख पर्यावरणविदों ने गंभीर चिंता जताई थी जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल इसे स्थगित कर दिया है।

युवा जिम्मेदारी समझें, बड़े बदलाव की नींव रखें

संघ प्रमुख ने कहा कि विकास और प्रकृति को परस्पर विरोधी मानने के बजाय दोनों का समानांतर और संतुलित विस्तार जरूरी है। इसके लिए केवल नीतियों में बदलाव ही नहीं, बल्कि जीवनशैली में भी सकारात्मक परिवर्तन लाने होंगे। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे करियर और रोजगार के साथ पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी समझें और छोटे-छोटे प्रयासों से बड़े बदलाव की नींव रखें। युवाओं से जुड़े सामाजिक मुद्दों पर बात करते हुए भागवत ने नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आज का युवा भीतर से अकेलापन महसूस कर रहा है।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता

M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)

Senior Consultant Neurosurgeon

मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ

Reg. No. UPMCI 65389

समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक

सुविधायें

ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क

ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा

गर्दन दर्द (सर्वाइकल)

रीढ़ की चोट, टी.बी

सिर दर्द, माइग्रेन

कमर दर्द, कंधों में दर्द

पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ

सिर की चोट (हेड इंजरी)

हाथ पैरों में झनझनाहट

फालिज (लकवा)

नसों का दर्द

सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)

दिमागी में पानी व खून जमना

दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन

Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre

Google Maps Location

सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली

7417389433, 7017678157

9897287601, 8191879754

गन्ना कटवाने के बाद भी नहीं मिला तेंदुआ, बदला ठिकाना

एसडीओ के नेतृत्व में सिंधौली, पुवायां व खुटार वन रेंज के अधिकारियों और वनकर्मियों ने तेंदुआ को तलाश किया

संवाददाता, खुटार

अमृत विचारः गांव प्रतापपुर में बालक राम के गन्ने के खेत में तेंदुआ ने शावकों के साथ लगातार देखे जाने के बाद बुधवार सुबह करीब आठ बजे वन विभाग ने रेस्क्यू अभियान चलाया। एसडीओ डॉ. सुशील कुमार के नेतृत्व में सिंधौली पुवायां, खुटार वन रेंज के तमाम अधिकारी, वनकर्मियों और फील्ड वाचरो के समूह ने गन्ने के अंदर घुसकर कांबिंग की। इससे पूर्व ड्रोन कैमरे से सर्वे किया गया। बाद में करीब पांच घंटे तक रेस्क्यू अभियान चलाया गया। बावजूद इसके वन अधिकारियों के हत्थे तेंदुआ नहीं चढ़ सका और न ही कोई लोकेशन ट्रेस हो पाई। आशंका जताई गई कि तेंदुआ जंगल में चला गया। तो कहीं यह से अपना ठिकाना बदलकर दूसरी जगह पर बना लिया हो। हालांकि, वन विभाग के समूह में पचास सदस्यों की निगरानी में किसानों ने काटा। बाद में छिलाई का कार्य शुरू हो पाया। वन अधिकारियों का कहना है कि तेंदुआ जंगल में चला गया है। फिर भी आशंका को लेकर क्षेत्र में कांबिंग कराई जा रही है। लोगों को जागरुक कर सतर्कता बरतने की अपील की जा रही है।

वन विभाग की टीम की मौजूदगी में प्रतापपुर में काटी गई गन्ने की फसल। ● अमृत विचार

● **ड्रोन कैमरे से भी किया सर्वे, पांच घंटे चला अभियान**

> टीम के साथ मौके पर पहुंचा था। सामने ही गन्ने की छिलाई कराई गई। तेंदुआ की कोई लोकेशन नही मिली है। टीम क्षेत्र में लगातार कांबिग कर रही है।
>
> -**डॉ. सुशील कुमार**, एसडीओ वन विभाग

खुटार के गांव प्रतापपुर निवासी बालक राम के खेत में गन्ना छिलाई का काम चल रहा था। लेकिन कई दिनों से गन्ने में तेंदुआ देखा जा रहा था। इससे गन्ना छिलाई प्रभावित हुई और डर के कारण श्रमिकों ने काम को बंद कर दिया था। जबकि 23 और 27 दिसंबर को तेंदुआ ने दो बार गन्ना छिलाई कर रहे श्रमिकों पर हमला बोला था। श्रमिकों ने किसी तरह मौके से भागकर जान बचाई थी। ग्रामीणों के खदेड़ने पर फिर से तेंदुआ गन्ने के अंदर चला जाता था। बाद में किसान बालक राम ने जान का खतरा देख गन्ना छिलाई पूरी तरह से बंद करा दी थी। अधिकारियों के संज्ञान में मामला पहुंचा तो 28 दिसंबर को बालक राम के खेत में पिंजरा लगाया गया था। फिर भी तेंदुआ पिंजरे में कैद नहीं हो पाया था। 30 दिसंबर को वन विभाग की टीम ने गन्ने में तेंदुआ छिपा है। इस आशंका से ड्रोन कैमरे से सर्वे कराया गया था। लेकिन लोकेशन ट्रेस नहीं हो पाई थी। जबकि ग्रामीण गन्ने के खेत में ही तेंदुआ छिपा है। यह हामी भर रहे थे। तेंदुआ के डर से लोग भयभीत थे और खेतों की तरफ आना-जाना छोड़ दिया था। इससे वन विभाग के लिए भी तेंदुआ सिरदर्द बना हुआ था।

बुधवार सुबह करीब सात बजे एसडीओ डॉ. सुशील कुमार गांव प्रतापपुर में मौके पर टीम के साथ पहुंचे और जांच की। बाद में ड्रोन कैमरे से गन्ने का सर्वे किया गया। फिर भी तेंदुआ का कुछ पता नहीं चला। सुबह आठ बजे एसडीओ के नेतृत्व में सिंधौली पुवायां के रेंजर वीरेश राव, खुटार रेंजर मनोज श्रीवास्तव, रोहित पांडेय, संतोष गौड़, संदीप कुमार, आदेश सिंह, अमित वर्मा, अनिल कुमार, अशोक कुमार, सुनाली पांडेय, प्रियंका चौधरी, योगेंद्र यादव, आशीष शुक्ला, न्यूनतम वेतन कर्मी, फील्ड वाचरो ने बालक राम के गन्ने खेत में अंदर घुसे और शोर मचाया। दोपहर एक बजे तक गन्ने में तेंदुआ को पकड़ने का रेस्क्यू अभियान चला। पूरे गन्ने में तलाश के बाद तेंदुआ का कोई सुराग नहीं लगा। इससे फिर से तेंदुआ वन विभाग की पकड़ से दूर हो गया। उधर, किसानों ने वन अधिकारियों की मौजूदगी में खेत में खड़ा गन्ना काट लिया और छिलाई का काम शुरू कर दिया। बाद में कांबिंग करने के साथ ही सचेत कर टीम वापस लौट गई।

भय बरकरार, जंगल में या आसपास गन्ने के खेतों में चला गया

वन विभाग की ओर से चलाया गया रेस्क्यू अभियान में तेंदुआ हत्थे नहीं चढ़ सका। माना जा रहा है कि तेंदुआ पहले ही गन्ने से जंगल में या फिर दूसरे खेतों में गन्ने में चला गया है। इस आशंका को लेकर अभी भी ग्रामीणों में भय बना हुआ है। जबकि वन अधिकारी कांबिंग करने की बात कहकर तसल्ली दे रहे है।

नौ दिन बाद गन्ने की फसल कटी, मिली राहत

गांव प्रतापपुर निवासी बालक राम के गन्ने के खेत में तेंदुआ ने अपना डेरा डाल रखा था। इससे गन्ना छिलाई को बंद करना पड़ा था। बुधवार को वन विभाग ने रेस्क्यू अभियान चलाया। तो गन्ने की कटाई तो हुई पर तेंदुआ का कोई सुराग नहीं लगा। लेकिन किसान बालक राम को कुछ राहत मिल पाई। जबकि तेंदुआ के नहीं पकड़े जाने पर ग्रामीणों के लिए अभी भी परेशानी बनी हुई है।

पिंजरा बना दिखावा

वन विभाग ने खेत में पिंजरा रखवाया था। इसके बावजूद तेंदुआ को कैद करने में सफलता हासिल नहीं हो पाई। ।वन विभाग की टीम को बुधवार को भी फिर से निराशा हाथ लगी और ग्रामीणों को जान जोखिम में डालने जैसा। इससे खेतों में आने जाने में भय सा लगा रहता है।

बिजली विभाग की लापरवाही से भटक रहा उपभोक्ता

संवाददाता, जैतीपुर

अमृत विचारः क्षेत्र में बिजली विभाग की लापरवाही के कारण एक उपभोक्ता को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कुलुआबोझ निवासी राजपाल ने बताया कि उनकी पत्नी सुनीता के नाम विद्युत कनेक्शन है, लेकिन मीटर लगाने आए कर्मचारियों ने शंकरपुर पिटरहाई गांव के रामौतार का मीटर उनके घर पर लगा दिया। यह गलती तब सामने आई जब मीटर रीडर बिल निकालने पहुंचा। राजपाल के अनुसार, इस घटना को एक वर्ष से अधिक समय हो गया है और वह लगातार अधिकारियों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। बुधवार को वह प्रार्थना पत्र लेकर विद्युत उपकेंद्र जैतीपुर पहुंचे, जहां कर्मचारियों ने यह कहकर आवेदन लेने से मना कर दिया कि छूट का काम चल रहा है और बाद में आने को कहा गया। राजपाल ने उच्च अधिकारियों से मामले की जांच कर सही बिल जारी कराने की मांग की है। इस संबंध में कटरा उपखंड के अवर अभियंता अजीत कुमार ने बताया कि उपभोक्ता से मीटर जमा करवाने को कहा गया है और शीघ्र समस्या का समाधान किया जाएगा।

कलान में पैदल गश्त कर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ने लिया सुरक्षा का जायजा

संवाददाता, कलान

अमृत विचार : नव वर्ष की संध्या पर सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के उद्देश्य से बुधवार शाम अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दीक्षा भवरे ने पुलिस बल के साथ कस्बे में पैदल मार्च किया। इस दौरान क्षेत्रवासियों से संवाद कर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया और शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई।

एसपी ग्रामीण दीक्षा भवरे एवं क्षेत्राधिकारी अजय कुमार राय ने पुलिस जवानों के साथ थाना परिसर से पैदल मार्च की शुरुआत की। मार्च थाना रोड होते हुए स्टेट हाईवे तक पहुंचा। अधिकारियों ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने को कहा। पैदल मार्च के दौरान पुलिस ने स्टेट हाईवे पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग भी की। इस दौरान बिना नंबर के रिक्शा चालकों को सख्त हिदायत देकर छोड़ दिया गया। थाना प्रभारी को निर्देश दिए गए कि यदि आगे इस प्रकार का कोई वाहन सड़क पर दिखाई दे तो उसके विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की जाए। पैदल मार्च के समय थाना प्रभारी प्रभाष चंद्र सहित कई पुलिसकर्मी मौजूद रहे। अधिकारियों ने कहा कि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस लगातार सतर्क रहेगी।

कलान कस्बे में पुलिस बल के साथ पैदल मार्च करतीं एसपी ग्रामीण दीक्षा भवरे।

● **लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया, हाईवे पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग**

प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध निर्माण कार्यों पर होगी सख्ती

शाहजहांपुर, अमृत विचार : शाहजहांपुर विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष एवं डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह के निर्देशानुसार बुधवार को एडीएम वित्त अरविंद कुमार, अवर अभियंता प्राधिकरण सहित अन्य स्टाफ ने विकास प्राधिकरण क्षेत्र के लोधीपुर, हथौड़ा बुजुर्ग, अटसलिया, मोहम्मदी रोड एवं लौका क्षेत्रों में चल रहे दर्जनों अवैध निर्माण और अवैध भू-विकास प्लाटिंग कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मौके पर हो रहे अवैध निर्माण कार्यों को तत्काल रुकवाते हुए संबंधित लोगों को नियमानुसार प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही अवैध निर्माणों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में नोटिस जारी करने, निर्माण सील करने और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई अमल में लाने के निर्देश भी दिए गए।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
डा. दीक्षा गंगवार
एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ. (गोल्ड मेडलिस्ट)
(के.जी.एम.यू. लखनऊ)
निःशुल्क परामर्श हेतु संपर्क करें
+91 78952 78992
समय : प्रातः 9 से 10 बजे तक, सायं 4 से 5 बजे तक
पता : स्व. केसर सिंह गंगवार कार्यालय, अशर्फी बैंकट हाल, 100 फुटा रोड, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 9897838286

वकीलों ने तहसील प्रशासन पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

संवाददाता, जलालाबाद

अमृत विचार : तहसील में लगातार हो रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ वकीलों का धैर्य जबाव दे गया। बुधवार को वकीलों ने तहसील प्रशासन पर भ्रष्टाचार के तमाम आरोप लगाते हुए कार्य बहिष्कार कर दिया। इसके बाद सभी ने बार एसोसिएशन जलालाबाद के तत्वावधान में उप जिलाधिकारी के कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की और कई सवाल उठाए।

अधिवक्ताओं का आरोप है कि तहसील में न्यायिक कार्यों में अनावश्यक देरी हो रही है, समय से न्याय नहीं मिल पा रहा है और नियमावली के विरुद्ध आदेश पारित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लेखपालों से लेकर तहसील प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, जिसके चलते आम जनता को उचित न्याय नहीं मिल पा रहा है और क्षेत्र में असंतोष का माहौल बना हुआ है। प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने बताया कि वे जल्द ही जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह से मिलकर तहसील प्रशासन के विरुद्ध ज्ञापन सौंपेंगे और पूरे मामले को बताएंगे। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सूरजपाल वर्मा सहित शिशुपाल सिंह, संजय सिंह, श्यामबाबू सिंह, ज्ञानेंद्र सहाय श्रीवास्तव, मोहम्मद शकील, अब्दुल कासिम खा, शादिक अली खा, अमान अली खान, दीपक सिंह, विपिन मैथिल, अर्पित गुप्ता, मनोज द्विवेदी, अनिल पाठक, सौरव गुप्ता, विपिन पांडे सहित 50 से अधिक अधिवक्ता शामिल रहे।

जलालाबाद तहसील में प्रदर्शन और नारेबाजी करते अधिवक्ता। ● अमृत विचार

● **न्यायिक कार्य बहिष्कार कर एसडीएम कार्यालय के सामने की जमकर नारेबाजी**

सर्किल रेटों में जीरो से 20 प्रतिशत तक वृद्धि लागू

शाहजहांपुर, अमृत विचारः उत्तर प्रदेश स्टाम्प संपत्ति मूल्यांकन द्वितीय संशोधन नियमावली 2013 के अंतर्गत जिले की संपत्ति मूल्यांकन सूची को पुनरीक्षित करते हुए नई दर सूची गुरुवार से प्रभावी कर दी गई है। एडीएम वित्त अरविंद कुमार ने बताया कि व्यापक सर्वेक्षण और वर्तमान परिस्थितियों के दृष्टिगत कृषि, अकृषक, व्यावसायिक संपत्ति और निर्माण की दरों को बाजारी मूल्य के अनुरूप निर्धारित किया गया है। तहसीलों सदर, पुवायां, तिलहर, जलालाबाद और कलान में न्यूनतम दरें तय की गई हैं।

शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म, भेजा जेल

● **कई साल से महिला को झांसा दे रहा था आरोपी**

संवाददाता, खुटार

अमृत विचार : महिला से प्रेम प्रसंग कर शादी का झांसा देकर युवक ने कई बार दुष्कर्म किया। बाद में शादी करने से इनकार कर दिया। महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई। तो पुलिस ने बुधवार को खुटार-मैलानी रोड पर बाबा चौराहा के पास आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया। जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

खुटार क्षेत्र के गांव निवासी व्यक्ति की पत्नी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि गांव महुआ पिमई निवासी विजेंद्र कुमार का बेटा कपिल उर्फ अश्वनी कुमार का उससे पिछले डेढ़ साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। आरोपी ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाये। इस दौरान आरोपी ने उससे शादी करने का झांसा दिया और कई बार दुष्कर्म किया। महिला ने आरोपी से शादी करने की बात कही, तो वह कुछ दिन बाद शादी करने की बात कहकर टलता रहा। बाद में आरोपी मुकर गया। 30 दिसंबर को महिला ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। बुधवार को थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार रावत को सूचना मिली कि आरोपी खुटार-मैलानी रोड पर बाबा चौराहा के पास सवारी के इंतजार में खड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर भेजा और आरोपी कपिल को पकड़ लिया। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया। आरोपी को जेल भेज दिया है।

पुलिस हिरासत में आरोपी। ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

कार न देने पर बहु को घर से निकाला

शाहजहांपुर, अमृत विचार : कलान थाना क्षेत्र के मोहल्ला शक्तिनगर निवासी स्वाती ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि उसकी शादी 07 मई 25 को संदीप निवासी कृष्णानगर कालोनी जिला फरीदाबाद के साथ हुई थी। दहेज से ससुराल वाले संतुष्ट नहीं थे। ससुराल वालों ने कार की मांग की। उसने समझाने का प्रयास किया तो उत्पीड़न शुरू कर दिया। इसके बाद घर से निकाल दिया। शिकायत पर पांच के खिलाफ पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

ससुराल गई महिला लापता, गुमशुदगी दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : तिलहर के मोहल्ला बहादुरगंज निवासिनी सुषमा ने थाना पर तहरीर दी है। सुषमा ने बताया कि उनकी बेटी रिचा (35) पत्नी संजय सिंह की ससुराल रोजा थाना क्षेत्र के गांव हथौड़ा में है। बताया कि उनकी बेटी ससुराल से मायके आने के लिए निकली थी, लेकिन अब तक नहीं पहुंची और ससुराल में भी नहीं पहुंची। मोबाइल भी बंद है। उन्होंने अनहोनी की आशंका जताई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

दुकान से पांच बोरी धान चोरी

शाहजहांपुर, अमृत विचार : परौर थाना क्षेत्र के गांव हैदलपुर निवासी अमित कुमार ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि उसकी पकड़िया चौराहे पर पर धान खरीद की दुकान है। तीन दिन पूर्व उसकी दुकान से पांच बोरी धान चोरी हो गया। चोरी की घटना उसके दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकार्ड है। पुलिस ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

ट्रेनों के विलंब से आने के कारण यात्री रद्द करा रहे रिजर्वेशन

एक दर्जन ट्रेनें विलंब से पहुंची, त्रिवेणी समेत तीन ट्रेनें रद्द

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः कोहरे के कारण ट्रेनों के अधिक विलंब होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अप लाइन की बाघ एक्सप्रेस और डाउन लाइन की बेगमपुरा एक्सप्रेस कई घंटे विलंब से पहुंची है। ट्रेनों के अधिक विलंब होने यात्री मजबूरन रिजर्वेशन टिकट केसिंल करा रहे है। डाउन लाइन की पंजाब मेल, त्रिवेणी एक्सप्रेस और काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस रद्द रही है।

कोहरे के कारण डाउन व अप लाइन की ट्रेनें काफी विलंब से आ रही है। ट्रेनों के विलंब हो जाने से ठण्ड में रिजर्वेशन यात्रियों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। ठिठुरती ठण्ड में प्लेटफार्म पर बच्चों के साथ ट्रेन का इंतजार करते है। डाउन लाइन की बेगमपुरा एक्सप्रेस पौने चार घंटे, गंगा सतलज एक्सप्रेस पौने दो घंटे, जम्मूतवी-कानपुर एक्सप्रेस डेढ़ घंटे, चंडीगढ़ सुपरफास्ट एक्सप्रेस पौने चार घंटे, चंडीगढ़ एक्सप्रेस पौने दो घंटे, पदमावत एक्सप्रेस साढ़े तीन घंटे, गरीब नवाज एक्सप्रेस साढ़े तीन घंटे, नई दिल्ली-लखनऊ एसी पौने दो घंटे, दून एक्सप्रेस डेढ़ घंटे, श्रमजीवी एक्सप्रेस ढाई घंटे और अप लाइन की कानपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस पौने दो घंटे आदि ट्रेनें काफी विलंब से स्टेशन पर पहुंची है। डाउन लाइन की पंजाब मेल, त्रिवेणी एक्सप्रेस और काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस रद्द रही है। ट्रेनों के अधिक लेट हो जाने से रिजर्वेशन वाले यात्री अपना टिकट केसिंल करा रहे है। कई यात्रियों ने अपने टिकट केसिंल करा दिए है।

कोहरे में आ रही ट्रेन। • अमृत विचार

सरकुलेटिंग एरिया में अलाव की नहीं व्यवस्था

रेलवे स्टेशन के सरकुलेटिंग एरिया और माल गोदाम रोड पर टिकट घर के पास नगर निगम की तरफ अलाव की व्यवस्था नहीं की गयी है। ई-रिक्शा चालकों ने रात में अलाव की व्यवस्था नहीं है। लोग कूड़ा एकत्रित करके जलाकर आग तापते है। भीषण ठंड में यात्री परेशान दोनों स्थानों परेशान होते है।

चाचा-भतीजे को पीटा तोड़ दिया मोबाइल

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जलालाबाद थाना क्षेत्र के गांव हथिनापुर निवासी वीरेश कुमार ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि सोमवार की शाम छह बजे घर के बाहर परिवार के साथ आग ताप रहे थे। गांव के पुष्पेंद्र, प्रदीप, विमलेश, धनपाल सिंह आए और गाली देने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके और उसके भतीजे पवन पर हमला बोल दिया और लोहे की रॉड से पीटकर घायल कर दिया। पीड़ित घटना का वीडियो बनाने लगा तो आरोपियों ने उसका मोबाइल छीन लिया और मोबाइल जमीन पर पटककर तोड़ दिया। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। घटना का कारण पुरानी रंजिश बताया जाता है। पुलिस ने आरोपी पुष्पेंद्र, प्रदीप, विमलेश, धनपाल के खिलाफ विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज ली है।

नव वर्ष की पूर्व संध्या पर एसपी ने की पैदल गश्त

- होटल, ढाबों की चेकिंग, बाइकों का किया चालान

शाहजहांपुर,अमृत विचारः नए साल की पूर्व संध्या पर शहर में एसपी राजेश द्विवेदी ने पुलिस फोर्स के साथ शहर में पैदल गश्त की। इस दौरान थानों की पुलिस ने ढाबों और होटलों पर चेकिंग की। चेकिंग से शराबियों में अफरा-तफरी मच गयी।

एसपी राजेश द्विवेदी ने नए साल की पूर्व संध्या पर फोर्स के साथ शहर में सदर बाजार, बहादुरगंज, लाल इमली चौराहा, घंटाघर, मल्हार रोड आदि स्थानों पर पैदल गश्त की। उन्होंने संदिग्ध वाहनों की चेकिंग करायी और संदिग्ध लोगों से पूछताछ की गयी। एसपी का पैदल गश्त का उद्देश्य क्षेत्र में शांति व्यवस्था सुदृढ़ करना और आमजन में सुरक्षा की भाव स्थापित करना है। एसपी के साथ एएसपी सिटी, सीओ सिटी आदि स्टाफ मौजूद रहा। इधर सदर बाजार, कोतवाली, रामचंद्र मिशन और रोजा पुलिस ने अपने क्षेत्र में ढाबे और होटलों पर चेकिंग की। उन्होंने स्वामी को निर्देश दिए कि शराब पिलायी तो कार्रवाई की जाएगी ओर हुड़दंग मचाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

हज़रत बूलन शाह मियां का उर्स जारी, कुल शरीफ आज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : हज़रत बूलन शाह मियां का 314 वां सालाना उर्स बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। सुबह से ही मोहल्ला लोधीपुर में स्थित दरगाह पर आए जायरीन ने गागर और चादर की रस्म अदा की। मजार पर गुलपोशी और चादरपोशी का सिलसिला दिन भर चलता रहा। शाम को महफिल-ए-समा में कव्वालों ने सूफी कलाम पेश किया। दरगाह के खादिम मोहम्मद सईद ने बताया कि 1 जनवरी को सुबह 10 बजे फातेहा ख्वानी (छोटा कुल) होगी। शाम 6 बजे कुल शरीफ की महफिल होगी, जिसमें शहर इमाम मौलाना हुजूर अहमद मंजरी की तकरीर होगी।

लाल शाह बाबा का कुल शरीफ हुआ

शाहजहांपुर, अमृत विचार : लोधीपुर मोहल्ले में रेलवे लाइन किनारे हज़रत लाल शाह बाबा का 133वां दो दिवसीय सालाना उर्स बुधवार को मगरिब के बाद कुल शरीफ की महफ़िल के साथ संपन्न हो गया। इस दौरान जायरीन ने कुल शरीफ में हाज़िरी देकर दुआएं मांगीं। उर्स के इंतज़ाम में अशफ़ाक अली, अशफ़ाक खान, अफ़रोज़ अली, शकील, दिलशाद, मुहम्मद रफ़ी, अज़ीज़ अली, बबलू रहे।

राजनारायण की 39 वीं पुण्यतिथि मनाई

शाहजहांपुर, अमृत विचार : लोकबंधु राजनारायण की 39 वीं पुण्यतिथि बुधवार को यहां बिजलीपुरा स्थित समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर मनाई गई। इस दौरान पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

गोष्ठी में सपा जिलाध्यक्ष एवं पूर्व चेयरमैन तनवीर खां ने लोकबंधु राजनारायण के योगदान पर चर्चा की। इस मौके पर सपा प्रदेश सचिव विजय सिंह, सपा अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश प्रमुख महासचिव सैयद रिजवान अहमद, अतिउल्ला सिद्दीकी, सपा महानगर अध्यक्ष चौधरी रामकुमार भोजवाल, अवधेश कुमार पाल, हफीज अंसारी, किरन कठेरिया, सरताज खान, मोनू कुरैशी, संतोष कुमार पाल, जाफरीन, दुर्गेश गुप्ता, सुखपाल सिंह वर्मा, आशिक अली, राकेश विश्वकर्मा, मोहम्मद रकीम, मनोज यादव, बहादुर सिंह यादव, श्लोक मौर्य, सौरभ कुमार भास्कर एडवोकेट, यश मौर्य, सुनील यादव समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

लोकबंधु राजनारायण के चित्र पर पुष्पांजलि करते सपा कार्यकर्ता। • अमृत विचार

अप्रेंटिसशिप मेले में 47 अभ्यर्थियों में से 12 का चयन

शाहजहांपुर, अमृत विचार : रोजा आईटीआई में बुधवार को अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया गया। मेले में कुल 47 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 12 का चयन विभिन्न कंपनियों ने किया। मेले में जी सर्जिवियर और सहकारी चीनी मिल तिलहर जैसी दो कंपनियों ने हिस्सा लिया। इन कंपनियों के प्रतिनिधियों ने सभी उपस्थित अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया। कुल 47 अभ्यर्थियों ने मेले में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, लेकिन इनमें से केवल 12 प्रशिक्षार्थियों को ही अप्रेंटिसशिप के लिए चुना जा सका।

न्यूज ब्रीफ

पॉक्सो एक्ट में बाल अपचारी गिरफ्तार

शाहजहांपुर, अमृत विचार : कटरा थाना के प्रभारी निरीक्षक जुगुल किशोर ने बताया कि एक बाल अपचारी एक माह पूर्व किशोरी को अगवा करके ले गया था। पुलिस ने किशोरी को बरामद कर लिया था और आरोपी बाल अपचारी फरार था। पुलिस ने आरोपी खैरपुर चौराहे से गिरफ्तार लिया।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी विदाई

शाहजहांपुर, अमृत विचार : एसपी राजेश द्विवेदी ने सेवानिवृत्त होने पर रोजा के उप निरीक्षक राम सेवक, उप निरीक्षक शहीद अहमद, कमलेश कुमार और मुख्य आरक्षी शिव सिंह को पुलिस लाइन परिसर में उपहार व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने उनके उज्जवल, सुखमय, स्वस्थ्य एवं समृद्ध भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी है। प्रतिसार निरीक्षक संतोष कुमार सिंह आदि रहे।

स्थानांतरण होने पर दरोगा को दी गई विदाई

खुटार, अमृत विचार : थाने क्षेत्र में हल्का नंबर दो में तैनात दरोगा अनुज चौधरी का शाहजहांपुर के तिलहर कोतवाली अंतर्गत आने वाली नगरिया चौकी प्रभारी पद पर स्थानांतरित होने पर बुधवार को खुटार थाने में उनका विदाई समारोह कार्यक्रम किया गया। जिसमें थाना प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र कुमार रावत, दरोगा सुभाष चंद्र, मोहित कुमार आदि अन्य साथी पुलिस कर्मियों ने उन्हें विदाई दी।

बाजार से युवक की बाइक ले गए चोर

तिलहर, अमृत विचार : मंगल बाजार में कपड़े खरीदने गए ग्रामीण की बाइक चोर चुरा ले गए। ग्रामीण ने पुलिस को तहरीर दी। अजमाबाद गांव के शिव रतन ने बताया कि वह मंगलवार को हाईवे किनारे लगने वाली मंगल बाजार में कपड़े खरीदने बाइक से गया था। उसने अपनी बाइक बाजार के बाहर लॉक लगाकर खड़ी कर दी थी। कुछ देर बाद जब बाजार से वह वापस आए तो देखा बाइक उसकी नहीं थी।

छात्रा साइकिल समेत लापता, गुमशुदगी दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : स्कूल गई 12 वर्षीया छात्रा का तीसरे दिन भी पता नहीं चल सका है। छात्रा के पिता ने थाना में तहरीर देकर गुमशुदगी दर्ज करने की मांग की है। एक गांव निवासी व्यक्ति ने थाना पर तहरीर देकर बताया कि उनकी बेटी की उम्र 12 वर्ष है। वह विक्रमपुर गांव के स्कूल में पढ़ती है। उनकी बेटी साईकिल से 29 दिसंबर को स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं पहुंची। परिजनों ने सब जगह तलाश किया, लेकिन मिली नहीं। शिकायत पर पुलिस ने तलाश शुरू कर दी है।

माघ मेला : ढाईघाट गंगा तट पर होगा श्रद्धा और आस्था का संगम

माघ मेला ढाईघाट 2025-26 की तैयारियों की संयुक्त समीक्षा, शाहजहांपुर-फर्रुखाबाद के जिलाधिकारियों ने मेला स्थल पर की बैठक

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

माघ मेला ढाईघाट की तैयारियों को लेकर मेला स्थल पर संयुक्त समीक्षा करते शाहजहांपुर और फर्रुखाबाद के जिलाधिकारी।

- श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा पर विशेष जोर
- आवागमन, स्वास्थ्य, सफाई और निगरानी के व्यापक प्रबंध

अमृत विचारः जिला पंचायत शाहजहांपुर द्वारा आयोजित माघ मेला ढाईघाट 2025-26 की तैयारियों को लेकर बुधवार को मेला स्थल ढाईघाट पर शाहजहांपुर और फर्रुखाबाद जिलों के प्रशासन की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह एवं आशुतोष कुमार द्विवेदी ने की। बैठक में दोनों जिलों के प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में जानकारी दी गई कि श्रद्धालुओं के सुचारू आवागमन के लिए ढाईघाट पर पक्के मार्ग से गंगा तट तक दो मार्ग बनाए गए हैं, जिनमें एक आगमन और एक प्रस्थान के लिए निर्धारित है। इसके अतिरिक्त बाजार क्षेत्र के भीतर दो मार्ग, आम जनता के लिए एक बाईपास मार्ग और एक वीआईपी मार्ग का निर्माण कराया गया है, जिससे भीड़ प्रबंधन को सुचारू बनाया जा सके। श्रद्धालुओं और साधु-संतों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मेला क्षेत्र में 300 हैंडपंप और नल लगाए गए हैं, जबकि 40 हैंडपंप रिजर्व में रखे गए हैं। इनकी नियमित देखरेख के लिए कर्मचारियों की तैनाती की गई है। विद्युत व्यवस्था के अंतर्गत जनरेटर के माध्यम से 300 ट्यूबलाइट, 400 बल्ब और 40 सर्चलाइट लगाने की व्यवस्था की गई है, जिसे आवश्यकता अनुसार बढ़ाया जाएगा। जिला पंचायत शाहजहांपुर द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस बल, फायर सर्विस, स्वास्थ्य विभाग, पशु स्वास्थ्य विभाग और कर्मचारियों के लिए टेंट, शामियाना, कुर्सियां, चारपाई, दरी सहित अन्य आवश्यक सामग्री की व्यवस्था की गई है। मुख्य घाटों पर महिलाओं के लिए कपड़े बदलने के उद्देश्य से महिला घाट पर पांच चेंजिंग रूम बनाए गए हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत मुख्य चिकित्साधिकारी की ओर से एक डॉ., एक कंपाउंडर और एक वार्ड बॉय की तैनाती दवाइयों सहित की गई है। पशु चिकित्सा सेवाओं के लिए मुख्य पशु चिकित्साधिकारी द्वारा एक डॉ., एक कंपाउंडर और एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की व्यवस्था की गई है। मेला क्षेत्र में खोए बच्चों को परिजनों से मिलाने के लिए खोया-पाया केंद्र जिला पंचायत कैंप कार्यालय में स्थापित किया जाएगा।

सुरक्षा व्यवस्था रहेगी चौकस

सुरक्षा व्यवस्था के तहत 12 गोताखोरों की 24 घंटे तैनाती की जाएगी। पुलिस विभाग द्वारा रिवर पुलिस और स्टीमर की व्यवस्था की गई है। मेला क्षेत्र में पुरुषों के लिए 50 और महिलाओं के लिए 30 शौचालयों के साथ मोबाइल शौचालयों की भी व्यवस्था रहेगी। सफाई व्यवस्था के लिए 40 सफाईकर्मी तैनात किए गए हैं, जबकि अतिरिक्त 20 सफाईकर्मियों की व्यवस्था के निर्देश दिए गए हैं। भीड़ नियंत्रण और निगरानी के लिए दो वॉच टावर लगाए जाएंगे। मेला कोतवाली का निर्माण और चार पुलिस चौकियों की स्थापना की जाएगी। वर्तमान में लगे 10 सीसीटीवी कैमरों के अतिरिक्त मुख्य स्थल, बाजार और प्रमुख मार्गों पर कम से कम 100 अतिरिक्त कैमरे लगाए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

मेला में प्रवेश नहीं कर सकेंगे भारी वाहन

भारी वाहनों को कोलाघाट मोड़ पर ही रोके जाने और पार्किंग के लिए स्थान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। घाट पर मीडिया कर्मियों के लिए मीडिया सेंटर स्थापित किया जाएगा। जिलाधिकारी शाहजहांपुर ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और साफ-सफाई, सुरक्षा, गोताखोरों की तैनाती तथा यातायात व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। वहीं जिलाधिकारी फर्रुखाबाद ने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे स्वच्छता और सुरक्षा का ध्यान रखते हुए श्रद्धा के साथ मेला में भाग लें। बैठक में पुलिस अधीक्षक फर्रुखाबाद आरती सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन फर्रुखाबाद अरुण कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन शाहजहांपुर रजनीश कुमार मिश्र, उप जिलाधिकारी कलान अभिषेक सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक शाहजहांपुर दीक्षा भंवरे, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र पाल सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष अजय यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी रहे।

श्रृंगी ऋषि की तपोभूमि में अधूरी व्यवस्थाओं के बीच मेला आरंभ

मिर्जापुर : ढाई घाट स्थित श्रृंगी ऋषि की तपोभूमि पर माघ मेला राम नगरिया अधूरी व्यवस्थाओं के बीच प्रारम्भ हो गया है। गंगा तट पर रेत की चादर पर रंग-बिरंगे तंबुओं का शहर बस गया है, जहां एक माह से अधिक समय तक धार्मिक अनुष्ठान, हवन, पूजन, यज्ञ और कथाओं का आयोजन होगा। हालांकि मेले की शुरुआत के साथ ही व्यवस्थाओं को लेकर संत महात्माओं में असंतोष दिखाई देने लगा है। गंगा तट पर संतों को अपने-अपने खटले लगाने के लिए निर्धारित स्थान नहीं मिल पा रहा है। संतों का कहना है कि जिस माघ मेला राम नगरिया की शुरुआत संतों ने की थी, उसी मेले में आज उन्हें जगह के लिए भटकना पड़ रहा है। आरोप है कि जिला पंचायत द्वारा संतों की निर्धारित जगह पर पंडों के तंबू और राउटियां लगवाई जा रही हैं, जिससे संतों को खटले लगाने की जगह नहीं मिल रही है। इसी कारण कई संतों ने इस मेले में न आने का मन बना लिया है। जनपद का मिनी कुंभ कहे जाने वाले इस माघ मेले में संत महात्मा, श्रद्धालु और दुकानदारों ने अपने-अपने तंबू, पंडाल और राउटियां लगा दी हैं। आगामी चालीस दिनों तक श्रद्धालु कल्पवास कर पतित पावनी भागीरथी में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित करेंगे। संतों के खटलो पर होने वाले धार्मिक आयोजनों से पूरे मेला क्षेत्र में भक्ति का वातावरण बना रहेगा। मेला में लोग दुकानें आदि लगाने के लिए आने लगे हैं।

गंगा तट ढाई घाट पर माघ मेला राम नगरिया में लगे रंग-बिरंगे तंबू। ● अमृत विचार

इन तिथियों पर होगा मुख्य स्नान

माघ मेला के दौरान 3 जनवरी 2026 पौष पूर्णिमा, 15 जनवरी 2026 मकर संक्रांति, 18 जनवरी 2026 मौनी अमावस्या, 23 जनवरी 2026 वसंत पंचमी, 1 फरवरी 2026 माघी पूर्णिमा और 15 फरवरी 2026 महाशिवरात्रि को विशेष स्नान और पूजन संपन्न होगा।

एसएमएच वृद्धि की मांग को लेकर मनाया प्रोस्टेड-डे

- ओसीएफ शाहजहांपुर में ब्लैक बैज लगाकर जताया विरोध

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

ओसीएफ में ब्लैक बैज पहनकर एसएमएच वृद्धि की मांग करते प्रतिरक्षा कर्मचारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : एआईडीईएफ से संबद्ध प्रतिरक्षा कर्मचारी यूनियन, ओसीएफ के सभी पदाधिकारियों और कर्मचारियों ने बुधवार को आर्मी डिजिटल यूनिफॉर्म के लेबर इस्टीमेट एसएमएच में वृद्धि की मांग को लेकर ब्लैक बैज लगाकर प्रोटेस्ट डे मनाया। कर्मचारियों ने शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराते हुए अपनी मांगों से प्रबंधन को अवगत कराया।

पीके यूनियन के महामंत्री मो. रिज़वान ने कहा कि टीसीएल ग्रुप की सभी निर्माणियों में एसएमएच बढ़ाए जाने को लेकर एआईडीईएफ द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अब तक टीसीएल मुख्यालय कानपुर की ओर से इस संबंध में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। वर्तमान में एसएमएच अत्यंत कम होने के कारण निर्माणी के कर्मचारी अपनी उचित अर्निंग अर्जित करने में असमर्थ हैं, जिससे उनमें रोष व्याप्त है। कर्मचारियों का कहना है कि यदि शीघ्र ही एसएमएच में वृद्धि नहीं की गई तो एआईडीईएफ से संबद्ध सभी यूनियनें हड़ताल करने को विवश होंगी। इस दौरान कर्मचारियों ने संगठन की एकजुटता बनाए रखने और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प भी लिया। प्रोटेस्ट डे के अवसर पर पीके यूनियन के महामंत्री मो. रिज़वान, अध्यक्ष नीरज दीक्षित, राम मोहन अग्निहोत्री, समीउद्दीन, विमलदीप, मो. नसीम, राजकुमार मौर्य, अज़हर अली, ललित श्रीवास्तव, सुरेश सक्सेना, इमरान रज़ा, संदीप दीक्षित, सलीम अहमद, नौशाद हसन, शहज़ादे, रवि सक्सेना, शम्स तौहीद, अमित कुमार, मो. ज़की सहित अन्य पदाधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

हाईवे पर ई-रिक्शा पलटा, दो बच्चों सहित पांच घायल

तिलहर, अमृत विचारः हाईवे पर ई-रिक्शा पलट जाने से दो बच्चों सहित पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों को शाहजहांपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीरानपुर कटरा के बंगशान मोहल्ला निवासी सलीम ई-रिक्शा चलाते हैं। बुधवार दोपहर वह मीरानपुर कटरा से सवारियां लेकर शाहजहांपुर कच्चा कटरा जा रहे थे। बंथरा गांव से पहले कार को बचाने के प्रयास में ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर हाईवे पर पलट गया। हादसे में फील नगर गांव के रईस मियां, बिल्लीगंज मोहल्ला की फरमीदा, उसका पांच वर्षीय पुत्र गोलू, आठ वर्षीय पुत्री जायफा और उसकी छोटी बहन रानी घायल हो गईं। मौके पर मौजूद लोगों ने निजी वाहन से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जहां हालत गंभीर है।

छप्परदार घर में लगी आग हजारों का हुआ नुकसान

संवाददाता, खुटार

- भाजपा नेता ने राशन सामग्री व घरेलू सामान देकर पीड़ित महिला की मदद की
- बुधवार दिन में लगी आग से मची अफरा तफरी, लोगों ने बमुश्किल बुझाई आग

अमृत विचार : खुटार थाना क्षेत्र के गांव बढ़ईपुर केसरपुर में बुधवार को एक महिला के घर में आग लग गई। जिससे हजारों का सामान जलकर राख हो गया। गावं के लोगों ने बमुश्किल आग पर काबू पाया। आग लगने से पांच हजार रुपये की नकदी भी जल गई।

क्षेत्र के गांव केसरपुर खुर्द निवासी रामवती ने बताया कि करीब छह वर्ष पूर्व उनके पति रामभजन का निधन हो गया था। उनका एक पुत्र रविकास है। जो गांव के पूर्व दिशा में मकान में रह रहा है। वह अकेली रहती है। उनका घर छप्परदार है। गांव के प्राथमिक विद्यालय में रसोई का काम करतीं हैं। बुधवार दिन में वह अपने बेटे के घर चली गई। तभी दिन में 11:30 बजे अचानक छप्पर में आग लग गई। इसी बीच घर में आग लग गई, जिससे घर में रखी पांच हजार की नकदी और घरेलू सामान जलकर राख हो गया। घर में ठंड से बचने के लिए कपड़े भी नहीं रहे हैं। जानकारी मिलने पर जिला पंचायत सदस्य प्रवीण मिश्रा संटू पीड़ित रामवती के घर पहुंचे। उन्होंने राशन सामग्री, कपड़ा और आर्थिक मदद की। साथ ही प्रशासन से मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है।

आपसी सहयोग से मजबूत करें कानून-व्यवस्था

संवाददाता, सेहरामऊ दक्षिणी

कम्युनिटी पुलिसिंग की मीटिंग लेते सीओ सदर। ● अमृत विचार

अमृत विचारः सीओ सदर प्रयांक जैन ने थाना परिसर में कम्युनिटी पुलिसिंग के तहत ग्राम प्रधानों और सभ्रांत नागरिकों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के बीच आपसी सहयोग से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को प्रभावी ढंग से मजबूत किया जा सकता है। अफवाहों पर ध्यान न दे और सामाजिक सौहार्द बनाए रखे। संदिग्ध व्यक्तियों के बारे में सुचना तुरंत पुलिस को दे। उन्होंने त्योहारों के दौरान जुलूसों, धार्मिक कार्यक्रमों और सार्वजनिक आयोजनों में अनुशासन एवं नियमों का पालन करने का भी आग्रह किया है। सीओ सदर ने कहा कि पुलिस प्रशासन आमजन की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबंध है और जनता से प्राप्त सूचनाओं पर त्वरित एवं निष्पक्ष कार्यवाही की जाएगी। क्षेत्र के लोगों ने पुलिस के इस प्रयास की सराहना की है और संभव पुलिस का सहयोग किया जाएगा। बैठक में ग्राम प्रधान, संभ्रांत नागरिक और थाना का स्टाफ मौजूद रहा।

लापता चचेरी बहनों के मामले में युवकों से पूछताछ

संवाददाता, तिलहर

- 29 दिसंबर को दोनों किशोरियां अचानक हो गईं थी लापता

अमृत विचारः लापता चचेरी बहनों के मामले में पुलिस ने पूछताछ के लिए कुछ युवकों को हिरासत में लिया है। पुलिस सर्विलांस टीम की मदद से भी जांच कर रही है। निजामगंज मोहल्ला निवासी एक व्यक्ति की 14 वर्षीय पुत्री और 16 वर्षीय भतीजी कस्बे के एक इंटर कॉलेज में पढ़ती हैं। 29 दिसंबर की सुबह करीब 9:30 बजे स्कूल ड्रेस में घर से कॉलेज के लिए निकली थीं, लेकिन वापस नहीं लौटीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए मंगलवार को एसपी ग्रामीण दीक्षा भंवरे ने कोतवाली पहुंचकर जांच की और पुलिस को निर्देश दिए। बुधवार को पुलिस ने पड़ोस में रहने वाले कुछ युवकों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। पुलिस कॉल डिटेल खंगालने के साथ सर्विलांस की मदद ले रही है। कोतवाल राकेश कुमार ने बताया कि टीम कई बिंदुओं पर जांच कर रही है और जल्द ही किशोरियों को बरामद कर लिया जाएगा।

बार एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी गठित

संवाददाता, शाहजहांपुर

तहसील सदर बार एसोसिएशन की बैठक में कार्यकारिणी के नव नियुक्त पदाधिकारी।

अमृत विचार : तहसील सदर बार एसोसिएशन की बैठक बुधवार को हुई, जिसमें सर्वसम्मति से वर्ष 2026-2027 के लिए एकवर्षीय नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। चुनाव अधिकारी जितेन्द्र कुमार मिश्रा की देखरेख में नई टीम की घोषणा की गई। नवनियुक्त कार्यकारिणी में घनश्याम किशोर मिश्रा को अध्यक्ष और महेश वर्मा को महासचिव चुना गया। इसके अलावा रज्जन बाबू मिश्रा को संरक्षक मनोनीत किया गया है। अन्य प्रमुख पदों पर मुकेश कुमार वर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, विपिन गुप्ता कनिष्ठ उपाध्यक्ष, विपुल कुमार वाजपेयी संयुक्त सचिव, मीडिया प्रभारी, शरद शुक्ला और सुनील कुमार संयुक्त सचिव तथा आदर्श कुमार सक्सेना को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में कमल सिंह, देवेन्द्र सक्सेना, गयासुद्दीन, इफ्तिखार खान, महेंद्र कुमार बाजपेयी, आनंद मिश्रा, अरविन्द शुक्ला, रवि सक्सेना, अंकित मिश्रा और हर्षित मिश्रा को शामिल किया गया है। इस अवसर पर मुख्य रूप से जितेन्द्र कुमार मिश्रा एडवोकेट, महेंद्र सिंह सैनी, प्रशांत समेत कई लोग उपस्थित रहे।

आयोजन

बच्चों और युवाओं में नए साल का ज्यादा क्रेज, नव वर्ष के स्वागत के लिए कई दिनों से तैयारियां कर रहे थे लोग

लोगों में उल्लास, नए साल के जश्न में डूब गया शहर

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

शहर के एक होटल के बाहर न्यू इयर 2026 के स्वागत के लिए हुई सजावट।

सदर बाजार में सजीं फूलों और गुलदस्तों की दुकानें। ● अमृत विचार

- बुधवार को रात 12 बजते ही शुरू हो जाएगा नए साल के स्वागत का जश्न

अमृत विचार : नए साल 2026 के स्वागत के लिए महानगर में तैयारियां जोरशोर से चल रही हैं। बुधवार को रात में शाह क्लब के साथ ही होटल व रेस्टोरेंट में महफिलें सजेंगी, जहां पर लोग संगीत और अन्य कार्यक्रमों का लुत्फ उठाएंगे। देर रात तक जश्न मनाया जाएगा।

वर्ष 2025 को अलविदा कहने और नववर्ष 2026 के स्वागत को कुछ ही घंटे शेष बचे हैं। लोग नए साल का स्वागत अपने ही अंदाज में करना चाहते हैं। युवाओं से लेकर बच्चे तक तैयारियों में जुटे हैं। बुधवार को रात 12 बजते ही नए साल का जश्न शुरू हो जाएगा। इससे पहले ही लोग नए साल के स्वागत को सजने वाली महफिल में शिरकत करने लगेंगे।

हर साल की तरह इस बार भी कैंट क्षेत्र में स्थित शाह क्लब में न्यू इयर सेलिब्रेट करने के लिए बुधवार को टेंट लगाने व सजावट का कार्य हुआ। इसके साथ ही टाउनहॉल रोड और बरेली मोड़ स्थित होटलों के साथ ही शहर के छोटे-बड़े सभी रेस्टोरेंट में भी नववर्ष को लेकर होने वाली पार्टियों के लिए बुकिंग और तैयारी का दौर चलता रहा।

बेकरी में तैयार करवाए जा रहे फ्लेवर वाले केक

नववर्ष 2026 के स्वागत में केक काटने की परिपाटी चल पड़ी है। इसको लेकर लोग बेकरी में केक बनवाने को बुकिंग करवाए हैं। गोविंद गंज स्थित एक बेकरी के संचालक आनंद चांदना ने बताया कि पाइन एप्पल केक, चॉकलेट केक, बटर स्कॉच केक, ब्लू बेरी केक, रस मलाई केक के तमाम ऑर्डर मिले हैं। इनको तैयार कराया जा रहा है। युवाओं में नए साल का ज्यादा क्रेज होने के कारण कई फ्लेवर की पेस्टी, हॉट डॉग, पैटीज, बर्गर आदि भी तैयार किया जा रहा है।

लोगों ने गुलदस्तों की कराई बुकिंग

सोशल मीडिया के इस दौर में ग्रीटिंग कार्ड खरीदना भले ही बहुत कम हो गया हो, लेकिन लोग अपने दोस्तों व परिचितों को नववर्ष पर उपहार देने की परंपरा को निभा रहे हैं। इसके लिए बाजार में आए फॉयल आइटम, फोटो मग, डायरी पेन, परफ्यूम सेट, कपल सेट, लाइटिंग लैंप, लाइटिंग फोटो फ्रेम आदि मनमोहक उत्पादों की खरीदारी करने पहुंचते रहे। गुलदस्तों की दुकानें सज गईं, जिनको पसंद कर लोगों ने बुकिंग कराई। गुरूवार को बाजार में अधिक रौनक रहने की संभावना है। सदर बाजार में फूलों की दुकान चलाने वाले आशीष कुमार ने बताया कि उनके पास बुके, गुलाब की कलियां, छोटे बड़े गुलदस्ते उपलब्ध हैं। गुलाब की कलियां 30 रूपए, छोटे गुलदस्ते 150 और बड़े गुलदस्ते 300 रूपए कीमत के हैं। युवाओं की पसंद गुलदस्ते और गुलाब की कलियां हैं। कई लोगों ने बुकिंग कराई है।

विवरण अपलोड करने के लिए उम्मीद पोर्टल खोला

संवाददाता, शाहजहांपुर

- सभी जनसेवा केंद्रों पर विवरण का पंजीकरण करा सकते हैं

अमृत विचार : उम्मीद केन्द्रीय पोर्टल, 2025 पर पंजीकृत वक्फ सम्पत्तियों का विवरण अपलोड किये जाने के लिए उप्र वक्फ न्यायाधिकरण, लखनऊ ने पुनः छः माह का समय बढ़ाया है। जिससे उम्मीद केन्द्रीय पोर्टल, 2025 को पुनः वक्फ सम्पत्तियों का विवरण अपलोड किये जाने के लिए खोल दिया गया है।

यह जानकारी जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी रोहित कुमार सिंह ने दी है। उन्होंने बताया कि मेकर चेकर एप्रूवर प्रक्रिया को आसानी से पूरा करने के लिये बोर्ड कार्यालय ने मेकर के लिए 15 फरवरी 2026, चेकर के लिए 15 अप्रैल 2026 तथा एप्रूवर के लिए 5 जून 2026 समयावधि निर्धारित की गयी है। उन्होंने जनपद के समस्त मुतवल्लियों/ वक्फ प्रबन्धन को निर्देश दिए कि केन्द्रीय वक्फ प्रबन्धक, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास अधिनियम 1995 के अन्तर्गत उम्मीद केन्द्रीय पोर्टल की वेबसाइट umeed.minorityaffairs.gov.in पर वक्फ सम्पत्तियों को 15 फरवरी 2026 तक पंजीकरण कराना सुनिश्चित करें। इस कार्य में सहयोग के लिए उप्र सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड से को-आर्डिनेटर इम्तियाज अली खां, हाजी मसूद अख्तर खां, कासिम रजा, डा तारिक अली खां, मो दानिश को नामित किया गया है। जबकि उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने को-आर्डिनेटर रागिब अब्बास जैदी को नामित किया है।

शीतकालीन तीर्थाटन एवं पर्यटन को नई दिशा दे रही देवभूमि उत्तराखंड

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुखबा यात्रा के बाद शीतकालीन चारधाम सर्किट को मिली नई राष्ट्रीय पहचान। उत्तराखंड सरकार इस विजन को प्रमुखता देते हुए सालभर तीर्थयात्रा कर सकने की सुविधा को सुनिश्चित कर रही है। बर्फ से ढकी चोटियां और प्राचीन पूजा स्थल तीर्थयात्रा के अनुभव को दिव्यता देंगे।

"उत्तराखंड के पास एक प्राकृतिक आध्यात्मिक शक्ति है, जो उसे विशिष्ट बनाती है। देवभूमि की यह शक्ति, विरासत और पवित्रता इसे ऐसी पहचान देती है, जो कहीं और नहीं मिलती। राज्य अब अपार संभावनाओं के दौर में प्रवेश कर रहा है और यदि यह दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़े, तो दुनिया के प्रमुख आध्यात्मिक केंद्रों में अपना स्थान बना सकता है। आध्यात्मिक सामर्थ्य के साथ-साथ उत्तराखंड एक सुंदर विवाह-गंतव्य के रूप में भी उभर रहा है। 'वेड इन इंडिया' दृष्टिकोण का लाभ लेने के लिए राज्य कुछ चुनिंदा स्थानों को विश्व-स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित कर विकसित कर सकता है, ताकि देश भर के लोग उत्तराखंड की शांत और दिव्य वादियों में अपने विशेष अवसरों का उत्सव मना सकें।"

– नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

"माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदृष्टिपूर्ण नेतृत्व से प्रेरित होकर, हम उत्तराखंड के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक समृद्धि और अपार संभावनाओं के साथ हम दूरदर्शी नीतियों और केंद्रित पहलों के माध्यम से आर्थिक विकास को गति देने, अवसंरचना को उन्नत करने और प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य उत्तराखंड को विकास का एक आदर्श मॉडल बनाना है, जहां विरासत और नवाचार साथ-साथ आगे बढ़ें, और हर व्यक्ति को एक समृद्ध, प्रगतिशील और समावेशी वातावरण में आगे बढ़ने और सफल होने के अवसर मिलें।"

— पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

आस्था, आध्यात्म व रोमांच का केंद्र है देवभूमि उत्तराखण्ड

गंगा मंदिर, उत्तरकाशी

ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ

यमुना मंदिर, खरसाली

योगध्यान बद्री मंदिर, पांडुकेश्वर

उत्तराखंड का शीतकालीन चारधाम सर्किट पारंपरिक ग्रीष्मकालीन तीर्थयात्रा को एक सालभर उपलब्ध आध्यात्मिक और पर्यटन अवसर में परिवर्तित करता है। गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ के मुख्य मंदिर जब शीतऋतु के दौरान बंद हो जाते हैं, तो उनके देवताओं की मूर्तियां शीतकालीन गद्दीस्थलों या वैकल्पिक स्थानों पर स्थापित की जाती हैं, जिससे भक्त पूजा-अर्चना जारी रख सकें। हाल के महीनों में, इस सर्किट को नई पहचान तब मिली जब गंगा की शीतकालीन निवासस्थली मुखबा में एक उच्च-स्तरीय यात्रा हुई।

6 मार्च 2025 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर्षिल–मुखबा क्षेत्र में स्थित गंगोत्री के शीतकालीन प्रवास पर दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। इस यात्रा ने शीतकालीन तीर्थयात्रा के महत्व को रेखांकित किया और यह दर्शाया कि उत्तराखंड में पर्यटन को गर्मियों के मौसम से आगे बढ़ाकर सालभर की आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधि बनाया जा सकता है। प्रधानमंत्री का संदेश स्पष्ट था–शीत ऋतु को 'ऑफ-सीजन' के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह यात्रा आस्था और विकास दोनों का प्रतीक बनी, क्योंकि इसने चारधाम की धार्मिक निरंतरता को पुनः स्थापित किया और साथ ही शीतकालीन पर्यटन को मजबूत करने के लिए आवश्यक अवसंरचना और प्रचार-प्रसार पर ध्यान आकर्षित किया।

मुखबा अपने आप में शांत और मनोहारी हिमालयी सौंदर्य वाला स्थान है। गंगोत्री धाम के कपाट बंद होने पर देवी की मूर्ति विधि-विधान के साथ मुखबा लाई जाती है, जिससे भक्त कम ऊंचाई वाले इस स्थान पर भी पूजा कर सकें। बर्फ से ढकी चोटियां और प्राचीन पूजा-पद्धतियों का संगम मुखबा को शीतकालीन तीर्थयात्रा का एक अनोखा और भावपूर्ण प्रारंभिक बिंदु बनाता है।

शीतकालीन चारधाम सर्किट देवप्रतिमाओं को शीतकालीन मंदिरों में स्थापित कर सालभर तीर्थयात्रा को संभव बनाता है, जहां आस्था हिमालयी यात्रा अनुभवों के साथ सुगमता से जुड़ती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुखबा यात्रा ने शीतकालीन पर्यटन की विशाल संभावनाओं को उजागर किया, जिससे अवसंरचना विकास और पर्यटन प्रोत्साहन को नई दिशा मिली। औली, चकराता और दयारा बुग्याल जैसे नज़दीकी गंतव्य आध्यात्मिकता, रोमांच और प्रकृति-आधारित अनुभवों को और समृद्ध बनाते हैं।

टिहरी में पैराग्लाइडिंग

शीतकालीन चारधाम के अनुभव को आस-पास के गंतव्यों से बनाएं बेहतर

दयारा बुग्याल

दयारा बुग्याल : एक विस्तृत अल्पाइन घासभूमि, जो शीतकालीन बर्फीले नजारों और ग्रीष्मकालीन चरागाहों के लिए प्रसिद्ध है। सर्दियों में इसकी दूर-दूर तक फैली सफ़ेद घाटियां ध्यानपूर्ण सैर के लिए आदर्श हैं और हिमालय के व्यापक दृश्य प्रस्तुत करती हैं।

चकराता : देवदार के जंगलों, झरनों और आसान ट्रेकिंग मार्गों के लिए जाना जाने वाला शांत पहाड़ी कस्बा। चकराता के सुरम्य वनप्रदेश भीड़भाड़ वाले तीर्थ मार्गों से अलग एक शांत अनुभव प्रदान करते हैं।

लाखामंडल : यह प्राचीन मंदिर परिसर पुरातात्विक अवशेषों और ऐतिहासिक शिव मंदिरों से सम्पन्न है। क्षेत्र की प्रारंभिक मंदिर स्थापत्य परंपरा और स्थानीय पौराणिक धरोहर में रुचि रखने वाले यात्रियों के लिए यह एक सांस्कृतिक आकर्षण जोड़ता है।

औली : भारत का प्रमुख स्कीइंग गंतव्य, जहां शीतकालीन खेल, रोपवे और नंदा देवी सहित कई हिमालयी चोटियों के दिव्य दृश्य उपलब्ध हैं। तीर्थयात्रा के साथ रोमांचक पर्यटन अनुभव चाहने वाले यात्रियों के लिए औली एक आकर्षक विकल्प है।

काशी विश्वनाथ (उत्तरकाशी) : उत्तरकाशी का विश्वनाथ मंदिर एक महत्त्वपूर्ण क्षेत्रीय धाम है और ऊंचाई वाले तीर्थस्थलों की ओर जाते समय एक आध्यात्मिक विराम प्रदान करता है। इसकी उपस्थिति चारधाम यात्रा की धार्मिक निरंतरता को और मजबूत बनाती है।

नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान : यूनेस्को बायोस्फियर रिजर्व के रूप में मान्यता प्राप्त यह उद्यान उच्च हिमालयी वाइल्डरनेस, दुर्लभ वनस्पतियों–जीवों और समृद्ध संरक्षण विरासत के लिए प्रसिद्ध है। यहां की यात्रा तीर्थयात्रा अनुभव में पर्यावरणीय जागरूकता और प्रकृति संरक्षण की गहराई जोड़ती है।

औली

विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बनने की दिशा में अग्रसर हो रहा उत्तराखंड

उत्तराखंड अपने मंदिर सर्किट, प्राचीन विरासत और सांस्कृतिक पहचान को सशक्त बनाकर खुद को आध्यात्मिकता और कल्याण का वैश्विक केंद्र स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है। अपने इस प्रयास से यह विश्व पटल पर नई पहचान भी स्थापित कर रहा है

उत्तराखंड धीरे-धीरे एक प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र के रूप में उभर रहा है, जो प्राचीन मंदिर सर्किटों को पुनर्जीवित, सशक्त और आधुनिक बनाने के केंद्रित प्रयासों से प्रेरित है। इस दिशा में एक प्रमुख पहल है मानसखंड मंदिर माला मिशन, जिसका उद्देश्य कुमाऊं क्षेत्र के महत्वपूर्ण मंदिरों का विकास और आपसी कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना है। मिशन के तहत पहुंच मार्गों, आगंतुक सुविधाओं और धरोहर अवसंरचना में सुधार कर, राज्य की समृद्ध सभ्यतात्मक विरासत पर आधारित एक सहज तीर्थयात्रा अनुभव तैयार करना लक्ष्य है।

इस आध्यात्मिक परिदृश्य में योगदान देने वाले प्रमुख मंदिरों में रुद्रप्रयाग जिले का कार्तिक स्वामी मंदिर शामिल है। एक ऊंची चट्टानी कगार पर स्थित यह मंदिर भगवान कार्तिकेय को समर्पित है और हिमालयी चोटियों के मनोरम दृश्य के साथ शांतिपूर्ण भक्तिपूर्ण वातावरण प्रदान करता है। इसकी अनूठी भौगोलिक स्थिति इसे तीर्थयात्रियों और आगंतुकों के लिए एक पवित्र स्थल और मनोहारी दृष्टि बिंदु दोनों बनाती है।

इसी तरह, त्रिजुगीनारायण मंदिर, जो रुद्रप्रयाग में स्थित है, भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। पौराणिक कथाओं में लिप्त यह मंदिर भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह स्थल के रूप में जाना जाता है। मंदिर परिसर में लगातार जलती रहने वाली अनंत ज्योति उस दिव्य मिलन का जीवित प्रतीक मानी जाती है, जो पूरे वर्ष भक्तों को आकर्षित करती है।

कार्तिक स्वामी मंदिर, भगवान कार्तिक को समर्पित, जिन्हें देश के कुछ हिस्सों में भगवान मुरुगा / मुरुगन के नाम से जाना जाता है।

जागेश्वर धाम, 125 से ज्यादा प्राचीन मंदिरों का समूह, जो भगवान शिव को समर्पित है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 9 नवंबर 2025 को देहरादून में दिया गया संबोधन राज्य की आध्यात्मिक संभावनाओं को और मजबूत करता है। उन्होंने उत्तराखंड की प्राकृतिक और सांस्कृतिक शक्ति पर बल देते हुए कहा, "यदि उत्तराखंड इसे ठान ले, तो कुछ ही वर्षों में यह विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित हो सकता है" उनकी यह टिप्पणी राज्य की बदलती पहचान की संपूर्णता को दर्शाती है, जो आध्यात्मिकता, तीर्थयात्रा और सांस्कृतिक निरंतरता में निहित है।

रणनीतिक विकास, बेहतर कनेक्टिविटी और धरोहर आधारित विकास पर नए प्रयास के साथ, उत्तराखंड इस दृष्टि को साकार करने की दिशा में अग्रसर है, खुद को विश्वास, पवित्रता और आध्यात्मिक खोज का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए तैयार कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि ग्रामीण इलाके पर्यटन के केंद्र बन रहे हैं। साथ ही हर पर्यटन स्थल अपना खुद का राजस्व मॉडल भी विकसित कर सकता है। हमें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए होमस्टे और छोटे होटलों जैसे व्यवसायों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है

'वेड इन उत्तराखंड' से राज्य में बढ़ रहा वेडिंग पर्यटन का आकर्षण

राज्य की पर्यटन क्षमता की ओर इशारा करते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय 'वेड इन इंडिया' पहल के तहत उत्तराखंड की क्षमता को एक प्रमुख डेस्टिनेशन वेडिंग स्थल के रूप में उभरने की ओर इंगित किया। यह पहल प्रदेश में पर्यटन को नई दिशा दे रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल के बाद उत्तराखंड धीरे-धीरे शादी पर्यटन के लिए एक प्रत्याशित गंतव्य के रूप में उभर रहा है। पीएम मोदी ने राज्य स्थापना दिवस समारोह, 9 नवंबर 2025 को अपने संबोधन में राज्य के प्राकृतिक दृश्य, आध्यात्मिक वातावरण और बढ़ती पर्यटन अवसंरचना की क्षमता पर जोर देते हुए कहा कि ये सभी कारक देश और विदेश से वेडिंग पर्यटन को आकर्षित करने में सहायक हैं। प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि उत्तराखंड पहले ही एक वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित हो रहा है, जो अपनी पर्वतीय भव्यता, नदियों और शांत घाटियों के प्राकृतिक सौंदर्य पर आधारित है। उन्होंने 'वेड इन इंडिया' पहल के अंतर्गत राज्य की एक विशिष्ट पहचान बनाने का महत्व रेखांकित किया और सुझाव दिया कि उत्तराखंड 5–7 प्रमुख वेडिंग स्थल विकसित कर सकता है, जो उच्च गुणवत्ता वाली सुविधाओं के साथ राज्य की सांस्कृतिक और प्राकृतिक समृद्धि को प्रदर्शित करें।

उन्होंने यह भी कहा कि पहुंच मार्गों में सुधार, आतिथ्य सेवाओं को बढ़ाना और स्थानीय परंपराओं को समेकित करना न केवल पर्यटन अर्थव्यवस्था को सशक्त करेगा बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए नए रोजगार अवसर भी सृजित करेगा। रोमांच, ईको-टूरिज्म और धार्मिक पर्यटन को पहले ही बढ़ावा देने वाली सरकार के लिए, समर्पित वेडिंग डेस्टिनेशन रणनीति राज्य की पेशकशों में और विविधता जोड़ती है। मजबूत जनसहानुभूति और प्रधानमंत्री की दूरदृष्टि के साथ, उत्तराखंड भारत के सबसे आकर्षक वेडिंग गंतव्यों में से एक के रूप में अपनी स्थिति बनाने जा रहा है, जहां प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक गहराई और विश्व-स्तरीय आतिथ्य का अनूठा संयोजन मिलेगा।

प्रसिद्ध त्रिजुगीनारायण मंदिर, भगवान शिव और पार्वती के विवाह के लिए जाना जाता है और अटूट आस्था और आध्यात्मिक बंधन का प्रतीक है।

होमस्टे नीति से ग्रामीण पर्यटन को मिल रहा विस्तार

5,000 से अधिक पंजीकृत होमस्टे और प्रोत्साहनों के साथ, होमस्टे नीति सामुदायिक पर्यटन और स्थानीय आजीविका को मजबूत बना रही है

उत्तराखंड की होमस्टे नीति तेज़ी से ग्रामीण पर्यटन और समावेशी विकास का महत्वपूर्ण स्तंभ बनती जा रही है। वर्तमान में राज्य में 5,000 से अधिक पंजीकृत होमस्टे हैं, जो पहाड़ी जिलों में समुदाय-आधारित आवास के तेज विस्तार को दर्शाते हैं।

योजना के तहत, सामान्य क्षेत्रों में संचालित होमस्टे को अधिकतम ₹7.5 लाख तक की पूंजी अनुदान मिल सकती है, जबकि पर्वतीय क्षेत्रों में यह राशि ₹10 लाख तक हो सकती है। इसके अतिरिक्त, कई वर्षों के लिए ब्याज अनुदान का भी प्रावधान है। होमस्टे संचालकों का स्थानीय निवासी होना आवश्यक है और उन्हें स्थानीय संस्कृति, व्यंजन और अतिथ्य को पर्यटक अनुभव में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

इस नीति का उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करना, रोजगार सृजित करना और पर्यटन के माध्यम से पलायन को रोकना है। प्रारंभिक आंकलन बताते हैं कि होमस्टे मॉडल आय बढ़ाने, स्थानीय आजीविकाओं में विविधता लाने और उत्तराखंड के दूरस्थ क्षेत्रों में सामुदायिक विकास में योगदान दे रहा है।

आस्था, आध्यात्म व रोमांच का केंद्र है आदि कैलाश

प्रधानमंत्री की यात्रा के बाद आस्था व साहस का प्रतीक बनकर उभरा है आदि कैलाश

आदि कैलाश, उत्तराखंड के सबसे पूजनीय आध्यात्मिक स्थलों में से एक, आज तेजी से ऐसे गंतव्य के रूप में उभर रहा है जहां पौराणिक विरासत और ऊंचाई वाले साहसिक अनुभव एक साथ मिलते हैं। अपनी गहरी पौराणिक महत्ता और भव्य हिमालयी आभा के लिए प्रसिद्ध आदि कैलाश राज्य की सांस्कृतिक पहचान में एक विशेष स्थान रखता है। यह क्षेत्र अब तीर्थयात्रियों, प्रकृति प्रेमियों और रोमांच-प्रेमी यात्रियों को आकर्षित कर रहा है, जो आध्यात्मिक शांति के साथ-साथ निर्मल प्राकृतिक सौंदर्य की तलाश में आते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आदि कैलाश यात्रा ने इसकी राष्ट्रीय पहचान को और अधिक सशक्त किया है। 9 नवंबर 2025 को देहरादून में अपने संबोधन के दौरान

प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि किस प्रकार यह क्षेत्र उत्तराखंड की बढ़ती पर्यटन अपील का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बन रहा है। उन्होंने बढ़ती पर्यटक संख्या की सराहना करते हुए बताया कि तीन वर्ष पहले जहां वर्षभर में 2,000 से भी कम पर्यटक आते थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर लगभग 30,000 पहुंच गई है। यह बदलाव बेहतर कनेक्टिविटी और उन्नत अवसंरचना के परिवर्तनकारी प्रभाव को दर्शाता है। यह क्षेत्र एक ऐतिहासिक खेल आयोजन का भी साक्षी बना, जहां उच्च हिमालयी ऊंचाइयों पर आयोजित अल्ट्रामैराथन और आदि कैलाश परिक्रमा रन सफलतापूर्वक संपन्न हुए। प्रधानमंत्री ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देते हैं, बल्कि देश-विदेश के एथलीटों को हिमालय की आध्यात्मिक और पर्यावरणीय समृद्धि से भी परिचित कराते हैं। उन्होंने कहा कि ये प्रयास राज्य में इको-टूरिज्म और एडवेंचर टूरिज्म की अपार संभावनाओं को सामने लाते हैं।

अनदेखे रोमांच का अद्वितीय संगम

उत्तराखंड दुनियाभर के रोमांच खेल प्रेमियों को अनूठा अनुभव प्रदान करता है

देश में जब रोमांच पर्यटन की बात आती है, तो उत्तराखंड अपने विविध परिदृश्यों और रोमांच प्रेमियों का पसंदीदा स्थान बन जाता है। यहां रोमांचक गतिविधियों की कोई कमी नहीं है। आपको यहां जोश से भर देने वाले कई खेल खेलने को मिल जाते हैं और यही कारण है कि दुनियाभर के रोमांच प्रेमियों के लिए यह राज्य असाधारण अनुभव प्रदान करता है।

ट्रैकिंग और हाईकिंग

ट्रैकिंग और हाइकिंग के माध्यम से आप उत्तराखंड की सुदूर जगहों की यात्रा कर सकते हैं। यहां पारंपरिक रूपकुंड ट्रैक पर ट्रैकिंग का आनंद लिया जा सकता है, जहां हरे-भरे जंगल और घास के मैदानों के बीच या फूलों की घाटी के बीच से होकर गुजरना सुखद अहसास दे सकता है। लंबी सैर करने वालों के लिए केदारकांठा और गौमुख तपोवन ट्रैक जीवन भर के लिए यादगार अनुभव दे जाते हैं।

बंजी जंपिंग

विश्व की योग राजधानी के रूप में भी पहचाना जाने वाला ऋषिकेश अपने जोशीले रोमांच के लिए भी जाना जाता है, क्योंकि यहां पूरे देश में सबसे ऊंची बंजी जंपिंग साइट है। गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देने की इच्छा रखने वाले रोमांच प्रेमी शानदार हिमालय पहाड़ियों के बीच बंजी जंपिंग करने के लिए यहां आते हैं।

स्कीइंग

चमोली जिले में स्थित औली को स्कीइंग प्रेमियों के केंद्र के रूप में जाना जाता है। दूर तक बर्फ से ढकी पहाड़ी ढलानों के साथ रोमांच प्रेमी इसके शीतकालीन वंडरलैंड से रास्ता तय करते हुए औली की यात्रा करते हैं। यह शानदार स्थल राष्ट्रीय शीतकालीन खेलों की मेजबानी के लिए भी प्रसिद्ध है, जहां एथलीटों को अपनी ताकत दिखाने का पूरा मौका मिलता है।

रिवर राफ्टिंग

उत्तराखंड की नदियां केवल राज्य की सुंदरता को ही नहीं बढ़ाती हैं, बल्कि व्हाइट वॉटर राफ्टिंग के प्रेमियों में जोश भर देती हैं, जो यहां रोमांच के लिए आते हैं। जब पर्यटक सफेद पानी में राफ्टिंग के माध्यम से रैपिड्स पर विजय प्राप्त करते हैं या गंगा, टोंस और अलकनंदा नदियों में एक शांत कैनोइंग या कयाकिंग के दौरान पानी पर नौका चलाते हैं, तो निश्चित रूप से उन्हें अलग रोमांच का अनुभव मिलता है।

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां आसमान की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नैनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से वह आसमानी उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र ने स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है और यहां रोजगार की संभावनाएं सृजित की हैं।

न्यूज ब्रीफ

विपदा पड़ने पर संकट दूर करते हैं प्रभु

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मोहल्ला लोदीपुर नई बस्ती में श्रीबालाजी मानस सेवा समिति के तत्वाधान में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के सातवें दिन कथा व्यास आचार्य अंकुर शुक्ल ब्रजराजदास महाराज ने विभिन्न प्रसंगों पर प्रवचन दिए।

आचार्य अंकुर शुक्ल।

उन्होंने कहा कि भगवान के साथ जो भी भक्ति भाव से संबंध बनाता है] भगवान उसकी पूर्ण रक्षा करते हैं। उन्होंने कृष्ण सुदामा मित्रता का वर्णन किया। जब भी भक्तों पर विपदा आ पड़ी है। प्रभु उनका संकट दूर करते हैं। इसके बाद भागवत की आरती आचार्य श्रवण जी ने और पंडित मानव शुक्ला ने कराई। जिसमें शुभम पांडे, मेघा पांडे, रीता, वंशिका, अग्रिम, अंजलि, मोना, प्रज्ञा, सुनीता, अनीता आदि रहे।

बीएसएफ में भर्ती होने पर पिंकी को दी बधाई

कलान, अमृत विचार : बुधवार को नगर पंचायत के मोहल्ला गंगानगर निवासी रामकुमार गुप्ता राज मिस्त्री की पुत्री पिंकी गुप्ता का बीएसएफ जवान बनने के बाद कलान आने पर परिजनों एवं नगर वासियों ने ढोल नगाड़ों के साथ फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। बीएसएफ की जवान पिंकी गुप्ता का कहना है कि मां राम किशोरी गुप्ता एवं पिता रामकुमार गुप्ता की मेहनत, चाचा रामलडैते गुप्ता के विश्वास पर कलान में पहली महिला बीएसएफ जवान बनी हैं। इससे लोगों में खुशी की लहर है।

बाल सेवा योजना की धनराशि खातों में भेजी

शाहजहांपुर, अमृत विचार : नववर्ष से पूर्व बाल सेवा योजना कोविड के अंतर्गत पात्र बच्चों को मिलने वाली चार-चार हजार रुपये प्रतिमाह की सहायता धनराशि एक साथ अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर, जनवरी, फरवरी और मार्च तक उनके खातों में भेज दी गई है। इसके साथ ही बाल सेवा योजना सामान्य के बच्चों की धनराशि भी 5 मार्च तक खातों में भेज दी जाएगी। वहीं महिला कल्याण विभाग की ओर से निराश्रित महिला पेंशन योजना के तहत दिसंबर तक की पेंशन जिले की 67 हजार महिला लाभार्थियों के खातों में स्थानांतरित कर दी गई है। यह जानकारी डीपीओ गौरव मिश्रा ने दी।

पुवायां मंडी में 'बाहरी किसान' बना रहे आंकड़े

जिले में किसान बेच चुके हैं अपना धान, फिर भी हो रही जमकर खरीद, शिकायत के बाद भी अफसर मौन

संवाददाता, पुवायां

नवीन मंडी पुवायां का सूना पड़ा गेट। ● अमृत विचार

अमृत विचारः धान उत्पादन में अव्वल मानी जाने वाली पुवायां तहसील इस बार सरकारी खरीद में भी रिकॉर्ड बना रही है, लेकिन इस रिकॉर्ड के पीछे की हकीकत चौंकाने वाली है। धान कब का बिक चुका है, मंडी के गेट सूने पड़े हैं, फिर भी सरकारी क्रय केंद्रों पर धान की खरीद दिन-ब-दिन उड़ान भरती जा रही है। हैरानी की बात यह है कि यह खरीद पुवायां के किसानों के दम पर नहीं, बल्कि सैकड़ों किलोमीटर दूर हरियाणा, कोलकाता, लखनऊ, लखीमपुर खीरी और पीलीभीत के कागजी किसानों के नाम पर दिखाई जा रही है। इन्हीं खातों में लाखों रुपये का सरकारी भुगतान भी भेजा जा चुका है।

मंडी में सन्नाटा, केंद्रों पर खरीद का शोर : पुवायां नवीन गल्ला मंडी में प्रशासन ने धान खरीद के लिए 17 केंद्र लगाए हैं। हालात यह हैं कि मंडी के प्रवेश द्वार पर सन्नाटा पसरा रहता है, लेकिन कागजों में धान की तौल धड़ल्ले से चल रही है। आरएफसी क्रय केंद्रों के आंकड़े खुद कहानी बयां कर रहे हैं। केंद्र संख्या 3 पर 13 दिसंबर को लखीमपुर-खीरी निवासी विश्वनाथ शुक्ला से 30.40 क्विंटल और 26 दिसंबर को लखनऊ की पलविंदर कौर से 72.40 क्विंटल धान खरीद दिखाई गई। केंद्र संख्या 4 पर कोलकाता निवासी अवतार सिंह ग्रेवल के नाम 17 दिसंबर को 242.80 क्विंटल और 20 दिसंबर को 104 क्विंटल धान की खरीद दर्ज है।

केंद्र संख्या 5 पर हरियाणा के चिछेरवल निवासी हरजीत सिंह से 26 दिसंबर को 212 क्विंटल धान की खरीद दर्शाई गई। केंद्र संख्या 7 पर लखनऊ की महेंद्र कौर और जलालाबाद के अमन कुमार के नाम सैकड़ों क्विंटल धान की तौल दिखाई गई। केंद्र संख्या 8 पर लखीमपुर-खीरी और सदर तहसील के किसानों के नाम पर खरीद दर्ज की गई।

सहकारिता विभाग भी पीछे नहीं : आरएफसी ही नहीं, सहकारिता विभाग के क्रय केंद्रों पर भी यही कहानी सामने आ रही है। तिलहर, जलालाबाद, लखनऊ और पीलीभीत जिले के किसानों के नाम पर बड़ी मात्रा में धान की खरीद दिखाई जा रही है। कई केंद्रों पर एक ही दिन में 90 से 100 क्विंटल तक की खरीद दर्ज है, जबकि मौके पर न तो किसान दिखते हैं और न ही धान।

बड़ा सवाल कायम

सवाल यही है कि जब स्थानीय किसान धान पहले ही औने-पौने दामों पर बेच चुके हैं, तो सरकारी केंद्रों पर यह धान आखिर कहां से आ रहा है? क्या यह सिर्फ कागजों की खेती है या फिर सरकारी खरीद के नाम पर धान का सबसे बड़ा खेल खेला जा रहा है। अब सबकी नजरें प्रशासनिक जांच पर टिकी हैं।

भाकियू का आरोप: बड़ा घोटाला दबा है

भारतीय किसान यूनियन (टिकैत गुट) के जिलाध्यक्ष अनिल सिंह यादव का आरोप है कि "आढ़तियों द्वारा पहले खरीदे गए धान को सरकारी क्रय केंद्रों पर दिखाया जा रहा है। केंद्र प्रभारी से लेकर अधिकारी तक इस फर्जीवाड़े में शामिल हैं। यदि जांच हुई तो बड़ा घोटाला सामने आएगा।"

प्रशासन ने मानी जांच की जरूरत

एसडीएम पुवायां चित्रा निर्वाल ने कहा कि किसान धान जहां चाहें बेचने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन इतनी दूर से धान आने का मामला संदिग्ध है। सभी केंद्र प्रभारियों से दस्तावेज तलब किए जाएंगे और जांच कराई जाएगी।"

वाहन फिटनेस सेंटरों में धांधली रोकने की मांग

संवाददाता, पुवायां

एसडीएम को ज्ञापन सौंपते पदाधिकारी।

अमृत विचारः बुधवार को पुवायां उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष कृष्ण कुमार लील, महामंत्री कपिल गुप्ता और कोषाध्यक्ष मंगल मिश्रा के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों व व्यापारी सदस्यों ने माननीय मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन उपजिलाधिकारी पुवायां को सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से व्यापार मंडल ने वाहन फिटनेस सेंटरों में हो रही कथित धांधली पर रोक लगाते हुए एक पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था लागू करने की मांग की। व्यापारियों ने कहा कि निजी फिटनेस सेंटरों के साथ-साथ सरकारी फिटनेस सेंटरों को भी यथावत संचालित रखा जाए, ताकि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बनी रहे और वाहन स्वामियों को विकल्प मिल सके। व्यापार मंडल ने यह भी मांग की कि किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकने के लिए फिटनेस सेंटरों की निरंतर निगरानी सुनिश्चित की जाए तथा वाहन स्वामियों की शिकायतों के समाधान के लिए एक हेल्पलाइन नंबर या ऑनलाइन पोर्टल उपलब्ध कराया जाए। इसके साथ ही निजी फिटनेस सेंटरों पर ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित कार्यों में व्याप्त धांधली के त्वरित समाधान की आवश्यकता जताई गई। ज्ञापन में प्रत्येक जिले में एक निरीक्षण समिति गठित करने की भी मांग की गई, जिसमें जिला प्रशासन, परिवहन विभाग और स्थानीय ट्रांसपोर्ट से जुड़े जनप्रतिनिधियों को शामिल किया जाए। इस अवसर पर व्यापार मंडल पदाधिकारियों व सदस्यों में सुरेंद्र पाल, महेश गुप्ता, जयप्रकाश गुप्ता, अखिलेश अग्निहोत्री, शशि, पुष्पेंद्र गुप्ता, लकी, विशाल गुप्ता आदि रहे।

लोधीपुर में लगा निःशुल्क मोतियाबिंद जांच एवं स्वास्थ्य शिविर

लोधीपुर में लगे निःशुल्क मोतियाबिंद जांच एवं स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाते मरीज। ● अमृत विचार

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : लोधीपुर स्थित पार्षद कार्यालय पर बुधवार को डॉ. श्राफ चैरिटी आई हॉस्पिटल की ओर से निःशुल्क जांच एवं मोतियाबिंद शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विशेषज्ञ नेत्र चिकित्सकों की टीम ने मोतियाबिंद की जांच की। जांच के दौरान चिन्हित मरीजों के लिए लेन्स विधि द्वारा निःशुल्क ऑपरेशन, अस्पताल तक आने-जाने, रहने-खाने तथा दवाइयों की संपूर्ण व्यवस्था निःशुल्क सुनिश्चित की गई। शिविर में जन आरोग्य मंदिर स्वास्थ्य केन्द्र की मेडिकल टीम ने भी सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का आयोजन एडवोकेट एवं पार्षद रूपेश कुमार वर्मा (अन्नू) के नेतृत्व में किया गया।

आर्य समाज का वार्षिक अधिवेशन आयोजित

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

आर्य समाज, टाउनहाल रोड का वार्षिक अधिवेशन में नई कार्यकारिणी के पदाधिकारी।

● नई कार्यकारिणी का गठन, जिला व प्रांतीय प्रतिनिधियों की घोषणा

अमृत विचार : आर्य समाज राजन हाल रोड का वार्षिक अधिवेशन एवं निर्वाचन वर्ष 2026 के लिए बुधवार को आयोजित किया गया। अधिवेशन प्रातः 9 बजे आर्य समाज के सत्संग भवन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान प्रेम प्रकाश आर्य ने की, जबकि पर्यवेक्षक के रूप में रामवीर देव आर्य, उपमंत्री जिला आर्य प्रतिनिधि सभा शाहजहांपुर उपस्थित रहे। अधिवेशन में वर्ष भर की गतिविधियों की समीक्षा के साथ निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण की गई, जिसमें सभी पदाधिकारियों, अंतरंग सदस्यों तथा प्रतिनिधियों का चयन सर्वसम्मति से किया गया।

अधिवेशन के दौरान संगठन की आगामी कार्ययोजना पर भी विचार-विमर्श हुआ। समाज को सुदृढ़ करने, वैदिक संस्कारों के प्रचार-प्रसार, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन तथा युवाओं को संगठन से जोड़ने पर विशेष बल दिया गया। उपस्थित सदस्यों ने संगठन की एकता बनाए रखने और समाजहित में निरंतर सक्रिय रहने का संकल्प लिया। निर्वाचन में वर्ष 2026 के लिए प्रेम प्रकाश आर्य को पुनः प्रधान चुना गया। नरेन्द्र कुमार आर्य को वरिष्ठ उप प्रधान तथा बलवीर शास्त्री को उप प्रधान का दायित्व सौंपा गया। मंत्री पद पर रामप्रकाश यादव, वरिष्ठ उप मंत्री के रूप में कृष्ण पाल सिंह आर्य तथा उप मंत्री के रूप में रामप्रकाश वर्मा का चयन किया गया। सर्वेश्वरानंद आर्य को कोषाध्यक्ष, रामचन्द्र सिंह भदौरिया को आय-व्यय लेखा निरीक्षक तथा महेन्द्र पाल सिंह आर्य को पुस्तकालयाध्यक्ष बनाया गया। अंतरंग सदस्यता के अंतर्गत डॉ. अर्चना आर्य, जीताराम वर्मा, रामवीर सिंह आर्य, उमा शंकर आर्य, सेवाधाम वर्मा, सतेश कुमार कश्यप, मेवाराम कुशवाहा, प्रेमपाल वर्मा और सतेन्द्र कुमार सिंह सहित कुल 18 सदस्यों को नामित किया गया। आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश के लिए बलवीर शास्त्री और नरेन्द्र कुमार आर्य को प्रतिनिधि चुना गया। जिला आर्य प्रतिनिधि सभा शाहजहांपुर के लिए नरेन्द्र कुमार आर्य, सर्वेश्वरानंद आर्य, बलवीर शास्त्री, रामचन्द्र सिंह भदौरिया तथा कृष्ण पाल सिंह आर्य को प्रतिनिधित्व सौंपा गया।

पूर्व विधायक शकुंतला देवी ने बांटे कंबल

कम्बल वितरित करती पूर्व विधायक शकुंतला देवी। ● अमृत विचार

संवाददाता, पुवायां

अमृत विचारः पूर्व विधायक शकुंतला देवी ने अपने पैतृक गांव अगौना बुजुर्ग के अलावा बिल्सडी बुजुर्ग एवं बिल्सडी खुर्द में जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरित किए। इस अवसर पर शकुंतला देवी ने कहा कि कड़ाके की ठंड में जरूरतमंदों की मदद करना हम सभी का सामाजिक और नैतिक दायित्व है। कार्यक्रम में गांव के वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं और युवा बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

पाथ-वे बंद होने से दिव्यांग यात्रियों और पोर्टरों की बढ़ गई मुसीबत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● दिव्यांग यात्रियों की व्हील चेयर ले जाने की शीघ्र होगी व्यवस्था

● दिव्यांग और पोटरों को हो रही परेशानी, अधिकारियों ने भेजी उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट

> प्लेटफार्म एक से दो और तीन पर पाथ वे पर पुनरीक्षण हो रहा है। जल्दी ही इसका समाधान निकल जाएगा।
> – आदित्य गुप्ता, प्रबंधक वाणिज्य मंडल मुरादाबाद मंडल

अमृत विचारः रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म दो और तीन पर दिव्यांग यात्रियों की व्हीलचेयर जाने के लिए पाथ वे का रास्ता बंद कर देने के मामले में मुरादाबाद मंडल के अधिकारी ने कहा कि दिव्यांग यात्रियों की इस समस्या का शीघ्र समाधान होगा। पाथ वे आरपीएफ की डियूटी लगायी जाएगी। इधर दिव्यांग यात्री और पार्सल पोटर को काफी दिक्कत हो रही है।

स्थानीय रेलवे स्टेशन पर पांच प्लेटफार्म है। निर्माण निरीक्षक कार्यालय के सामने प्लेटफार्म एक से प्लेटफार्म दो व तीन जाने के लिए पाथ वे रास्ता था। पाथ वे से दिव्यांग यात्रियों व्हील चेयर, पार्सल पोर्टर ठिलिया से सामान और रेल डाक सेवा का डाक ठिलिया से प्लेटफार्म दो और तीन पर आसानी से चली और आ जाती थी। रेल प्रशासन ने इस पाथ वे को बंद कर दिया है। पाथ वे बंद हो जाने से सबसे अधिक परेशानी दिव्यांग यात्रियों की व्हील चेयर में जाने और आने में दिक्कत हो रही है। परिवार वाले परेशान है कि दिव्यांग यात्री को प्लेटफार्म दो और तीन पर कैसे ले जाए। इसी प्रकार पार्सल पोर्टर जान हथेली पर रखकर मजबूरन रेल लाइन पार करके नग पहुंचाते और लाते है। इसी प्रकार डाक सेवा कर्मचारियों को भी दिक्कत हो रही है। जबकि फुट ओवरब्रिज से ठिलिया और व्हील चेयर नहीं जा सकती है। इसी प्रकार महिला थाना के पीछे प्लेटफार्म एक का रास्ता बंद कर देने से यात्रियों को दिक्कत हो रही है। इधर स्थानीय अधिकारियों ने ज्वाइंट रिपोर्ट बनाकर पाथ वे खुलवाने और आरपीएफ की डियूटी लगाने के लिए मंडल कार्यालय को भेज दी है। यात्रियों की मांग है कि पाथ वे और महिला थाना के पीछे का रास्ता खोला जाए। मंडल के अधिकारियों ने बताया कि इस समस्या का शीघ्र समाधान हो जाएगा।

पाथ वे रास्ता बंद होने से दिव्यांग यात्रियों और पार्सल पोटरों को बड़ी परेशानी।

रेलवे की दीवार टूटने से जान का खतरा

मालगोदाम रोड पर साइकिल स्टैंड से कुछ दूरी पर चार दिन पूर्व दो सांड आपस में लड़ रहे थे। सांड लड़ते-लड़ते रेलवे की दिवार के पास पहुंच गए और दिवार गिर गयी। दीवार का मलवा सड़क पर पड़ा हुआ है। उसके पास कुछ दूरी पर बिजली का ट्रांसफार्मर लगा हुआ है। बिजली के ट्रांसफार्मर को लेकर जान का खतरा बन रहता है, जानवर उसके पास पहुंच जाते है। कर्मचारियों ने आईओडब्लू को अवगत करा दिया है।

बरेली-बनारस एक्सप्रेस एलबीएच कोच में चालू

डाउन व अप लाइन की बरेली-वनारस एक्सप्रेस पुराने कोच में चल रही थी। इस कोच से यात्रियों को सफर ज्यादा लाभदायक नहीं था। रेल प्रशासन ने 31 दिसंब से बरेली-वनारस एक्सप्रेस को एलबीएच कोच में चालू कर दिया है। शाम को ट्रेन एलबीएच कोच में आयी है। यात्रियों का सफर अधिक आरामदायक होगा और ट्रेन की स्पीड भी अच्छी रहेगी। डिस्प्ले पर कोच की पोजीशन भी चालू हो गयी है। यात्रियों को कोच के लिए इधर-उधर प्लेटफार्म पर भागना नहीं पड़ेगा।

आयोजन

बाल विवाह उन्मूलन को लेकर विश्वविद्यालय में व्यापक जनजागरण, 100 दिवसीय अभियान के तहत छात्रों को किया जागरूक

वरुण-अर्जुन विश्वविद्यालय में 'बाल विवाह मुक्त भारत' कार्यक्रम आयोजित

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

वरुण-अर्जुन मेडिकल कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित छात्राएं व अन्य। ● अमृत विचार

अमृत विचारः बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के उन्मूलन की दिशा में जनजागरण को मजबूत करने के उद्देश्य से वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय के सभागार में 'बाल विवाह मुक्त भारत' कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह और गंभीरता के साथ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग शाहजहांपुर द्वारा कराया गया, जिसमें चिकित्सा, फार्मेसी, नर्सिंग सहित विभिन्न संकायों के शिक्षक, छात्र-छात्राएं और विश्वविद्यालय प्रशासन के अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में बाल विवाह के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और भारत सरकार द्वारा संचालित 100 दिवसीय 'बाल विवाह मुक्त भारत' जनजागरण अभियान की विस्तृत जानकारी देना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं डीन डॉ. कर्नल रवीन्द्र नाथ शुक्ला ने की। अतिथियों का स्वागत वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ फार्मेसी के प्राचार्य डॉ. प्रदीप सिंह, प्रशासनिक अधिकारी ललित कुमार चौहान और विश्वविद्यालय की नोडल अधिकारी डॉ. शिवानी गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में महिला एवं बाल विकास विभाग के मजिस्ट्रेट अरविंद मिश्रा, चाइल्ड हेल्पलाइन के को-ऑर्डिनेटर विनय शर्मा और बाल कल्याण पर्यवेक्षक सुधीर कुमार उपस्थित रहे। मंच संचालन और कार्यक्रम का संयोजन डॉ. शिवानी गुप्ता ने किया।

कार्यक्रम की शुरुआत में चाइल्ड हेल्पलाइन को-ऑर्डिनेटर विनय शर्मा ने 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि बाल विवाह न केवल कानूनन अपराध है बल्कि बच्चों के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास में गंभीर बाधा बनता है। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जागरूकता अभियानों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि बाल विवाह से शिक्षा अधूरी रह जाती है और बालक-बालिकाओं को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिससे समाज भी प्रभावित होता है। उन्होंने बाल विवाह, बाल मजदूरी, बाल शोषण या बाल तस्करी की सूचना मिलने पर 112, 181 या 1098 पर जानकारी देने की अपील की। साथ ही मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री सुमंगला योजना और महिला कल्याण योजनाओं की जानकारी दी। महिला एवं बाल विकास विभाग के मजिस्ट्रेट अरविंद मिश्रा ने बाल विवाह को नियंत्रित करने के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी बाल विवाह की घटनाएं देखने को मिलती हैं, जबकि शिक्षित समाज में इसका प्रतिशत कम है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने गांव और कस्बों में जाकर जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। उन्होंने राजा राम मोहन राय और स्वामी दयानंद सरस्वती के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि बाल विवाह से स्वास्थ्य जटिलताएं, जनसंख्या वृद्धि, घरेलू हिंसा और कुपोषण जैसी समस्याएं बढ़ती हैं। उन्होंने बताया कि पॉक्सो अधिनियम लड़कियों के साथ-साथ लड़कों की सुरक्षा के लिए भी है। साथ ही सरकार द्वारा शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक मार्गदर्शकों और जनसामान्य के बीच जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से इस कुरीति के उन्मूलन के प्रयास किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में शपथ लेते छात्र-छात्राएं और उपस्थित अधिकारी। ● अमृत विचार

● बाल विवाह रोकने के लिए सामूहिक शपथ, योजनाओं की दी गई जानकारी

बाल विवाह समाप्ति की ली शपथ

इसके पश्चात सभी उपस्थित विद्यार्थियों, शिक्षकों और अधिकारियों ने विनय शर्मा के नेतृत्व में बाल विवाह समाप्त करने की शपथ ली। कार्यक्रम के अंत में डॉ. कर्नल रवीन्द्र नाथ शुक्ला ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि बाल विवाह देश के सामाजिक स्वास्थ्य को कमजोर करता है और इससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर, कुपोषण और घरेलू हिंसा जैसी समस्याएं बढ़ती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमित कुमार सिंह, मीडिया एवं मार्केटिंग प्रभारी सचिन चौहान, फार्मेसी कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज की शिक्षिकाएं तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। अंत में विश्वविद्यालय प्रबंधन की ओर से कुलाधिपति डॉ. केशव कुमार अग्रवाल, प्रतिकुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल और कुलपति डॉ. किरन अग्रवाल ने संदेश प्रेषित कर कार्यक्रम की सराहना की और 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान को सफल बनाने के लिए निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया।

चाय बिस्कुट के साथ बांटे कंबल

शाहजहांपुर, अमृत विचार : समाजसेवी संस्था सहयोग ने जीआईसी तिराहे पर कैंप लगाकर सर्दी से बचाव के लिए सभी राहगीरों को गर्म चाय पिलाई व बिस्किट खिलाए। साथ ही सभी जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए। संस्था की अध्यक्ष रजनी गुप्ता ने बताया कि पूरे सर्द मौसम भर महानगर के प्रत्येक तिराहे व चौराहे पर संस्था की ओर से कैंप लगाकर यह पुनीत कार्य किया जाएगा। संस्था के संस्थापक अनिल गुप्ता प्रधान व शाहनवाज खां एडवोकेट ने सभी जनपद वासियों से अपील की कि ऐसे पुनीत कार्यों में सभी चढ़कर हिस्सा लें। उन्होने कहा कि सभी को जनहित कार्यों में बढ़चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की है कि जरूरतमंदों की सेवा जरूर करें। कहा कि कार्यक्रम जारी रहेगा। कार्यक्रम में सैय्यद अनवर मियां, विकास सक्सेना, महेंद्र दुबे, संगीता गुप्ता, सुमन गुप्ता, ममता यादव, अतुल गुप्ता, सरदार हरजीत सिंह, शिवम वर्मा, आशीष शुक्ला कवि, राशू, कृष्णा, सुधीर, शबाब आदि उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

सीडीओ की आईएएस पद पर हुई पदोन्नति

केशव कुमार, मुख्य विकास अधिकारी।

बदायूं, अमृत विचार : जनपद के मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार को आईएएस के पद पर पदोन्नति दी गई है। मूल रूप से जमशेदपुर झारखंड के रहने वाले मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार 2004 बैच के पीसीएस अधिकारी हैं। सीडीओ को वर्ष 2018 का आईएएस बैच दिया जाएगा। सीडीओ के आईएएस बनने पर विकास विभाग व कलेक्ट्रेट के अधिकारियों व कर्मचारियों ने उन्हें बधाई दी व प्रसन्नता व्यक्त की।

सीएनजी लीकेज से ऑटो में लगी आग

बदायूं, अमृत विचार : बदायूं-बिजनौर राजमार्ग पर सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र में सीएनजी लीक होने से चलते ऑटो में आग लग गई। चालक ने बाहर कूदकर जान बचाई। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। कुछ ही देर में ऑटो पूरी तरह से जल गया। सीएनसी से संचालित एक ऑटो बदायूं से बिल्सी मार्ग पर जा रहा था। उसमें कोई सवारी नहीं थी। चलते ऑटो में सीएनसी लीक होने लगी और आग लग गई। चालक दूर भाग निकला। सूचना मिलने पर सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति संभाली।

नए साल में देश प्रेम की भावना बलवती हो

बदायूं, अमृत विचार : कुंवर रुकुम सिंह वैदिक इंटर कॉलेज के अध्यक्ष व वरिष्ठ समाजसेवी अशोक खुराना ने सभी को नववर्ष की बधाई दी है। कहा कि साहित्यिक प्रयासों को बढ़ावा मिले, देश-प्रेम की भावना बलवती हो। समय अनुसार सामाजिक परिवर्तनों को अन्तर्मन से स्वीकारा जाए और नैतिक प्रयासों को सामाजिक पटल पर समर्थन मिले। नववर्ष पर यह कामना है।

अशोक खुराना।

सांसद ने सुनीं जनसमस्याएं गांव में व्यक्त किया शोक

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

जनसमस्या सुनते सांसद आदित्य यादव।

अमृत विचार : सांसद आदित्य यादव ने डीएम रोड स्थित अपने आवास पर जनसमस्या सुनी। लोगों ने उनकी क्षेत्रीय समस्या के अलावा आत्मीय संवेदना व्यक्त करते हुए व्यक्तिगत समस्या जानी। इसके बाद संबंधित अधिकारियों से समस्या के निस्तारण को लेकर बात भी की।

सांसद गांव लखनपुर, सिताबनगर, किसरुआ, कंडेला और सिलहरी पहुंचे। जहां अपने परिजनों को खो चुके लोगों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की। दिवंगतों को श्रद्धांजलि देकर शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया। कहा कि दुख की घड़ी में वह उनके साथ खड़े हैं और हरसंभव सहयोग के लिए हमेशा तैयार हैं। फिर सांसद विभिन्न राजनैतिक और निजी कार्यक्रमों में सम्मलित हुए। सपा जिलाध्यक्ष आशीष यादव, पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह, फखरे अहमद शोबी, ओमवीर सिंह यादव, अशोक यादव, सुरेंद्र सिंह, सतीश यादव, रचित गुप्ता, राहुल कुर्मी, वीरेंद्र जाटव, अमीर सुल्तानी आदि उपस्थित रहे।

असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए मुस्तैद दिखाई दिया पुलिस-प्रशासन

नये साल के जश्न में डूबे युवा, डीजे पर जमकर झूमे

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

शहर में नए साल का जश्न मनाते युवा। • अमृत विचार

अमृत विचार : शीतलहर के बीच नए साल 2026 का जश्न बुधवार की पूरी रात चला। न्यू ईयर के स्वागत का सिलसिला शाम से शुरू हो गया था। शहर के होटल से लेकर हाईवे के ढाबे आदि गुलजार रहे। नव वर्ष की पूर्व संध्या पर शराब और बीयर की खूब बिक्री हुई।

तड़के तक युवा नव वर्ष के स्वागत के जश्न में डूबे रहे। गली मोहल्लों में भी देर रात तक डीजे पर लोग नाचते हुए दिखाई दिए। नए साल के जश्न के दौरान शहर में असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए पुलिस प्रशासन भी मुस्तैद दिखाई दिया। होटलों पर पुलिस की कड़ी निगरानी रही। चौराहों पर भारी संख्या में पुल बल तैनात रहा। उच्चाधिकारी भी शहर भर में भ्रमण करते रहे।

रात के 12 बजते ही नए साल 2026 का आगाज हो गया। आतिशबाजी के साथ डीजे पर युवा जमकर थिरके। किसी ने केक काटा, तो किसी ने मिठाई बांट कर नए साल का स्वागत किया। होटल, रेस्टोरेंटों व निजी आवासों पर नए साल की पार्टियों का दौर जारी रहा। देर रात तक युवा सड़क पर घूमते रहे। और जश्न मनाते रहे। नए साल के स्वागत के लिए युवाओं के द्वारा एक दिन पूर्व से तैयारी पूरी कर ली थी। युवाओं ने ग्रुपों में नये साल की तैयारियों की रणनीति तैयार की थी। शहर से लेकर कस्बों में संचालित गेस्ट हाउस, रेस्टोरेंट, होटल में नए साल को लेकर तैयारियां की गई थी। इसमें युवाओं के अलावा परिवार के लोगों के लिए अलग से व्यवस्थाएं थी। लोगों ने अपने-अपने ग्रुप को लेकर फार्म हाउस और घरों पर भी पार्टी की व्यवस्था की थी। पूरे दिन तैयारी व नए साल के स्वागत के लिए योजना बनाई। उसी के अनुसार तैयारी की गई। शाम होते ही लोग नए साल के जश्न में डूबने लगे। रात 9 बजे के बाद से जश्न तेज होता गया। रात 12 बजते ही लोग खुशी से चहक उठे और एक- दूसरे को नए साल की बधाई दी। हैप्पी न्यू बोलकर एक दूसरे को बधाई दी गई। शहर में कई स्थानों पर आतिशबाजी की गई। तो कई स्थानों पर लोगों ने केक काट कर लोगों ने नए साल का स्वागत किया गया। देर रात तक लोग जश्न में डूबे रहे। इस दौरान पुलिस बल द्वारा शहर में सतर्कता बरती गई। चौराहे और चौराहों पुलिस बल तैनात रहा।

मिठाई खिलाकर जश्न मनाया, बड़ों का लिया आशीर्वाद

नए साल पर मौसम सुहाना होने पर युवा मस्ती में नजर आए। युवाओं ने अपने मित्रों के साथ नए साल और मौसम का आनंद लिया। उत्साह में युवाओं के साथ सभी आयु वर्ग के लोग शामिल हुए। नए साल का सभी ने स्वागत किया। जो परिवार होटल व रेस्टोरेंट नहीं गए। उन लोगों ने घरों में रात 12 बजे तक जागकर स्वागत किया। परिवार के सदस्यों को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया। परिवार के बड़ों का आशीर्वाद लिया।

बदनामी के डर से पिता ने गला रेतकर की थी हत्या

आलाकत्ल हंसिया बरामद कर हत्यारोपी को भेजा जेल

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- रात में घर से बिना बताए गई बेटी बैठी मिली थी ट्यूबवेल पर
- बैठने का कारण पूछने पर कर रही थी बहस, पिता ने कर दी थी हत्या

पुलिस की गिरफ्त में बेटी की हत्या करने का आरोपी पिता। • अमृत विचार

अमृत विचार : वजीरगंज क्षेत्र के गांव लहरा लाडपुर के पास सरसों के खेत में किशोरी का क्षत विक्षत शव मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार किशोरी की गला रेतकर हत्या की गई थी। किशोरी के पिता ने हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जांच के बाद पुलिस ने खुलासा किया तो पता चला कि पिता ने ही बदनामी की वजह से बेटी की हत्या की थी। पुलिस ने आरोपी से आलाकत्ल हंसिया बरामद करके उसे जेल भेज दिया।

थाना वजीरगंज क्षेत्र के गांव लहरा लाडपुर निवासी 15 साल की सोनम उर्फ सोनी पुत्री इकरार 19 दिसंबर की रात से लापता हो गई थी लेकिन परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज नहीं कराई। दस दिन बाद 29 दिसंबर की सुबह किशोरी का शव खेत में पड़ा मिला था। पोस्टमार्टम में हत्या की बात सामने आने और शुरुआती पूछताछ के दौरान प्रथम दृष्टया किशोरी के किसी अपने पर ही शक था। उसके पिता और भाई को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पता चला कि पिता इकरार ने ही हंसिया से गला रेतकर हत्या की थी। आरोपी ने पुलिस को बताया कि बेटी के रात में घर से जाने पर उसकी तलाश की थी। वह एक ट्यूबवेल पर बैठी मिली। बिना बताए वहां जाने का कारण पूछा। दोनों में बहस होने लगी थी। जिससे उसने बेटी के गले पर प्रहार किया। मौके पर ही सोनम की मौत हो गई थी।

बेटी के कई बार घर से जाने से परेशान थे परिजन

पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि बेटी कई बार घर से चली गई थी। जिससे परिवार के लोग परेशान थे। कई बार समझाने के बाद भी वह नहीं मान रही थी। जिससे गांव में बदनामी हो रही थी। जिससे परिवार परेशान रहने लगा था। इसी के चलते उसने हंसिया से हत्या की थी। एसपी देहात डॉ. ह्रदेश कठेरिया ने बताया कि खेत में एक शव मिला था। जिसकी रिपोर्ट दर्ज की गई थी। हत्या उसके पिता ने ही की थी। आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेजा गया है।

सैदपुर सीएचसी के शौचालय पर लटका ताला

बदायूं, अमृत विचार : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सैदपुर में शौचालय पर ताला लगा दिया गया है। इससे मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कस्बे के लोगों ने शौचालय का ताला खुलवाने की मांग की है।

वजीरगंज ब्लॉक के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सैदपुर में बने शौचालय पर ताला लगा हुआ है। इससे इलाज के लिए आने वाले मरीजों, तीमारदारों और गर्भवती महिलाओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सीएचसी पर रोजाना सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण क्षेत्र से मरीज पहुंचते हैं, लेकिन शौचालय बंद होने के कारण लोगों को मजबूरन बाहर खुले में जाना पड़ रहा है। इससे स्वच्छता और स्वास्थ्य दोनों पर खतरा बना हुआ है। यह स्थिति लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही। महिलाओं, बुजुर्गों और गंभीर रूप से बीमार मरीजों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. जुनैद मेहंदी से लोगों ने मांग की है कि शौचालय का ताला खुलवाया जाए जिससे मरीजों को दिक्कत न हो।

ओटीएस : पहले चरण में जमा हुए 62 करोड़ रुपये

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- प्रथम चरण पूरा, दूसरा शुरू, 49 हजार उपभोक्ताओं ने लिया लाभ

अमृत विचार : बिजली बिल राहत योजना के प्रथम चरण में करीब 49 हजार उपभोक्ताओं को लाभ मिला। एक महीने चले अभियान में बिजली विभाग को करीब 62 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। अब 1 जनवरी से योजना का दूसरा चरण शुरू किया जाएगा। इसमें मूलधन पर 25 की जगह केवल 20 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

विभाग ने 31 मार्च से पहले बिल जमा करने वाले उपभोक्ताओं को मूलधन पर 25 प्रतिशत की छूट देकर बड़ा लाभ दिया। उपभोक्ताओं ने भी अपने बिजली बिल शिविरों में जमा किए। इसके साथ ही हाइडिल और बिजली घरों पर भी बिल जमा कराए गए। इसमें उपभोक्ताओं को छूट देकर लाभ पहुंचाया गया। बुधवार को अधीक्षण अभियंता चंद्रशेखर कुमार सिंह ने बताया कि दिसंबर माह में करीब 49 हजार उपभोक्ताओं ने रजिस्ट्रेशन करा कर योजना का लाभ लिया। योजना के तहत 62 करोड़ रुपये जमा किए गए, जो विभाग को बड़ी सफलता है। बिजली विभाग के अनुसार जनपद में कुल 170 करोड़ का बिजली बिल बकाया है। इसमें 77 करोड़ का ब्याज है, जबकि 98 करोड़ का मूल धन है। धनराशि जमा कराने को शासन स्तर से बिजली बिल राहत योजना का शुभारंभ किया गया है। अब 1 जनवरी से योजना का दूसरा चरण शुरू हो रहा है। योजना तीन चरणों में चलायी जा रही है।

शिविरों में निपटाई 600 शिकायतें

बिजली बिल राहत योजना के तहत गांव-गांव लगाए गए शिविरों में बिजली उपभोक्ताओं की 600 से अधिक शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 80 प्रतिशत शिकायतें मौके पर ही निस्तारित कर दी गई, जबकि कुछ शिकायत विभाग को भेज दी गई। उनका निस्तारण कराया जा रहा है। इनमें अधिकांश शिकायत मोबाइल नंबर जोड़ने और अधिक बिल आने की थीं। विभाग ने बिल जमा करने के साथ ही शिकायतों को भी गंभीरता से निपटाया। इससे अब जिला मुख्यालय पर कम शिकायतें मिल रही हैं।

अफवाहों पर न दें ध्यान, संदिग्धता पर पुलिस से करें संपर्क

म्याऊं, अमृत विचार : थाना हजरतपुर परिसर में थानाध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान आगामी पर्व-त्योहारों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

थानाध्यक्ष ने कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और अगर कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। पुलिस प्रशासन आम जनता की सुरक्षा के लिए पूरी तरह सतर्क है और कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने ग्राम स्तर पर आपसी समन्वय बनाए रखने और विवाद की स्थिति में संवाद के माध्यम से समाधान निकालने पर जोर दिया। बैठक में मौजूद प्रधानों, बीडीसी सदस्यों एवं संभ्रांत व्यक्तियों ने सुझाव देते हुए पूरे सहयोग का आश्वासन दिया।

कुंवरगांव में करंट से झुलसे सारस की मौत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

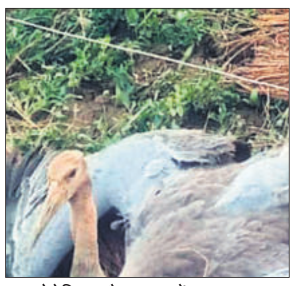

आरबोटेरियम पौध शाला में घायल सारस।

अमृत विचार : कुंवरगांव में करंट से झुलसे राजकीय पक्षी सारस की दूसरे दिन बुधवार को मौत हो गई। सारस को बरेली स्थित आईवीआरआई भेजा गया है। यहां पोस्टमार्टम करने के बाद दफनाया गया।

थाना कुंवरगांव क्षेत्र के ग्राम चकोलर फरीदपुर के जंगल में हाईटेंशन तार की चपेट में आने से मंगलवार की सुबह एक सारस झुलस गया था। खेतों पर पहुंचे ग्रामीणों ने घायल सारस को तड़पते हुए देखा तो इसकी सूचना वन विभाग को दी। आसपास के गांव के किसान भी मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने सारस को खेत से उठा कर रोड पर रखा। सूचना मिलने के बाद करीब एक घंटे बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। सारस को सलारपुर स्थित पशु चिकित्सालय पहुंचाया। यहां उसका उपचार किया गया। बाद में वन विभाग की टीम ने सारस को आरवोटेरियम पौधशाला में रख दिया। सारस ने बुधवार सुबह दम तोड़ दिया। वन विभाग के सीओ विकास कुमार वरुण ने सारस के शव को कब्जे में लेकर बरेली स्वयं पहुंचाया। यहां आईवीआरआई में सारस के शव का दो सदस्यीय टीम ने पोस्टमार्टम किया। बाद में उसे बरेली में ही वन विभाग और आईवीआरआई की टीम ने दफनाया। वन विभाग की ओर से बताया गया कि सारस करंट लगने से 80 प्रतिशत झुलस गया था। उसका शरीर झुलसने से बेदम हो गया जिससे उसको बचाया नहीं जा सका।

- बरेली स्थित आईवीआरआई में दो सदस्यीय टीम ने किया पोस्टमार्टम, फिर दफन

पूनम पंडित को राष्ट्रीय सचिव किया नियुक्त

बिल्सी, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला संख्या पांच निवासी एवं कांग्रेस के जिला महासचिव अनिल उपाध्याय के आवास पर बुधवार को बैठक हुई। बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने पूनम पंडित को अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया है। कार्यकर्ताओं ने मिठाइयां बांटकर खुशी जाहिर की और कहा कि पूनम पंडित की नियुक्ति से पार्टी को नई ऊर्जा मिलेगी। अनिल उपाध्याय ने कहा कि महिला कांग्रेस के माध्यम से महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी और संगठन जमीनी स्तर पर मजबूत होगा। साथ ही आगामी चुनावों में कांग्रेस को इसका लाभ मिलेगा। इस मौके पर अनुग्रह सिंह, ब्रजभूषण सिंह, आदित्य माथुर, योगेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

सारस के संरक्षण को शासन से नहीं है कोई योजना

- वन विभाग ने सारस गणना के बाद सौंपी रिपोर्ट

बदायूं, अमृत विचार : शासन स्तर से जिले में सारस संरक्षण को कोई प्रभावी योजना तैयार नहीं की गई है। इससे आए दिन सारस किसी न किसी हादसे का शिकार होते रहते हैं। वन विभाग ने पिछले दिनों सारस की गणना की जिसमें जनपद में कुल 115 सारस पाए गए। पिछले साल की अपेक्षा इस साल संख्या अधिक पाई गई। सारस गणना की रिपोर्ट शासन को सौंपी जा चुकी है।

वन विभाग का कहना है कि शासन स्तर से अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया हे जिससे वन्य जीवों का संरक्षण नहीं हो पा रहा है। वन्य जीवों का घटता परिवार चिंता का विषय है। लेकिन वन विभाग के अथक प्रयासों के बाद भी कई वन्य जीवों की प्रजातियां खत्म होने के कगार पर हैं। इनमें सारस और गिद्ध की संख्या पिछले कई सालों से कम हो रही हे। पक्षियों के संरक्षण को कुछ भी नहीं किया जा रहा है। इनके लिए कोई विशेष क्षेत्र चिन्हित नहीं किया गया है। इसलिए गिद्ध और सारस जैसे पक्षी अपना बसेरा कुछ खास जगहों पर ही बनाते हैं जो आम लोगों की पहुंच से दूर होते हैं। डीएफओ निधि चौहान ने बताया कि वन विभाग के पास शासन स्तर की कोई गाइडलाइन नहीं है। कुछ पक्षियों की गणना करने तक ही सीमित है। यदि इस ओर सरकार ध्यान दे तो इनके लिए कोई जगह सुनिश्चित की जा सकती है। उसमें वन्य जीवों का संरक्षण संभव है। लेकिन खुले आसमान के नीचे रहने वाले जंतुओं का संरक्षण संभव नहीं है।

आधार कार्ड बनवाने के लिए घंटों किया इंतजार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : विभिन्न कार्यों के लिए लोगों से आधार मांगा जा रहा है। लेकिन उनमें त्रुटियां होने की वजह से लोगों को दिक्कत हो रही है। वहीं बच्चों के आधार बनने हैं। नए आधार बनवाने और संशोधन कराने के लिए लोग पोस्ट ऑफिस पहुंच रहे हैं। कस्बा उझानी स्थित पोस्ट ऑफिस के बाहर लोगों की लंबी लाइन लगी रही, लेकिन न आधार बन सका और न ही संशोधन सका। बल्कि पोस्ट ऑफिस कर्मचारियों ने लोगों को टोकन जारी अगले दिन आने के लिए कह दिया। इससे लोगों में निराशा हुई।

ठंड में बच्चों को लेकर लोग आधार कार्ड संशोधन व नए बनवाने के लिए टोकन लेकर सुबह ही पोस्ट ऑफिस के बाहर लाइन लगाकर खड़े हो गए। लाइन घंटाघर चौराहे तक पहुंच गई। पोस्टमास्टर अश्विनी माहेश्वरी ने स्टाफ संग सुबह 7.30 से टोकन बांटना शुरू कर दिया। टोकन प्राप्त करने के वाले लोगों को वापस जाना पड़ा। जिन लोगों को एक दिन पूर्व टोकन मिला था। उनका आधार बनाने के साथ ही संशोधन किया गया। इसके बाद भी लोगों के आधार नहीं बन सके। इस संबंध में पोस्ट मास्टर ने बताया कि डाकघर खुलने का समय दस बजे हैं। लेकिन ठंड में लाइन लगाए टोकन की आस में खड़े लोगों की परेशानी देखते हुए सुबह 7.30 पर स्टाफ सहित आकर हफ्ते भर के टोकन बांट दिए गए।

टक्कर मारने के बाद पहिया चढ़ाकर हत्या करने का आरोप

संवाददाता, बितरोई/मुजरिया

- चाचा-भतीजे को पिकअप और बिना नंबर कार ने मारी टक्कर
- घटनास्थल पर बेसबॉल, हॉकी और टूटे हुए डंडे पड़े मिले
- हत्या के बाद हादसा दिखाने का प्रयास करने का आरोप

वीरेंद्र सिंह यादव।

युवक की मौत के बाद मौके पर पड़ी बेसबॉल। • अमृत विचार

घटनास्थल पर खड़ी कार।

घटनास्थल पर खड़ी पिकअप।

अमृत विचार : चाचा को दवा दिलाने जा रहे युवक की बाइक को सगराय-मुजरिया मार्ग पर पीछे से तेज रफ्तार पिकअप ने टक्कर मार दी। फिर सामने से आई बिना नंबर की कार ने टक्कर मारी। इससे बाइक सवार चाचा-भतीजा घायल हो गए। आरोप है कि कार चालकों ने दोनों घायलों को हॉकी और डंडों से पीटा। कार चालक ने भतीजे के सिर के ऊपर से पहिया उतारकर मार दिया। आसपास खेतों पर काम कर रहे लोग चिल्लाए तो आरोपी भाग गए। लोगों के अनुसार कार सवारों ने जान से मारने की नीयत से दो बार वार किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घायल को भर्ती कराया गया है। दोनों वाहन एक ही व्यक्ति के बताए जा रहे हैं। परिजनों ने रंजिशन हत्या करने का आरोप लगाया है।

गांव इस्माइलपुर मेमड़ी निवासी वीरेंद्र सिंह यादव पुत्र शिवराज सिंह यादव अपने चाचा राजेंद्र सिंह को दवा दिलाने के लिए बुधवार दोपहर लगभग एक बजे बाइक से मुजरिया चौराहा स्थित चिकित्सक के पास जा रहे थे। रास्ते में सगराय से अलीगंज जाने वाले मार्ग स्थित गांव मेमड़ी के पास पीछे से पिकअप और सामने से कार आई। उन्होंने बाइक को टक्कर मार दी। इसमें वीरेंद्र सिंह की मौत हो गई और चाचा राजेंद्र सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक ज्योति सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचीं। सीओ सहसवान अशोक कुमार सिंह ने मौका मुआयना किया। मौके पर बेसबॉल, हॉकी और टूटे हुए डंडे पड़े मिले। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। मृतक के ताऊ महाराज सिंह ने बताया कि वीरेंद्र सिंह यादव पिता के अकेले बेटे थे। गांव की पुरानी रंजिश के चलते जानबूझकर हत्या की गई है। पहले पीटकर हत्या की गई। फिर हादसा का रूप देने का प्रयास किया गया। पुलिस ने पिकअप और कार को थाने पर खड़ा कराया है।

प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि प्रथम दृष्टया सड़क हादसा लग रहा है। मौके पर दोनों गाड़ियां रेत में फंसी मिली थी। आगे की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आवश्यकता है

- कंप्यूटर ऑपरेटर (MS ऑफिस अनिवार्य, Corel Draw अनुभवी को वरीयता)
- नर्स ANM/GNM (Male)
- आयुर्वेदिक परिचारिका
- पंचकर्म थेरेपिस्ट/असिस्टेंट (Male, Female)
- आयुर्वेदिक मेडिकल स्टोर पर कार्य हेतु अनुभवी लड़के/लड़की
- रसोइया
- वार्ड बॉय
- हॉस्टल वार्डन फीमेल
- कैंटीन सुपरवाइजर/मेस सुपरवाइजर

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल

सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड, बरेली

मो. +91-8077808309, 9837357497

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम NAWAB ALI KHAN से बदलकर NABAB ALI KHAN रख लिया है। भविष्य में मुझे के नाम से जाना जाये। **नबाब अली खाँ पुत्र रियासत अली खां निवासी ग्राम लाई खेड़ा पोस्ट भनपुरा तहसील तिलहर जिला शाहजहाँपुर।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र धीरज कुमार को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **राम रतन पुत्र राम किशन निवासी ग्राम बमरौली तहसील बीसलपुर थाना बिलसण्डा जिला पीलीभीत।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे समस्त शैक्षिक अंकपत्रों में मेरा नाम Ayushi Johri है। आधार कार्ड में मेरा नाम Samiya Fatima दर्ज है। आयुषी जौहरी व सामिया फातिमा दोनों नाम मेरे ही है। मैं आधार कार्ड में नाम Ayushi Johri दर्ज कराना चाहती हूँ। **आयुषी जौहरी पत्नी श्री मो. वासिफ निवासी खुदागंज जिला पीलीभीत।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में पिता का नाम भूलवश CHETRAPAL SINGH अंकित हो गया है जबकि उनका सही नाम CHHETRA PAL SINGH है। आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में भी यही नाम अंकित है। **बादशाह सिंह पुत्र क्षेत्रपाल सिंह निवासी ग्राम जयनगर अलीनगर नवाबगंज जिला बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार, 1 जनवरी 2026

बदायूं

न्यूज ब्रीफ

सेवानिवृत्ति पर सम्मान के साथ किया विदा

ओरछी, अमृत विचार : थाना फैजगंज बेहटा परिसर में बुधवार को एक विदाई समारोह का आयोजन कर होमगार्ड योगेन्द्र सिंह को विदाई दी गई। थाना परिसर ढोल-नगाड़े बजे। विभाग के अधिकारियों और साथियों ने फूल-मालाएं पहनाकर उनके सुखद भविष्य की कामना की। नूर नगर कौड़ियां निवासी होमगार्ड योगेन्द्र सिंह की सेवानिवृत्ति पर थाना प्रभारी राजकुमार सिंह ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया। सहायक कंपनी कमांडर अवनीश कुमार शर्मा, सहायक कंपनी कमांडर अवनेश कुमार शर्मा, मुनीर खां, होमगार्ड दिनेश चंद्र शर्मा, नसरुद्दीन, शीशपाल यादव, राजेंद्र पाल सिंह, राजेंद्र सिंह सहित समस्त होमगार्ड कंपनी के जवान और योगेन्द्र सिंह के परिवार के सदस्य मुख्य रूप से मौजूद रहे।

सूची का अंतिम प्रकाशन 6 मार्च को

बदायूं, अमृत विचार : एडीएम वित्त एवं राजस्व ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि 1 जनवरी के आधार पर जिले में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण की घोषित तिथियों में संशोधन किया है। नई तिथियां जारी की गई हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि संशोधित तिथियों के अनुसार अब मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन 6 जनवरी को किया जाएगा। दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 6 जनवरी निर्धारित की गई है। 27 फरवरी तक नोटिस चरण, गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा।

वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

इस्लामनगर, अमृत विचारं : इस्लामनगर पुलिस ने बुधवार को न्यायालय के आदेश पर कार्रवाई करते हुए वारंटी शाने आलम निवासी मोहल्ला कुरैशियन, कस्बा इस्लामनगर को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। आरोपी के विरुद्ध मामला न्यायालय में लंबित था। जिसमें लगातार गैरहाजिर रहने के चलते उसके खिलाफ वारंट जारी किया गया था। वारंट की तामील के लिए पुलिस काफी समय से उसकी तलाश कर रही थी।

समीक्षा बैठक : रैंकिंग में सुधार लाने के निर्देश

जिले की प्रभारी मंत्री गुलाब देवी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से की विकास कार्यों की समीक्षा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जनपद की प्रभारी मंत्री व प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) माध्यमिक शिक्षा गुलाब देवी ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विकास कार्यों की समीक्षा की। प्रभारी मंत्री ने डीएम सहित अन्य अधिकारियों को जिले में हो रहे विकास कार्यों व्याप्त कमियों को दूर कर सुधार करने के आदेश दिए। इससे जिले की रैंकिंग में सुधार हो सके। नंवबर में रैंकिंग काफी नीचे चली गई थी। जिले को प्रदेश स्तर पर 43वीं रैंक प्राप्त हुई है। इसमें सुधार करने का आदेश दिया।

डीएम अवनीश राय व मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार व अन्य अधिकारी कलेक्ट्रेट परिसर स्थित एनआईसी में प्रभारी मंत्री से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि निर्वाचन के कार्यों में पूरी पारदर्शिता बरती जाए, जो युवा 18 वर्ष पूर्ण कर रहे हैं उनका वोट अवश्य बनाया जाए। निराश्रित गोवंशों के लिए और आश्रय स्थल बनाने के लिए भी निर्देश दिए। इस दौरान डीएम ने अधिकारियों को विभागीय कार्यों को पारदर्शिता के साथ पूरा कर आंकड़ों को पोर्टल पर अपलोड कराने आदेश दिए। इससे दिसंबर की रैंकिंग में सुधार हो सके। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया प्रभारी मंत्री को बताया कि अक्टूबर में जनपद को विकास कार्यों में 14वीं रैंक मिली थी, जबकि नवंबर में 43वीं रैंक प्राप्त हुई है। नवंबर में की गई रैंकिंग में 57 कार्यक्रमों में ए श्रेणी, 11 कार्यक्रमों में बी श्रेणी, चार कार्यक्रमों में सी श्रेणी व चार कार्यक्रमों में डी श्रेणी प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि नेडा का 67.74 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है। सीडीओ ने बताया कि 15वें वित्त आयोग की धनराशि से ग्राम पंचायत में 90.90 प्रतिशत तथा 5वें वित्त आयोग के 98.47 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गए हैं। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में जनपद को मिले 784 के लक्ष्य के सापेक्ष 577 जोड़ों का विवाह कराया गया है। 15 जनवरी के बाद अन्य सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। फैमिली आईडी का 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है। अक्टूबर में प्रभारी मंत्री ने समीक्षा की थी। डीएम के निर्देश पर पांच नई वृहद गोशालाओं के लिए भूमि के चिन्हांकन का कार्य किया जा रहा है। प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा जाएगा।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होती समीक्षा के दौरान बैठक में अधिकारी। • अमृत विचार

- जिले को अक्टूबर में 14वीं और नवंबर में प्राप्त हुई थी 43वीं रैंक

जनपद में कुल संचालित हैं 317 गोशालाएं

वर्तमान में पांच वृहद गोशालाएं जनपद में संचालित हैं व पांच वृहद गोशालाएं निर्माणाधीन हैं। जनपद में कुल 317 गोशालाएं संचालित हैं। बताया कि अधिकारियों की टीम बनाकर गत दिनों गोशालाओं का रात्रि निरीक्षण भी कराया गया है। प्रभारी मंत्री ने छात्रवृत्ति योजनाओं, मुख्यमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, एनआरएलएम, नेडा, एंबुलेंस सेवाएं, फैमिली आईडी, ऑपरेशन कायाकल्प, निपुण भारत मिशन, मध्यान्ह भोजन व परिषदीय विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति आदि विभिन्न योजनाओं व कार्यक्रमों की एक-एक कर समीक्षा की। साथ ही आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए।

बालाजी धाम पर किया भजन कीर्तन, बांटे गर्म कपड़े

जरूरतमंदों को गर्म कपड़े बांटते मंदिर के महंत। • अमृत विचार

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : नवदुर्गा मंदिर के तत्वावधान में मंगलवार को प्रभात फेरी कीर्तन मंडली ने भ्रमण किया। कीर्तन करती मंडली सिद्ध पीठ श्री बालाजी धाम पहुंची। मंदिर पर देर तक कीर्तन मंडली ने भगवान के भजन कीर्तन किया। जिससे दरबार का वातावरण भक्ति मय हो गया। इस दौरान लोगों ने जयश्री राम का जयघोष किया। सिद्धपीठ श्री बालाजी धाम के महंत मटरूमल शर्मा और संजीव शर्मा ने कीर्तन मंडली में शामिल लोगों को गर्म शॉल ओढ़ा कर सम्मानित किया। साथ ही दरबार में उपस्थित बच्चों समेत गरीबों में गर्म कपड़े वितरित किए। इसके बाद का प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर मंडली के अध्यक्ष सतपाल सिंह ठाकुर, विनेश चंद्रसूर्यवंशी, श्रीपाल, गजेंद्र सूर्यवंशी, उमेश चंद्र सूर्यवंशी, नत्थू लाल आर्य, गोवर्धन यादव सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

बुद्ध कथा में समझाया धम्म दीक्षा का महत्व

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के गांव बेहटा गुंसाई में चल रही भगवान बुद्ध की कथा का अंतिम दिन श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ। समापन के अवसर पर पहुंची भाजपा नेत्री ममता शाक्य ने धम्म दीक्षा के संबंध में महिलाओं को विस्तार से जानकारी दी।

कहा कि धम्म दीक्षा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि जीवन को सत्य, अहिंसा, करुणा और समता के मार्ग पर ले जाने का माध्यम है। उन्होंने बताया कि भगवान बुद्ध का धम्म मानव मात्र को समानता का संदेश देता है और समाज से भेदभाव, हिंसा व अंधविश्वास को समाप्त करने की प्रेरणा देता है। विशेष रूप से महिलाओं से आह्वान किया गया कि वे धम्म के सिद्धांतों को अपनाकर अपने परिवार और समाज में शांति व सद्भाव बनाए रखें। इससे पहले कथावाचक मोहन बौद्ध ने बुद्ध के पंचशील और अष्टांगिक मार्ग पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इन्हें अपनाने से व्यक्ति नैतिक और संयमित जीवन जी सकता है। कथा के दौरान बुद्ध वंदना की गई और श्रद्धालुओं ने बुद्ध के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया गया। बाद में खीर का प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर ठाकुर गजेंद्र सिंह, जयवीर शाक्य, शुभम जाट, हीरालाल बौद्ध, खूबचंद शाक्य, डॉ.जेपी शाक्य, पान सिंह शाक्य, सत्य प्रकाश शाक्य, नेकराम शाक्य, कमल शाक्य, भूरे शाक्य, संजीव शाक्य, प्रमोद शाक्य, सुरेश शाक्य आदि लोग उपस्थित रहे।

महिलाओं के बीच भाजपा नेत्री ममता शाक्य व अन्य। • अमृत विचार

- बेहटा गुंसाई में गांव चल रही भगवान बुद्ध की कथा का समापन

बिसौली में नौ दिवसीय श्री राम कथा का किया समापन

बदायूं, अमृत विचार : बिसौली की नई तहसील कॉलोनी स्थित श्री हरि बाबा मंदिर परिसर में 23 दिसंबर से चल रही नौ दिवसीय श्री राम कथा का समापन बुधवार को विभिन्न प्रसंगों और धार्मिक उल्लास के साथ हुआ। कथा वाचक देश पाल भारद्वाज ने कथा के अंतिम दिन लंका दहन, संजीवनी बूटी का आगमन, रावण का अंत और राजतिलक जैसे प्रसंगों का वर्णन किया। इसके बाद प्रसाद वितरण किया। पूर्व सभासद निशा पाठक, सविता गुप्ता, अंशु मिश्रा, ज्योति मिश्रा, संगीता शर्मा, प्रियंका शर्मा, संगीता शर्मा, रेखा गुप्ता, रिंकी वार्ष्णेय, गोरी वाष्णेय, रीना सिंह, मंजू शर्मा, प्रवेश कुमारी, विनीता शर्मा, कलावती, लीलावती आदि मौजूद रहे।

देश पाल भारद्वाज।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों का किया भुगतान

सेवानिवृत्त कर्मियों को विदाई देतीं पालिका अध्यक्ष फात्मा रजा व अन्य। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : नगर पालिका परिषद प्रांगण में बुधवार को सेवानिवृत्त समारोह कार्यक्रम पालिका अध्यक्ष फात्मा रजा की अध्यक्षता में हुआ।

सेवानिवृत हुए कार्यालय अधीक्षक खालिद अली खां को 22 लाख 89 हजार व अनुचर ओम दत्त शर्मा को 10 लाख 57 हजार 976 रुपये का भुगतान किया गया। पालिका अध्यक्ष ने फूलमाला एवं शाल देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में पालिका अध्यक्ष फात्मा रजा ने कहा कि सेवानिवृत्ति जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। सेवानित्त कर्मियों ने समारोह में सेवाकाल में पालिका से मिले अनुभवों को एक-दूसरे से साझा किया। इस अवसर पर सभासद ग्रीश शुक्ला, रवि कुमार, मनोज चन्देल, मुकेश साहू, अनवर खां, श्याम पाल सिंह, मुशाहिद, ममता, नवैद, समेत अधिकाशी अधिकारी विनय कुमार मणि त्रिपाठी, जलकल अभियन्ता नितिन सक्सेना, मुख्य सफाई एवं खाद्य निरीक्षक मोहम्मद तय्यब, निर्माण लिपिक सचिन सक्सेना, नवेद इकबाल गनी, केशव गंगवार, सूर्य प्रकाश सक्सेना, रजनेश चन्द्र, शरीफ अहमद, लवी, राजेन्द्र सिंह, विनोद सोनकर, सुमित सिंह, महेश बाबू, इमरान, गजेन्द्र मौजूद रहे।

- पालिकाध्यक्ष ने शॉल और स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

भक्तों ने मनाई रामलला प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ

मंदिर में भजन कीर्तन करते श्रद्धालु। • अमृत विचार

संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : महिला पतंजलि योग पीठ शाखा ने आर्य समाज स्थित मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के दूसरी वर्षगांठ मनाई। इस दौरान भजन कीर्तन हुए। साथ ही प्रसाद का वितरण किया।

योग पीठ की महिलाओं ने रामधुन गाकर श्री राम के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। जिला प्रभारी उमा वार्ष्णेय ने बताया कि महिला पतंजलि योग समिति योगा के अलावा अन्य कई सामाजिक कार्यक्रम कराती रहती है। इसी क्रम में प्रभु श्री राम प्रति संगठन के सदस्यों ने अपनी भक्ति भावना को प्रकट करते हुए कार्यक्रम का आयोजन किया। कर्यक्रम में ज्योति, मुनमुन वर्मा, तनिष्का गुप्ता, कंचन रस्तोगी, सीमा, रीता, रश्मि गुप्ता, साधना शर्मा, नीलम आदि उपस्थित रहे।

- आर्य समाज स्थित मंदिर में महिला पतंजलि योग पीठ शाखा ने गाए भजन और कीर्तन

अभियान चलाकर नशा मुक्ति के प्रति किया जागरूक

बदायूं, अमृत विचार : दावत-ए-इस्लामी इंडिया की सामाजिक इकाई गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन ने नशे के खिलाफ जन-जागरुकता अभियान कस्बा अलापुर में चलाया। संगठन के पदाधिकारियों ने लोगों को नशा मुक्ति के प्रति जागरूक किया।

दावत-ए-इस्लामी और जीएनआरएफ के पदाधिकारियों ने अलापुर नगर बैनर पोस्टर लेकर नागरिकों को नशा मुक्ति अभियान के तहत लोगों को जागरूक किया। इस मौके पर मुदस्सिर खान, कारी मुनीस, हाफिज आशिक रसूल, मुकीम आदि उपस्थित रहे।

लोगों को जागरूक करते संगठन के लोग।

घना कोहरा और कड़ाके की ठंड के बीच आशा वर्कर्स यूनियन की हड़ताल जारी

सभा को संबोधित करतीं यूनियन की जिलाध्यक्ष जौली वैश्य। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : आशा वर्कर्स यूनियन की प्रदेशीय आह्वान पर हड़ताल 17वें दिन बुधवार को भी जारी रही। आशा वर्कर्स खुले आसमान के नीचे कोहरा और सर्द मौसम में हड़ताल पर डटी हैं, लेकिन जिला प्रशासन और शासन की ओर से कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है।

बुधवार को आशा कर्मियों को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष जौली वैश्य ने कहा कि 23 दिसंबर के विधानसभा मार्च के दबाव में वार्ता की शुरुआत की थी, जिससे एक उम्मीद बंधी थी कि सरकार आशा कर्मियों की मांगों पर चर्चा और समाधान की ओर बढ़ेगी, लेकिन पिछले दिनों से लगातार हड़ताल को कमजोर करने, तोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन निदेशालय द्वारा वित्त पोषित और सरकार द्वारा अनुदानित जेबी संगठनों और पूरी फौज मैदान के उतार दी गई है। इससे अब आशा संगिनी परेशान हैं। उन्होंने कहा कि अबकी बार आर पार की लड़ाई होगी। यह हड़ताल किसी भी तरह के षड्यंत्र और दमनकारियों का मुकाबला करने के लिए तैयार है। बुधवार को हड़ताल परआशा विदेशा, किरण, माया, सुशीला, अंशु, अलका, खैरूलनीश, रामलली आदि सम्मिलित मौजूद रहीं।

साफ-सफाई व्यवस्था परखेगी शासन की टीम

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : स्वच्छ भारत मिशन के तहत शहर की सफाई व्यवस्था का आकलन कर सरकार से सभी जिलों की रैंकिंग जारी की जाती है। इससे पूर्व शासन से आने वाली टीम स्वच्छता सर्वेक्षण करती है। इस बार भी स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत केंद्र सरकार की टीम निकायों में साफ सफाई की व्यवस्था को परखेंगे। टीम जनवरी में आएगी। टीम शहर सहित सरकारी शिक्षण संस्थानों में 12 बिंदुओं पर स्वच्छता का सर्वे करेगी। केंद्र सरकार की ओर से भेजे जाने वाली टीम के आगमन की सूचना पर डीएम ने सभी निकायों के ईओ को सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के आदेश दिए हैं।

प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत मिशन के तहत शहर की सफाई व्यवस्था बेहतर करने के लिए किए जाने वाले स्वच्छ सर्वेक्षण में इस बार स्कूलों में भी सफाई और कूड़ा प्रबंधन को परखा जाएगा। स्कूलों में टीम के सदस्य शौचालयों की स्थिति देखेंगे। केंद्र सरकार के अधिकारी देखेंगे कि स्कूलों में स्थापित शौचालय क्रियाशील हैं या नहीं। छात्र-छात्राओं के लिए अलग से शौचालयों की व्यवस्था है अथवा नहीं। साथ ही शौचालयों में सफाई की व्यवस्था की जा रही है या नहीं। स्कूलों परिसर के अंदर गीला, सूखा आदि का निस्तारण करने के लिए क्या व्यवस्था है। स्कूलों में स्वच्छता सर्वेक्षण करने के साथ ही केंद्र सरकार द्वारा भेजी जाने वाली टीम में शामिल अधिकारी शहर में सफाई व्यवस्था के लिए किए गए इंतजाम भी टीम के द्वारा परखा जाएगा।

- जनवरी में आएगी टीम, 12 बिंदुओं पर स्वच्छता का करेगी सर्वे

> स्वच्छता सर्वेक्षण शुरू हो चुका है। जनवरी माह में किसी भी दिन केंद्र सरकार द्वारा भेजे जाने वाली स्वच्छता सर्वेक्षण टीम आ सकती है। स्वच्छ सर्वेक्षण टीम शहरी क्षेत्र में सफाई की जांच करेगी। सभी निकायों के ईओ को बेहतर सफाई रखने के आदेश दिए दिए गए हैं।
> – **अरुण कुमार**, एडीएम प्रशासन

शीतहर | अधिकतम तापमान 23, न्यूनतम 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया

ठंड का सितम जारी, बारिश की संभावना जताई

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : शीतलहर से ठंड और गलन बढ़ गई है। कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार अगले 48 से 72 घंटों तक ठंड और कोहरे से राहत मिलने की उम्मीद न के बराबर है। बारिश होने की संभावना बढ़ गई है। नए साल का आगाज भी कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के बीच होगा। बुधवार के दिन भी शीतलहर परेशान करती रही। इससे लोग कांपने के लिए विवश हो गए। धूप भी नहीं निकली। अधिकतम तापमान 23 और न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सुबह के समय घने कोहरे के कारण दृश्यता बहुत कम रही। जल्द ही मौसम साफ हो गया। बीते सोमवार की तरह ही लोगों को उम्मीद थी कि 11 बजे तक धूप निकलेगी। लेकिन दोपहर व शाम हो गया परंतु सूरज के दर्शन नहीं हुए। जहां अलाव जल रहा था, वहां लोगों को बैठकर आग तापते हुए देखा गया। पछुआ हवा चलने के कारण लोगों को ठंड का अहसास होता रहा। अन्य दिनों की अपेक्षा मंगलवार को सड़कों पर उतनी रौनक नहीं दिखी, गर्म कपड़ों की दुकानों पर लोगों को खरीदारी करते हुए जरूर देखा गया। सुबह की तरह शाम के बाद भी वातावरण में घना कोहरा छा गया। वहीं दिन भर लोग ठंड के कारण ठिठुरते हुए नजर आए। ठंड के चलते लोग घरों से आवश्यक कार्यवश ही बाहर निकले। जिला कृषि अधिकारी मनोज रावत ने बताया कि अगले तीन दिनों तक राहत की उम्मीद कम है। बताया 1 जनवरी के बाद हल्की बूंदाबांदी की संभावना बनी हुई है। बारिश होने के बाद तापमान में और गिरावट आएगी। ठंड के साथ स्मॉग ने भी लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। मंगलवार को बदायूं का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 170 दर्ज किया गया।

रात के समय मुरादाबाद-फर्रुखाबाद मार्ग पर छाया घना कोहरा। • अमृत विचार

सिसरका रेलवे स्टेशन से सेवानिवृत्त हुए पॉइंट्समैन

ओरछी, अमृत विचार : सिसरका रेलवे स्टेशन पर 20 सालों से सेवाएं दे रहे पॉइंट्समैन राम भरोसे बुधवार को सेवानिवृत्त हो गए। उनके सेवानिवृत्ति पर रेलवे स्टेशन पर एक विदाई समारोह का आयोजन किया। जिसमें रेलवे स्टाफ और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने विदाई दी। मूल रूप से चंदौसी के मोहल्ला मौलागढ़ निवासी राम भरोसे वर्ष 2005 से सिसरका स्टेशन पर तैनात थे। लोगों ने राम भरोसे को उपहार भेंट कर सम्मानित किया। सिसरका स्टेशन मास्टर अभिषेक दत्त गौर, आसफपुर के स्टेशन मास्टर शकील अहमद, चंदौसी के उप स्टेशन मास्टर ललित कुमार, भोला शंकर, रामकुमार, अमित कुमार, नूर हसन आदि मौजूद रहे।

परीक्षार्थियों के लिए बनेगी हेल्पलाइन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : यूपी बोर्ड परीक्षा की तैयारी चल रही है। परीक्षार्थी भी अच्छे अंक प्राप्त करने को लेकर तैयारी रहे हैं। इस दौरान उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। परीक्षार्थियों की परीक्षा से जुड़ी इन्हीं समस्याओं का समाधान करने के लिए माध्यमिक शिक्षा परिषद ने पहल शुरू की है। परीक्षा का तनाव कम करने के उद्देश्य से शीघ्र ही विशेष हेल्प डेस्क शुरू की जाएगी। इसके लिए टोल फ्री फ्री नंबर भी जारी किया जाएगा। जिस पर परीक्षा अपनी समस्या का समाधान पा सकते हैं।

हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा आगामी फरवरी माह की 18 तारीख से शुरू होगी। बोर्ड परीक्षा में 67945 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इनमें हाईस्कूल के 37369 और इंटरमीडिएट के 30576 परीक्षार्थी शामिल हैं। परीक्षा शुरू होने में अधिक समय न होने पर परीक्षार्थी तैयारी जुटे हुए हैं। परीक्षा की तैयारी में जुटे परीक्षार्थियों को पढ़ाई से जुड़ी समस्याओं के समाधान और परीक्षा तनाव कम करने के लिए विशेष हेल्प डेस्क जनवरी के दूसरे सप्ताह से शुरू की जाएगी। इसके लिए माध्यमिक शिक्षा परिषद के द्वारा टोल फ्री नंबर भी जारी किया जाएगा। जारी होने वाले टोल फ्री नंबर पर छात्र अपनी शंकाएं दर्ज करा सकेंगे। हेल्प डेस्क पर विषय विशेषज्ञ शिक्षक तैनात रहेंगे, जो छात्रों को पाठ्यक्रम की जानकारी, प्रश्नपत्र के पैटर्न, अंक विभाजन, उत्तर लिखने की तकनीक और समय प्रबंधन से जुड़े जरूरी सुझाव देंगे। परीक्षार्थी सीधे विशेषज्ञों से संपर्क कर अपनी शैक्षणिक समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकेंगे। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य अल्पना कुमार ने बताया कि परीक्षा से पहले सही रणनीति और आत्मविश्वास सफलता की कुंजी होती है। हेल्प डेस्क के माध्यम से विद्यार्थियों को सीमित समय में बेहतर तैयारी के व्यावहारिक उपाय बताए जाएंगे।

- यूपी बोर्ड: परीक्षार्थी टोल फ्री नंबर पर अपनी शंकाएं करा सकेंगे दर्ज

> माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से टोल फ्री नंबर जारी किया जाएगा। साथ ही हेल्प डेस्क बनाई जाएगी। इस पहल का उद्देश्य परीक्षा की तैयार कर परीक्षार्थियों को छोटी से छोटी शंका का समाधान होगा। इससे वह बिना मानसिक दबाव के परीक्षा में शामिल हो सकें।
> – **लालजी यादव**, जिला विद्यालय निरीक्षक

न्यूज ब्रीफ

दौरी गांव में कपड़ों की दुकान से लाखों की चोरी, एफआईआर

बदायूं, अमृत विचार : चोरों ने सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र के गांव रसूलपुर में गांव दौरी निवासी सुखवीर की रेडीमेड कपड़ों की दुकान से चोरी की। सुबह घटना की जानकारी होने पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पीड़ित ने बताया कि मंगलवार रात वह दुकान बंद करके घर चले गए थे। रात में चोरों ने दुकान का ताला तोड़ा। सुखवीर के अनुसार चोर दो लाख रुपये के कपड़े और 16 हजार रुपये चोरी करके ले गए। सुबह चोरी की जानकारी हुई। वहीं चोरों ने इसी गांव के ईश्वरी प्रसाद की परचून की दुकान से 13 हजार रुपये और लगभग एक लाख रुपये का सामान चोरी किया। तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

टिकट को लेकर सपा नेता ने की प्रेस वार्ता

उझानी, अमृत विचार : नगर उझानी के किला खेड़ा निवासी सपा नेता सुरेश पाल सिंह तोमर ने बुधवार को प्रेस वार्ता की। कहा कि वह हर सुख दुख में लोगों के साथ खड़े हैं। लोगों की समस्या के लिए हमेशा तैयार थे और आगे भी रहेंगे। बिल्सी विधानसभा क्षेत्र ठाकुर बाहुल्य क्षेत्र है। क्षेत्र के लोगों का उन्हें सपोर्ट है। उन्होंने सपा से टिकट मिलने का भरोसा जताया है। कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष से टिकट के बाबत बात चल रही है। वह आजमगढ़ सांसद धर्मेंद्र यादव के करीबी माने जाते हैं। उन्होंने बताया कि वह पहले भी विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं।

गोदी नगला में भगवान बुद्ध की कथा आज

बिल्सी, अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के गांव गोदी नगला में एक जनवरी से भगवान बुद्ध की तीन दिवसीय कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा में कथावाचक रीना शाक्य भगवान बुद्ध के जीवन और उनके उपदेशों पर प्रवचन देंगी। डॉ. बीपी मौर्य ने बताया कि कथा आयोजन का उद्देश्य समाज में शांति, सद्भाव और नैतिक मूल्यों का प्रसार करना है। कार्यक्रम को लेकर गांव में तैयारियां पूरी कर ली गई है। उन्होंने क्षेत्र के श्रद्धालुओं से कथा में शामिल होकर धर्म लाभ लेने की अपील की गई है।

सड़क हादसों में दो लोगों की मौत, एक घायल

केडीएच स्कूल के पास टाटा मैजिक व उसावां में ट्रक ने मारी टक्कर

संवाददाता, ओरछी/उसावां

अमृत विचार : सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

वजीरगंज थाना क्षेत्र के गांव बैहटरा निवासी किशन पाल पुत्र महेंद्र पाल अपने दोस्त सत्यम पुत्र दुर्गपाल के साथ बाइक से चंदौसी की ओर से अपने गांव वापस जा रहे थे। मुड़िया धुरेकी स्थित केडीएच स्कूल के पास पहुंचे। सामने से आए टाटा मैजिक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

बाइक सवार दोनों युवक सड़क पर जा गिरे। किशन पाल की मौके पर ही मौत हो गई और सत्यम गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने तुरंत एम्बुलेंस बुलाकर घायल को इलाज के लिए भेजा। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दी। परिवार में कोहराम मच गया। थानाध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। टाटा मैजिक को थाने पर खड़ा कराकर आगे की जांच शुरू कर दी है।

हादसे के बाद घटनास्थल पर लगी भीड़। ● अमृत विचार

वहीं थाना उसावां क्षेत्र में एक मजदूर की मौत हो गई। गांव करौरी सैदपुर निवासी नन्हें पुत्र लटूरी मजदूरी करके बाइक से वापस लौट रहे थे। तेज रफ्तार ट्रक ने मजदूर को कुचल दिया। चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। मृतक के परिजनों को सूचना देकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त बाइक।

ईसीसीई एजुकेटर की शुरू हुई प्रक्रिया कराई काउंसलिंग

बदायूं, अमृत विचार: परिषदीय विद्यालयों में संचालित को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों एवं चयनित विद्यालयों में ईसीसीई एजुकेटर की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की काउंसलिंग कराई गई। काउंसलिंग कराने के लिए 211 अभ्यर्थी पहुंचे। उनके अभिलेख जांचे गए। काउंसलिंग प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद मेरिट सूची तैयार की जाएगी, जिसके आधार पर चयन किया जाएगा।

जिले के परिषदीय विद्यालयों में संचालित को-लोकेटेड 179 आंगनबाड़ी केंद्रों ईसीसीई एजुकेटर की नियुक्ति की जानी है। इन पदों पर तीन सौ से अधिक अभ्यर्थियों ने सेवायोजन पोर्टल के माध्यम से आवेदन किया है। अब उनकी नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की गई है। मंगलवार को डायट में काउंसलिंग कराई गई। काउंसलिंग प्रक्रिया में 211 अभ्यर्थियों ने काउंसलिंग कराई। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा अभ्यर्थियों के शैक्षिक अभिलेखों का सत्यापन किया गया। बीएसए कार्यालय के अनुसार काउंसलिंग प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद मेरिट सूची तैयार की जाएगी, जिसके आधार पर चयन किया जाएगा।

खुले में मांस बिक्री करने वालों को रोड से हटाया

मांस की बिक्री कर रहे लोगों को हटाते पालिका के कर्मचारी।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: कस्बा उझानी के कछला रोड स्थित लंबे से नियमों के विपरीत मांस मछली की बिक्री हो रही है। खुले में मांस मछली की बिक्री होने के चलते लोगों को दिक्कतों होती है। मंगलवार को नगर पालिका कर्मचारियों ने कछला रोड पहुंचकर खुले में मांस मछली की बिक्री कर रहे लोगों को वहां से हटा दिया। साथ ही दोबारा खुले में बिक्री न करने की हिदायत दी।

उझानी के कछला रोड स्थित लंबे से नियमों के विपरीत मांस मछली की बिक्री की शिकायत पशु प्रेमी प्रखर अग्रवाल ने नगर पालिका प्रशासन की, लेकिन शिकायत को अनसुना कर दिया। इसके बाद पशु प्रेमी ने पूर्व सांसद मेनका गांधी को समस्या से अवगत कराया। इसके बाद मेनका गंधी ने नगर पालिका अध्यक्ष को फोन कर खुले में बिक रहे मांस मछली की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने को कहा। इसके बाद नगर पालिका कर्मचारी तुरंत एक्शन आते हुए पुलिस फोर्स के साथ कछला रोड पहुंच गए। नगर पालिका के सफाई व खाद्य निरीक्षक हरीश कुमार त्यागी व लिपिक राजकुमार गुप्ता ने सड़क पर खुलेआम मांस मछली बेच रहे लोगों से दुकानें हटाना शुरू कर दीं। जिससे वहां अफरा तफरी का माहौल बन गया। कर्मचारियों ने दोबारा से खुले में मांस मछली की बिक्री न करने की चेतावनी दी।

व्यापारियों ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल

बिल्सी, अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के ग्राम दिधौनी स्थित पदमांचल जैन मंदिर में गल्ला व्यापारी मनोज जैन व अन्य व्यापारियों की ओर से कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कड़ाके की ठंड को देखते हुए कार्यक्रम में 100 असहाय एवं जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए गए। उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम में गरीब व असहाय लोगों की मदद करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से यह पहल की गई है। इस मौके पर भाजपा नगराध्यक्ष आदित्य माहेश्वरी, मृगांक जैन, ट्री मैन प्रशांत जैन, संजीव माहेश्वरी, गौरव वार्ष्णेय, संजीव राणा, डॉ. नीरज अग्निहोत्री, देव ठाकुर, सूरज सागर आदि मौजूद रहे।

जरूरतमंदों को कंबल बांटते मनोज जैन।

रिजोला गांव में निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित

संवाददाता, उसहैत

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजपाल कश्यप ने दातागंज विधानसभा क्षेत्र के गांव रिजोला में वेदप्रकाश शर्मा द्वारा आयोजित निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आरंभ किया।

सपा के पूर्व मंत्री एमएलसी राजपाल कश्यप ने जिले की स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि बदायूं के व्यक्ति को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए बरेली, सैफई, अलीगढ़ या दिल्ली जाना पड़ता है, जबकि यहां मेडिकल कॉलेज की चिकित्सा व्यवस्था चरमरा गई है। उन्होंने छुट्टा पशुओं को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इतनी कड़ाके की सर्दी में किसान खेतों में लेटने को मजबूर है। सरकार छुट्टा पशुओं का कोई स्थाई समाधान नहीं निकाल पा रही है। सपा जिलाध्यक्ष आशीष यादव ने कहा कि इस सरकार में सपा सरकार में बने मेडिकल कॉलेज में दवाएं भी नहीं हैं जिससे जिले भर के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस मौके पर आंवला सांसद नीरज मौर्य, सुनीता पाल, दातागंज विधानसभा अध्यक्ष सतीश यादव, शेखुपुर विधानसभा अध्यक्ष अशोक यादव, आकाश गौतम, रामवीर सिंह, सूरजपाल आदि लोग उपस्थित रहे।

कीर्तन मंडली को किया सम्मानित भक्तिमय हुआ बालाजी धाम

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : नगर के मोहल्ला संख्या पांच स्थित नवदुर्गा मंदिर की ओर से निकलने वाली प्रभात फेरी कीर्तन मंडली नगर में भ्रमण करते हुए बुधवार को सिद्धपीठ श्री बालाजी धाम पहुंची। यहां कीर्तन मंडली ने भगवान के भजन-कीर्तन प्रस्तुत किए, जिससे दरबार का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। भजनों पर श्रद्धालु भगवान के जयकारों के साथ झूमते नजर आए। भजन-कीर्तन के उपरांत सिद्ध पीठ श्री बालाजी धाम के महंत मटरूमल शर्मा एवं संजीव शर्मा ने कीर्तन मंडली में शामिल सभी सदस्यों को गर्म शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इसके साथ ही दरबार में मौजूद बच्चों सहित सभी श्रद्धालुओं को गर्म कपड़ों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के समापन पर प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर कीर्तन मंडली में अध्यक्ष सतपाल सिंह ठाकुर, विनेश चंद्र सूर्यवंशी, श्रीपाल, गजेंद्र सूर्यवंशी, उमेश चंद्र सूर्यवंशी, नत्थूलाल आर्य, गोवर्धन यादव, धर्मपाल पंडित, पप्पू लाइनमैन, धर्मपाल, नेमचंद, शिवम आदि मौजूद रहे।

शॉल ओढ़ाकर सम्मानित करते मटरूमल शर्मा। ● अमृत विचार

पूर्वोत्तर रेलवे सूचना संख्या 239/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित रेलगाड़ी की संचलन अवधि में विस्तार किया जा रहा है, जिसका संचलन निम्नवत् किया जाएगा:—

05062/05061 टनकपुर-अछनेरा जं.-टनकपुर विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 05062 टनकपुर से और **गाड़ी सं. 05061 अछनेरा जं.** से दिनांक 01.01.2026 से 27.02.2026 तक (बुधवार एवं शनिवार छोड़कर)

गाड़ी सं. 05062 टनकपुर–अछनेरा जं.		↓ स्टेशन ↑	गाड़ी सं. 05061 अछनेरा जं.–टनकपुर	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	**04:10**	**टनकपुर**	**23:45**	--
04:35	04:37	खटीमा	23:03	23:05
05:06	05:08	पीलीभीत जं.	22:21	22:23
05:40	05:42	भोजीपुरा जं.	21:31	21:33
06:01	06:03	इज्जतनगर	21:14	21:16
06:17	06:22	बरेली सिटी	20:50	20:55
06:35	06:37	बरेली जं.	20:33	20:35
07:14	07:16	बदायूँ	19:35	19:37
07:27	07:29	उझानी	19:18	19:20
07:58	08:00	सोरों शूकर क्षेत्र	18:36	18:38
08:30	08:40	कासगंज जं.	18:10	18:20
09:04	09:06	सिकन्दरा राव	17:42	17:44
09:50	09:55	हाथरस सिटी	17:17	17:19
10:40	10:42	मथुरा छावनी	16:45	16:47
10:55	11:00	मथुरा जं.	16:25	16:35
12:20	--	**अछनेरा जं.**	--	**15:30**

मुजाधि/टी–93 मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक, गोरखपुर

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थों को लेकर यात्रा न करें

कासगंज-काशीपुर ट्रेन दोबारा चलाने की मांग

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- बरेली कासगंज के बीच छात्रों का आवागमन बंद होने से दिक्कत
- छात्रों ने रेलवे प्रशासन से की जल्द ट्रेन के संचालन की मांग

अमृत विचार : सुबह बदायूं रेलवे स्टेशन से साढ़े 7 बजे बरेली के लिए चलने वाली ट्रेन बंद होने से छात्रों को भारी परेशानी हो रही है। वहीं कुछ नौकरी पेशा लोगों को भी दिक्कत हो रही है। वह लोग बसों से महंगा किराया देकर बरेली पहुंच रहे हैं। इससे उन्हें समय और धन की बर्बादी करनी पड़ रही है। लोगों ने मांग की है कि ट्रेन को फिर से चलाया जाए।

इज्जतनगर रेलवे प्रशासन ने सुबह को कासगंज से बरेली के बीच चलने वाली ट्रेन को 24 दिसंबर से बंद कर दिया है। ट्रेन के बंद होने से अब दैनिक यात्रियों को भारी परेशानी हो रही है। कासगंज से चल कर ट्रेन सुबह साढ़े 7 बजे बदायूं पहुंचती थी। यहां से चलकर करीब 9 बजे ट्रेन बरेली पहुंचती थी। इसे सैकड़ों छात्र बरेली पढ़ने जाते आते थे। इसी तरह नौकरी करने वाले एवं अन्य काम करने वाले सैकड़ों लोग सुबह को इस ट्रेन से बरेली जाते थे। इसी तरह कासगंज की ओर से आने वाले सैकड़ों लोग बदायूं से बरेली को आते जाते थे। अब ट्रेन को बंद कर दिया गया है जिससे छात्रों सहित अन्य वर्ग को भारी दिक्कत हो रही है। बुधवार को रेलवे स्टेशन पर कुछ छात्रों ने बताया कि सुबह की ट्रेन बंद होने से उन्हें भारी दिक्कत हो रही है। वह लोग रेलवे प्रशासन से मांग करते हैं कि ट्रेन को फिर से एक जनवरी से शुरू किया जाए।

इससे उनकी पढ़ाई पर प्रतिकूल असर न पड़े, जबकि रेलवे प्रशासन का कहना है कि यह निर्णय बरेली इज्जत नगर प्रशासन द्वारा लिया गया है।

सुबह को बरेली जाने वाली ट्रेन बंद होने से अब रोडवेज बस का सहारा लेना पड़ रहा है। जिससे अधिक किराया और समय खर्च करना पड़ रहा है। परिवार के लोग अधिक पैसे नहीं देते हैं। अब परेशानी हो रही है। – **सुमित**, छात्र

बदायूं व पीछे से सैकड़ों छात्र व अन्य लोग प्रतिदिन बरेली को आते जाते हैं। सुबह की ट्रेन से वह लोग आराम से समय से कॉलेज पहुंच जाते थे, लेकिन अब ट्रेन बंद हो गई है। इससे परेशानी होने लगी है। – **पंकज**, छात्र

रेलवे प्रशासन का यह निर्णय जनहित में नहीं है। ट्रेन को बंद करने से रेलवे को भारी नुकसान हो रहा है साथ ही जिले के लोगों के साथ धोखा किया गया है। यहां पर वेसे भी गिनी चुनी ट्रेनें हैं। इनमें से एक को बंद कर दिया गया। – **हिमांशु**, छात्र

केंद्र सरकार को इस लाइन पर लंबी दूरी की ट्रेनें चलानी चाहिए जिससे छात्रों व्यापारियों नौकरी पेशा लोगों को सुविधा हो। अब तो सुबह की ट्रेन ही बंद कर दी गई है जिससे परेशानी और अधिक बढ़ गयी है। – **नितिन**, छात्र

कबाड़ी निकला अफीम तस्कर, साथी समेत गिरफ्तार

बरेली, अमृत विचार : बदायूं का रहने वाला कबाड़ी अपने साथी तस्कर के साथ कबाड़ की आड़ में मादक पदार्थों की तस्करी कर रहा था। उसका नेटवर्क पंजाब से लेकर अन्य राज्यों तक फैला था। भमोरा क्षेत्र में पुलिस और एएनटीएफ की संयुक्त टीम ने उसे और उसके साथी को साढ़े तीन किलो अफीम के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान मोहल्ला बड़ा दरवाजा नई सराय बदायूं निवासी फैसल खान उर्फ अर्शी और आलिम के रूप में हुई।

एएनटीएफ ने पुलिस के साथ भमोरा क्षेत्र स्थित मकरंदपुर में दोनों को गिरफ्तार किया है। दोनों के कब्जे से साढे.तीन किलो अफीम, तीन मोबाइल और 3650 रुपये नकदी बरामद की है। पूछताछ में फैसल ने बताया कि वह बदायूं में कबाड़ की दुकान चलाता है। ज्ञान सिंह स्कूटी से आकर उसे दुकान पर अफीम दे गया था। अफीम पंजाब की पार्टी को देने के लिए दोनों निकले थे कि रास्ते में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बरामद अफीम की अंतर्राष्ट्रीय कीमत करीब 35 लाख रुपये बताई जा रही है। फरार आरोपी ज्ञान की तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बीसलपुर जिला पीलीभीत

पत्रांक: 396/न.पा.परि.बी./2025-26 दिनांक: 24.12.2025

प्रस्ताव आमंत्रण सूचना

राज्य मिशन निदेशक (एस.बी.एम.), राज्य मिशन निदेशालय उ.प्र., सेक्टर- 7 गोमती नगर विस्तार लखनऊ के पत्र संख्या- पी.एम.यू./681/572/SBM/2.0/2023 दिनांक 14.10.2025 के अनुपालन में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के अन्तर्गत अमरा करोड रोड, शाहजहांपुर रोड, घटगवां रोड तहसील बीसलपुर में स्थित लीगेसी वेस्ट का बायो रेमेडीएशन विधि से निस्तारण हेतु इम्पैनल्ड डी.पी.आर. कन्सलटेंसी सर्विसेज से कार्य का डी.पी.आर. तैयार किए जाने की सूचना प्रकाशन होने की तिथि से 15 दिवस के अन्दर अपना प्रस्ताव स्वयं / पंजीकृत डाक अथवा निकाय के ई-मेल nppbisalpur262201@gmail.com पर किसी कार्यालय दिवस में प्रेषित कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के उपरान्त किसी भी प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जायेगा।

शमशेर सिंह
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
बीसलपुर (पीलीभीत)

शशि जायसवाल
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
बीसलपुर (पीलीभीत)

आपातकालीन स्थिति में घबराएं नहीं

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

प्रशिक्षित करते संगठन के पूर्व जिला ट्रेनिंग कमिश्नर संजीव कुमार शर्मा।

- कैप्टन गजराज सिंह इंटर कॉलेज में दी जा रही तीन दिवसीय स्काउट एवं गाइड ट्रेनिंग

अमृत विचार : भारत स्काउट एवं गाइड संस्था की ओर से बुटला बोर्ड स्थित कैप्टन गजराज सिंह इंटर कॉलेज में तीन शिविर में ट्रेनिंग दी जा रही है। दूसरे दिन बुधवार को अनुशासन, सेवा, साहस और राष्ट्रभक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह से ही स्कूली प्रांगण स्काउट-गाइड के नारों, प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन और विभिन्न गतिविधियों से गूंज उठा। युवा प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ प्राथमिक चिकित्सा, गांठ व बंधन, तंबू निर्माण, गैजेट्स निर्माण, आपदा प्रबंधन और मॉक ड्रिल की ट्रेनिंग ली।

पूर्व जिला ट्रेनिंग कमिश्नर संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि आपातकालीन हालत में घबराहट सबसे बड़ा शत्रु है। युवा संकट की घड़ी में धैर्य रखें, जल्दबाजी में निर्णय न लें और उपलब्ध संसाधनों का समझदारी से प्रयोग करें। सायरन बजने पर घर में रहें, मोबाइल पूरा चार्ज रखें, लाइट बंद रखें और अफवाहों से बचें। सिर्फ आधिकारिक सूचना पर भरोसा करें। उन्होंने मॉक ड्रिल को सुरक्षा का अनिवार्य हिस्सा बताते हुए कहा कि बार-बार किया गया अभ्यास ही वास्तविक आपदा में जीवन बचाता है। प्रबंधक अमरदीप सिंह ने कहा कि स्काउटिंग जीवन में अनुशासन, सहनशीलता और कठिन परिस्थितियों में खुद को सक्षम बनाए रखने की कला सिखाती है। कहा कि स्काउट–गाइड वह शक्ति हैं जो कम संसाधनों में भी सुव्यवस्थित जीवन जीने की कला सीखते हैं और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाते हैं। ट्रेनिंग के दौरान आग में फंसे लोगों को निकालने, डूबते व्यक्तियों को बचाने, टेंट निर्माण, भोजन तैयारी और डॉक्टरी गांठ, रीफ नॉट, शीट बेंड, फिशरमैन नॉट, चेयर नॉट आदि गांठों को लगाने की ट्रेनिंग दी गई। प्रधानाचार्य दिलीप कुमार सिंह ने निर्देश दिए। वरिष्ठ शिक्षक तेजवीर सिंह और कैफ के नेतृत्व में युद्धकालीन आपदा प्रबंधन से संबंधित मॉक ड्रिल का अभ्यास किया। सीमा सक्सेना, आकांक्षा राठौर, संदीप कुमार, सुशांत कुमार, प्रिंस पटेल, कनुप्रिया, शीतल चौहान, रश्मि सीमा गुप्ता, अनम, स्वाति चौहान, विनीता, अंशु, मनोज कुमार, विनीत, सिद्धार्थ, कामिनी, अमित कुमार, गुड़िया, वर्षा, आदित्य चौधरी आदि मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त हुए एआरटीओ अधिकारियों ने दी विदाई

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : एआरटीओ बुधवार को सेवानिवृत्त हो गए। बुधवार को उनका विदाई समारोह आयोजित किया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें विदाई दी।

एआरटीओ रामवचन गुप्ता 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हो गए हैं। कार्यालय में उनका विदाई समारोह आयोजित किया गया। डीटीसी कमल किशोर गुप्ता, आरटीओ प्रवर्तन प्रणव झा, एआरटीओ प्रशासन पंकज सिंह, पीटीओ रमेश प्रजापति रमेश प्रजापति, एआरटीओ बदायूं अंबरीश कुमार, पीटीओ अभिनव समेत कार्यालय के कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त एआरटीओ को माला पहनाई। कहा कि हंसमुख सेवानिवृत्त एआरटीओ का जाना सभी के लिए यादगार रहेगा। अधिकारियों ने कहा कि यह एक प्रक्रिया है। रामवचन का कार्यकाल हमेशा याद रहेगा।

रामवचन को विदाई देते एआरटीओ प्रवर्तन।

वहीं रिजर्व पुलिस लाइन में एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह ने सेवानिवृत्त सीओ कर्मवीर सिंह, निरीक्षक गोपनीय विजय सिंह, निरीक्षक परिवहन रामविलास पांडेय, उपनिरीक्षक दिनेश कुमार, सोवीर सिंह, अनुचर वीरेंद्र शुक्ला सफाईकर्मी राकेश कुमार को शॉल ओढ़ाकर और पुष्प व प्रशस्ति पत्र देकर विदाई दी। उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान एसपी सिटी विजयेंद्र द्विवेदी, एसपी देहात डॉ. ह्रदेश कठेरिया आदि उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद पुवायां जनपद शाहजहांपुर

पत्रांक: 572/न.पा.प.-पु./एस.बी.एम. पी.टी.यू./ई-टेण्डर/2025-26 दिनांक: 31.12.2025

ई-निविदा सूचना

अद्योहस्ताक्षरी के द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत स्वायत्त निकाय/पब्लिक सेक्टर विभाग/ राज्य सरकार / केन्द्र सरकार/ अन्य सरकारी में 'ए''बी''सी' एवं 'डी' श्रेणी में कार्य की लागत की सीमा के अनुयप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्यो हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यो के लिए ई-निविदा दे सकता है।

क्र.	जनपद	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	बिड सिक्योरिटी ई.एम.डी.	निविदा मूल्य+18 प्रतिशत जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
1.	शाहजहांपुर	मो. काशीराम नगर मा. काशीराम कालोनी जेवां रोड पर 5 सीट पब्लिक टायलेट का निर्माण कार्य।	865367.00	73336.00	865.00	1 माह
2.	शाहजहांपुर	मो. रामनगर में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 5 सीट पब्लिक टायलेट का निर्माण कार्य।	862281.00	73075.00	862.00	1 माह
3.	शाहजहांपुर	मो. रामनगर में तहसील परिसर में 5 सीट पब्लिक टायलेट का निर्माण कार्य।	775870.75	65752.00	776.00	1 माह
4.	शाहजहांपुर	मो. कमलबाग में नगर पालिका रोड पर यूरिनल का निर्माण कार्य।	210137.00	17808.00	210.00	1 माह
5.	शाहजहांपुर	मो. राजीव नगर में निगोही रोड पर तालाब के निकट यूरिनल का निर्माण कार्य।	227689.00	19296.00	228.00	1 माह

2. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि 12.01.2026 को प्रात: 10:00 बजे से।
3. ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय 21.01.2026 को अपराहन् 05:00 बजे तक।
4. ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 22.01.2026 को अपराहन 11:00 बजे पूर्वाहन से कार्य समाप्ति तक।
5. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी सम्भावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें। अधिक जानकारी के लिए तथा निविदा की शर्तो/नियमों आदि की विस्तृत जानकारी के लिए कृपया वेबसाइड http//etender.up.nic.in पर लॉगइन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को अपलोड करें।

कल्पना शर्मा
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, पुवायां शाहजहांपुर

संजय गुप्ता
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, पुवायां, शाहजहांपुर

भगवान का कोई धर्म नहीं है।
–राष्ट्रपिता महात्मा गांधी

चौथी अर्थव्यवस्था का अर्थ

साल के आखिरी दिन यह खबर अत्यंत उत्साहवर्धक रही कि हम साल बीतने से पहले जापान की 368 लाख करोड़ की जीडीपी को पीछे छोड़ 376 लाख करोड़ वाली विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बने और सरकार को उम्मीद है कि अगले तीन साल के भीतर हम जर्मनी की अर्थव्यवस्था को पछाड़ कर अमेरिका और चीन के बाद दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। सरकार की तरफ से जारी एक आधिकारिक बयान में यह भी जानकारी दी गई कि महंगाई दर जो पहले चार से ऊपर थी घट कर एक फीसद से भी नीचे आ गई है और बेरोजगारी दर में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है। देश की जीडीपी की विकास दर भी खासी ऊंची है। महंगाई बेहद कम, लोगों को काम और जीडीपी बढ़त पर, विदेशी मुद्रा भंडार भी भरा हुआ, यानी दौर वाकई 'गोल्डिलॉक्स पीरियड' है।

ये सरकारी दावे नये साल की शुरुआत करने के लिए शानदार उत्प्रेरक की तरह काम कर सकते हैं, साथ ही अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियों ने इस बात को दोहराया है कि भारत की विकास दर आगे भी सात फीसदी से ज्यादा रहने से वह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। यानी इस साल हम इस दिशा में कुछ और नए प्रतिमान स्थापित करेंगे। यह ठीक है कि जापान लंबे समय से जनसंख्या घटने, कमजोर घरेलू मांग और कर्ज के बोझ तले है। जर्मनी की अर्थव्यवस्था भी ऊर्जा संकट, औद्योगिक सुस्ती और यूरोप की समग्र मंदी के कारण लगभग ठहराव की स्थिति में है, सो हमारी रैंकिंग में परोक्षतः दूसरों का भी हाथ है। एक महत्वपूर्ण पहलू भी गौरतलब है, बड़ी अर्थव्यवस्था अधिकतर आम लोगों के बेहतर जीवन की गारंटी नहीं है। अच्छी सड़कें, आधुनिक परिवहन, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं, मुफ्त व प्रभावी शिक्षा, भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन, अपराध नियंत्रण और प्रदूषण से राहत- ये सब केवल जीडीपी के आकार से नहीं, बल्कि नीतिगत प्राथमिकताओं से तय होते हैं। प्रति व्यक्ति आय का अंतर इसे साफ दर्शाता है। भारत की प्रति व्यक्ति आय लगभग दो लाख रुपये सालाना मान भी लें, तो जापान की प्रति व्यक्ति आय औसतन 40 लाख प्रतिवर्ष है, जर्मनी, अमेरिका में इससे भी अधिक है। यानी भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ेगी पर आम भारतीय विकसित देशों से पीछे रहेगा। मानव विकास सूचकांक में भारत अभी मध्यम श्रेणी में है, जबकि अमेरिका, जर्मनी और जापान शीर्ष पायदानों में हैं और चीन भी भारत से ऊपर है। स्पष्ट है कि आर्थिक रैंकिंग और मानव विकास रैंकिंग में सीधा संबंध नहीं होता।

कुल मिलाकर बड़ी अर्थव्यवस्था का असली अर्थ है, जन कल्याण के लिए अधिक संसाधन। यदि ये संसाधन शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और प्रदूषण नियंत्रण में नहीं लगे, तो आंकड़ों की चमक आम आदमी तक नहीं पहुंचेगी। यह बदलाव केवल जीडीपी का नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन में क्रांतिकारी सुधार का प्रतीक बने, इसके लिए विकास को समावेशी, रोजगार-प्रधान और मानव-केंद्रित बनाना होगा। तभी 'चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था' एक वास्तविक उपलब्धि कहलाएगी, न कि सिर्फ एक सांख्यिकीय मील का पत्थर।

देश के लिए अच्छे नहीं हैं मौसम के संकेत

अमित शर्मा
हल्द्वानी

हर साल मौसम में हो रहा बड़ा वैश्विक बदलाव देश और खासकर उत्तराखंड जैसे हिमालयी राज्य के जल, जीवन और जंगल के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। पढ़ने में ये शब्द भले ही अब सामान्य बातें लगती हों, लेकिन यह सब हमारी-आपकी जिंदगी से जुड़ा अहम विषय है। प्रकृति हमें चेता रही है, लेकिन हम बहुत लापरवाही से सोच-समझकर भी नजरंदाज कर रहे हैं और यही बेहद चिंता का विषय है। शीतकालीन मौसम की वर्षा और बर्फबारी में कमी की सीधी मार हिमालय के ग्लेशियरों पर पड़नी है। जीव-जंतु बढ़ते तापमान को सह नहीं पाएंगे और कृषि क्षेत्र का बड़ा हिस्सा सूखे मौसम को झेल नहीं सकेगा। बदलाव इसी तरह से जारी रहा, तो बढ़ते वैश्विक ताप से उत्तर भारत समेत नेपाल व भूटान जैसे देशों की जलापूर्ति भंग हो सकती है।

दरअसल, मौसम के लिहाज से हिमालयी क्षेत्र सर्वाधिक संवेदनशील माने जाते हैं और जलवायु परिवर्तन की बड़ी मार हिमालयी राज्यों को ही सर्वाधिक झेलनी पड़ रही है, जिस कारण यहां के मौसम में मैदानी क्षेत्रों की तुलना में बहुत तेजी के साथ बदलाव आ रहा है और सूखे की स्थिति और भी अधिक खतरनाक है, जो नमी को सोख लेता है और तापमान बढ़ने से बर्फीले ग्लेशियरों को पिघलाने में मददगार साबित होता है। उत्तर भारत समेत भूटान, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल की जलापूर्ति का मुख्य स्रोत हिमालय है और ग्लेशियरों के पिघलने से इन देशों की जलापूर्ति में व्यवधान आ सकता है।

उत्तर भारत समेत भूटान, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल की जलापूर्ति का मुख्य स्रोत हिमालय है और ग्लेशियरों के पिघलने से इन देशों की जलापूर्ति में व्यवधान आ सकता है।

जलापूर्ति में व्यवधान का मतलब है कि कई अन्य मायनों में भी नुकसान उठाने होंगे, जिनमें बड़ा क्षेत्र कृषि का होगा। तापमान बढ़ने से कम तापमान में जीवित रहने वाली पैदावार प्रभावित होगी। सेब जैसा फल इसका प्रमुख उदाहरण है, जो अब अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों को पलायन करने लगा है। इसी क्रम में वनस्पतियां प्रभावित होंगी और जीव-जंतुओं का पलायन भी बढ़ जाएगा। मौसम का चक्र यानी हमारा ईको सिस्टम ही गड़बड़ा जाएगा। शीतकाल के दिनों में अंतर आ जाएगा, जो सिकुड़ने लगेंगे। बसंत जैसी ऋतु में तापमान में वृद्धि हो जाएगी, जिसका मतलब है कि बसंत ऋतु सिर्फ नाम की रह जाएगी। रबी की फसलें प्रभावित होंगी। वर्षा आधारित उपज में अधिक कमी आने लगेगी।

मौसम बदलना भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं, जो पर्यावरण और मौसम से जुड़े विशेषज्ञों को चिंता में डाल रहा है, हालांकि यह स्थिति बहुत जल्द आने वाली नहीं है, लेकिन बहुत दूरगामी भी नहीं है। मौसम में जितना असर सौ सालों में नहीं आया है, उससे कई गुना असर पिछले ढाई दशकों में देखने को मिला है। इधर, पश्चिमी विक्षोभों का उत्तराखंड में असर बेहद कमजोर हो चला है। यह जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश तक असर डाल रहे हैं, जिस कारण चरम मौसम (एक्स्ट्रीम वेदर) की परिस्थितियां बदलने लगेंगी।

इस गंभीर विषय पर नैनीताल स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वायुमंडलीय निदेशक डॉ. मनीष नाजा कहते हैं कि ग्लोबल वार्मिंग जलवायु में बदलाव का बड़ा कारण है, जो हमारे मौसम में बदलाव ला रहा है। गर्म मौसम से ग्लेशियर तेजी से पिघलेंगे और इसका बड़ा प्रभाव उत्तर भारत समेत कई अन्य देशों की जलापूर्ति प्रभावित होगी। कृषि क्षेत्र प्रभावित होगा और वनस्पतियां भी इसके प्रभाव से अछूती नहीं रहेंगी। ठंडी जलवायु पर आश्रित जीव-जंतुओं को कम जलवायु की ओर रवानगी होगी, तो वहीं कई प्रजातियों का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा।

यह वास्तव में बड़ी चिंता का विषय है। लिहाजा पर्यावरण को लेकर समय रहते हम सभी को सजग रहने की सख्त जरूरत है। जिला कृषि अधिकारी ऋतु टम्टा कहती हैं कि इस बार शीतकालीन बारिश समय पर नहीं हुई, तो वर्षा पर निर्भर रबी की फसलों को नुकसान पहुंचने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। गत वर्ष भी शीतकाल सूखे के साथ कटा था और इस बार भी सूखे की आशंका को ध्यान में रखकर कृषि बीमा की योजना निर्धारित है। मौसम में बदलाव अथवा प्रभाव के चलते फसलों को भी उसी तरह से उगाने को लेकर किसानों को परामर्श दिए जा रहे हैं।

एरीज के वरिष्ठ पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह भी कहते हैं कि मौसम की सटीक भविष्यवाणी कर पाना अब आसान नहीं रह गया है। ऋतुओं का समय शिफ्ट होने लगा है, तो तूफान की घटनाओं में तीव्रता आने लगी है। मौसम में आ रहे बदलाव, भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं, जिस कारण आर्थिक, कृषि और सामाजिक जीवन भी प्रभावित हो रहा है। मानसून में बादल फटने जैसी आपदाओं की त्रासदी को हमने देखा है और इस बार शीतकालीन वर्षा अभी तक रूठी हुई है। गत वर्ष शीतकाल की वर्षा सूखे की भेंट चढ़ गई थी। पर्वतीय क्षेत्रों में हिमपात का अभाव बढ़ता जा रहा है, जो मौसम के लिहाज से बेहद चिंताजनक है। तापमान में वृद्धि का ग्राफ बढ़ता जा रहा है, तो दो हजार मीटर ऊंचाई वाले स्थानों में मौसम का बड़ा बदलाव आया है।

भले ही मौसम में बदलाव से अनेक दुष्प्रभाव सामने आ रहे हैं, लेकिन इन सभी के बीच शीतकाल में तापमान में बढ़ोतरी के कारण पर्यटन क्षेत्र को लाभ पहुंच रहा है। नैनीताल व मसूरी में तीन दशक पहले तक शीतकाल में जमा देने वाली ठंड पड़ा करती थी। न्यूनतम तापमान शून्य के इर्द-गिर्द अधिक रहा करता था, तो इन पर्यटन नगरों से शीत के महीनों में मैदानों की ओर पलायन हुआ करता था, लेकिन मौसम में बदलाव आने से वैसी ठंड अब नहीं रही, जिसका यहां के पर्यटन को भरपूर लाभ मिल रहा है। अब शीतकाल के दौरान बड़े पैमाने पर सैलानी इन क्षेत्रों में पहुंच रहे हैं और साल दर साल पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। निष्कर्ष यही है कि हमें प्रकृति से उतना ही लेना होगा, जितनी हमें जरूरत है। प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन बंद करना होगा। जल-जंगल को बचाना होगा। पर्यावरण से निपटने के लिए नयी रणनीतियों पर काम करना होगा।

आमने सामने

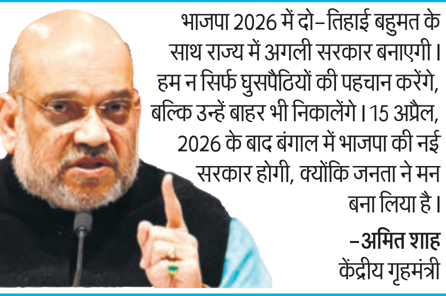

भाजपा 2026 में दो–तिहाई बहुमत के साथ राज्य में अगली सरकार बनाएगी। हम न सिर्फ घुसपैठियों की पहचान करेंगे, बल्कि उन्हें बाहर भी निकालेंगे। 15 अप्रैल, 2026 के बाद बंगाल में भाजपा की नई सरकार होगी, क्योंकि जनता ने मन बना लिया है।

–अमित शाह
केंद्रीय गृहमंत्री

जब कश्मीर या दिल्ली में घटनाएं होती हैं, तो हर बार बंगाल को ही क्यों दोषी ठहराया जाता है? भाजपा 'अब की बार, 200 पार' जैसे बड़े दावे नहीं कर पा रही है। इस बार भाजपा को देश की राजनीति से बाहर हो जाना चाहिए।

–ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

बांग्लादेश-भारत संबंधों की बदलती कहानी

राजेश जैन
वरिष्ठ पत्रकार

बांग्लादेश और भारत के रिश्ते 1971 में बांग्लादेश की आजादी के साथ शुरू हुए। उस समय भारत की भूमिका, विशेष रूप से पाकिस्तान के साथ युद्ध में बांग्लादेश का समर्थन, इतिहास की एक निर्णायक घटना थी, लेकिन आज यही रिश्ते तनाव और अविश्वास की गहराई तक पहुंच चुके हैं। 2024 के अगस्त में शेख हसीना का सत्ता से हटना और बांग्लादेश में अस्थायी सरकार का गठन, दोनों देशों के बीच माने जाने वाले स्वर्णिम युग के पतन का प्रतीक बन गया है।

1971 की युद्धभूमि से लेकर 2023–24 तक बांग्लादेश में शेख हसीना और उनकी पार्टी अवामी लीग को भारत के निरंतर समर्थन की नीति रही। यह समर्थन केवल वैचारिक सम्मान पर नहीं बल्कि रणनीतिक मजबूरी पर भी आधारित था। इस बीच 1975 के बाद सेना के द्वारा सत्ता पर कब्जे और ज़िया-उर-रहमान तथा बाद में हुसैन मोहम्मद इरशाद के शासन के बावजूद भारत के हित बुरी तरह प्रभावित नहीं हुए। भारत ने अवामी लीग को उस समय भी समर्थन दिया जब वह राजनीतिक रूप से कमजोर थी, क्योंकि भारत की नजर में अवामी लीग ही एक स्थिर और भारत-समर्थक राजनीतिक शक्ति थी।

2024 के अगस्त में शेख हसीना का सत्ता से हटना और बांग्लादेश में अस्थायी सरकार का गठन, भारत–बांग्लादेश के बीच 'स्वर्णिम युग' के पतन का प्रतीक बन गया है।

शेख हसीना ने भारत के समर्थन के साथ बांग्लादेशी राजनीति में मजबूती प्राप्त की। अवामी लीग का सत्ता में बने रहना भारत की नीति का मुख्य आधार बन गया। इस कारण बांग्लादेश की राजनीति में अवामी लीग का प्रभुत्व भारत की नीतिगत प्राथमिकता बन गया। जुलाई 2024 में बांग्लादेश में जनविरोध की लहर उठी और देखते ही देखते इतनी व्यापक हो गई कि शेख हसीना के इस्तीफे और सत्ता परिवर्तन की मांगें उठने लगीं। पांच अगस्त को शेख हसीना को भारत आना पड़ा। यह घटना केवल राजनीतिक शरण का मामला नहीं रही, बल्कि संकेत बन गई कि बांग्लादेश की राजनीति अब मित्र के पुराने समीकरणों से कहीं अधिक जटिल हो चुकी है।

विपक्षी दलों और उनके समर्थक समूहों का आरोप रहा है कि शेख हसीना भारत के समर्थन से सत्ता में बनी रहीं। जब भारत शरणस्थली बनकर सामने आया, तो भारत–बांग्लादेश मित्रता की पारंपरिक नींवों पर भी सवाल उठे। यह विश्वास कमजोर पड़ा कि भारत बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में निष्पक्ष भूमिका निभा सकता है। ढाका की सड़कों पर उभरती भावनाएं संकेत देती हैं कि बांग्लादेशी समाज अब केवल भारत के साथ करीबी रिश्तों के आधार पर किसी नेतृत्व की वैधता स्वीकार करने को तैयार नहीं है।

इतिहास पर नजर डालें तो अविश्वास के बीज काफी पहले बोए जा चुके थे। संबंध सतही तौर पर भले संघर्षपूर्ण न रहे हों, लेकिन भीतर से तनाव हमेशा मौजूद रहा। भारत की धारणा रही कि बांग्लादेश ने स्वतंत्रता संग्राम में उसके योगदान को पर्याप्त महत्व नहीं दिया। वहीं बांग्लादेश में यह भावना रही कि भारत ने केवल अपने सामरिक हितों के लिए हस्तक्षेप किया और उसे बराबरी के साझेदार के रूप में कम ही माना।

सैन्य शासनों के दौर में ढाका द्वारा भारत के पूर्वोत्तर के उग्रवादी समूहों को परोक्ष सहयोग देने के आरोपों ने संदेह और बढ़ाया। 1980 के दशक में सीमाओं पर कड़ी सुरक्षा और अवैध प्रवासन पर नियंत्रण की भारतीय नीति ने भी बांग्लादेश में भारत-विरोधी भावनाओं को मजबूत किया। सहयोग के स्थान पर कई बार उलझन और कटुता बढ़ती रही। इन ऐतिहासिक कारकों ने आज की जटिल परिस्थिति की नींव तैयार की।

2025 के इस दौर में संबंध केवल राजनीतिक नेतृत्वों के बीच का विषय नहीं रह गए हैं। वे अब सार्वजनिक भावनाओं, सुरक्षा चिंताओं और कूटनीतिक तनावों का समुच्चय बन चुके हैं। पिछले लगभग डेढ़ वर्ष से तनाव लगातार बढ़ा है। वीजा सेवाओं का निलंबन और तीखे आधिकारिक बयान इसके संकेत हैं कि संस्थागत स्तर पर भी दरारें उभर चुकी हैं। यदि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) सत्ता में आती है, तो संबंध किस दिशा में जाएंगे, यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। वह अधिक समानता और पारस्परिक सम्मान पर आधारित रिश्ते की अपेक्षा कर सकती है। फिर भी दोनों देशों के साझा इतिहास, सांस्कृतिक निकटता और आर्थिक हित इस रिश्ते को संभालने का मजबूत आधार प्रदान करते हैं। संवाद, पारदर्शिता और पारस्परिक सम्मान ही विश्वास बहाली के उपकरण हैं।

भारत–बांग्लादेश संबंध कई दशकों की कूटनीति, अविश्वास, सामरिक हितों और अप्रत्यक्ष हस्तक्षेपों का परिणाम हैं। जनता की वास्तविक राजनीतिक भावनाओं की समझ, परस्पर सम्मान और विश्वास की बहाली ही इन संबंधों को फिर से स्वर्णिम दौर की ओर ले जा सकती है। यदि दोनों देश नई सोच, धैर्य और परिपक्वता के साथ आगे बढ़ें, तो यह साझेदारी समय की धारा में खोने के बजाय भविष्य की स्थिरता का आधार बन सकती है।

प्रसंगवश

नए साल में चुनाव और सियासी समीकरण

2025 में राजनीति के जो समीकरण बनते बिगड़ते रहे, 2026 में उसको कसौटी पर कसा जाएगा। बिहार के चुनावों से निकले जनादेश ने बीजेपी को देश की सशक्त पार्टी साबित किया, इसकी असली ताकत पश्चिम बंगाल में तय होगी, जहां ममता बनर्जी के सियासी तिलिस्म से भाजपा की रणनीति का आमना-सामना होगा। पश्चिम बंगाल का यह सियासी रण 2026 के अप्रैल-मई महीने में ही देखा जाना है। इतना ही नहीं, असम, पुदुचेरी, तमिलनाडु और केरल के विधानसभा चुनाव भी आने वाले साल में प्रस्तावित हैं, जो देश की सियासत की दिशा निर्धारित करेंगे। उत्तर प्रदेश जैसे देश के सबसे बड़े सूबे में इसी वर्ष पंचायत चुनाव होने हैं, जिसका बिगुल नए साल की आमद के साथ बजने ही वाला है। प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले होने वाले पंचायत चुनावों को राजनीतिक पार्टियों के द्वारा शक्ति प्रदर्शन के रूप में लिया जाएगा। उत्तर प्रदेश समेत देश के तमाम राज्यों में चल रहे एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर पहले ही सियासत गरम है।

रमा निवास तिवारी
लेखक

अगले वर्ष जिन राज्यों के चुनाव होने हैं, वहां अलग-अलग राजनीतिक दल एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ लगाते दिखाई देंगे। राजनीतिक चुनौतियों से निपटने की शुरुआत तो जनवरी से ही शुरू हो जाएगी। उत्तर प्रदेश में मुख्य विपक्षी पार्टी सपा सत्ता के वनवास से निकल कर बाहर आने को बेचैन है, उधर भाजपा ने योगी आदित्यनाथ के भरोसे अंगद की तरह पांव जमा दिया है। कौन किस पर भारी साबित होगा, यह तो 2027 के चुनाव ही बता पाएंगे, लेकिन जीत-हार की रस्साकशी 2026 में ही नजर आने लगेगी। पंचायत चुनावों से ही सियासत का अखाड़ा सज उठेगा।

भाजपा दिल्ली और यूपी के अन्तर्द्वन्द से कैसे निपटेगी और नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के आते ही जातिगत झमेले में जा उलझी पार्टी को पटरी पर नेतृत्व कैसे लाएगा, यह सब 2026 में देखने को मिलेगा। 2026 देश की सभी राजनीतिक पार्टियों के लिए कोई न कोई चैलेंज लेकर आ रहा है। आने वाले साल में सियासत की तासीर बदली नजर आएगी और राजनीतिक घमासान के बादल देश पर मंडराते रहेंगे।

क्या मोदी और क्या योगी सबको अपने राजनीतिक कौशल की परीक्षा देनी पड़ेगी। मायावती और अखिलेश यादव को अपनी-अपनी ताकत में इजाफा करके दिखाना होगा। राहुल गांधी की लगातार मेहनत को भी आने वाला साल अपनी कसौटी पर कसने वाला है। शुरुआत तो उत्तर प्रदेश से ही हो जाती है, जहां पंचायत चुनावों की तपिश के बीच नये साल की आमद दर्ज होने जा रही है। नये साल की शुरुआत से ही उत्तर प्रदेश में सियासत के इन दो ध्रुवों भाजपा और सपा के बीच द्वंद्व होता नजर आएगा।

योगी आदित्यनाथ का चेहरा और उनकी राजनीति के कायल प्रदेशवासियों ने लगातार दूसरी बार उन्हें प्रचंड जनादेश के साथ प्रदेश की सत्ता पर बैठाया था। अब पंचायत चुनाव और अन्य राजनीतिक पैरामीटर यह तय करेंगे कि योगी का जादू बरकरार है या नहीं। उधर लोकसभा चुनाव रिकॉर्ड सीटों से जीतकर अखिलेश यादव और उनकी पार्टी के हौसले बुलंद हैं, लोकसभा की जीत से 2027 के लिए बड़ी उम्मीदें निकल कर आई हैं। अखिलेश यादव की चुनौती है कि वोट बैंक के बिखराव पर कैसे विराम लगाएं और अपने परंपरागत वोट बैंक को कैसे फिर सहेजें, जो भाजपा की ओर शिफ्ट हो गए हैं, हालांकि सपा कार्यकर्ताओं में लोकसभा की जीत और शिवपाल यादव के पार्टी में विलय से गजब का उत्साह भरा हुआ है, लेकिन अखिलेश यादव को उसे बनाये रखने की जरूरत है।

सोशल फोरम

जालिम वक्त किसी को भी नहीं बख्शता

एक बार अमेरिका में कैलीफोर्निया की सड़कों के किनारे पेशाब करते हुए देख एक बुजुर्ग आदमी को पुलिसवाले पकड़ कर उनके घर लाए और उन्हें उनकी पत्नी के हवाले करते हुए निर्देश दिया कि वो उस शक्स का बेहतरीन ढंग से ख़याल रखें और उन्हें घर से बाहर न निकलने दें। दरअसल वो बुजुर्ग बिना बताए, कहीं भी और किसी भी वक्त घर से बाहर निकल जाते थे और ख़ुद को भी नहीं पहचान पाते थे।

रंजन शर्मा
रिटायर्ड अफसर

जिस बुजुर्ग को पुलिस बीच सड़क से पकड़ कर उन्हें उनके घर ले गई थी, वो किसी ज़माने में अमेरिका की जानी-मानी फिल्मी हस्ती थे। लोग उनकी एक झलक पाने के लिए तरसते थे। उनकी लोकप्रियता का आलम ये था कि उसी के दम पर वो राजनीति में पहुंचे और दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति बनकर उभरे तथा एकदिन वो अमेरिका के राष्ट्रपति बने। नाम था रोनाल्ड रीगन।

1981 में रीगन अमेरिका के राष्ट्रपति बने और पूरे आठ साल दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति रहे। राष्ट्रपति रहते हुए उन पर गोली भी चली। कई दिनों तक अस्पताल में रहने के बाद जब वो दोबारा व्हाइट हाऊस पहुंचे, तो उनकी लोकप्रियता दोगुनी हो चुकी थी।

राष्ट्रपति पद से हटने के बाद जब वो अपनी निजी नागरिकता में लौटे तो कुछ दिनों तक सब ठीक रहा। पर कुछ दिनों बाद उन्हें अल्जाइमर की शिकायत हुई और धीरे-धीरे वो अपनी याद्दाश्त खो बैठे। शरीर था। यादें नहीं थीं। वो भूल गए कि एक समय था जब लोग उनकी एक झलक को तरसते थे। वो भूल गए कि उनकी सुरक्षा दुनिया की सबसे बड़ी चिंता थी। रिटायरमेंट के बाद वो सब भूल गए। पर अमेरिका की घटना थी, तो बात सबके सामने आ गई कि कभी दुनिया पर राज करने वाला ये शख्स जब यादों से निकल गया। वो, वो नहीं रहा, जो था। मतलब उसका जीवन होते हुए भी खत्म हो गया था।

ताकतवर से ताकतवर चीज़ की भी एक एक्सपायरी डेट होती है, इसलिए जीवन में कभी किसी चीज़ का अहंकार हो जाए तो श्मशान का एक चक्कर जरूर लगा आना चाहिए। वहां एक से बढ़कर एक बेहतरीन शख्सियत राख बने पड़े हैं।

अहंकार व्यर्थ है चाहे वो सत्ता का हो, धन का हो या फिर अपने बाहुबल का।

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

घर का तापमान और स्त्री के भीतर चलती ऋतुएं

महिलाएं घर को केवल संचालित नहीं करतीं, वे उसके स्वभाव की रचना करती हैं। वे तय करती हैं कि घर में संवाद बहता रहेगा या चुप्पी जम जाएगी! अपनापन सांस लेगा या औपचारिकता हावी होगी, सहयोग पनपेगा या तनाव फैलता जाएगा। यह सब किसी लिखित नियम या तय व्यवस्था से नहीं चलता, बल्कि उनके रोज़मर्रा के व्यवहार से आकार ग्रहण करता है। एक हल्की मुस्कान, एक तीखा वाक्य, एक मौन ठहराव या एक संवेदनशील संवाद— ऐसे ही सूक्ष्म क्षण मिलकर घर का व्यापक चरित्र गढ़ते हैं। इसी कारण कहा जाता है कि घर का वातावरण प्रायः स्त्री के मन की प्रतिध्वनि होता है।

यह भी उतना ही यथार्थ है कि जब स्त्री पर अपेक्षाओं का भार आवश्यकता से अधिक लाद दिया जाता है, तब यही शक्ति धीरे-धीरे दबाव में बदलने लगती है। समाज उससे हर भूमिका निभाने की आशा करता है, पर उसे चयन की स्वतंत्रता बहुत कम देता है। यदि कोई स्त्री जिम्मेदारी से दूरी बनाना चाहे तो उसे लापरवाह ठहरा दिया जाता है और यदि वह जिम्मेदारी उठा ले तो उसे स्वाभाविक मान लिया जाता है। यही दोहरा मानदंड घर के भीतर तनाव की जड़ बनता है, जो समय के साथ रिश्तों को भीतर ही भीतर खोखला करने लगता है।

कृति आरके जैन
लेखिका

घर को गढ़ना या बिगाड़ना स्त्री के हाथ में है- इस कथन का आशय तभी स्पष्ट होता है, जब 'बिगाड़ने' के अर्थ को सही संदर्भ में समझा जाए। बिगाड़ना हमेशा टकराव, कटुता या हिंसा का रूप नहीं लेता। कई बार यह भावनात्मक दूरी, उपेक्षा या संवाद के अभाव के रूप में सामने आता है। जब स्त्री भीतर से थक जाती है, सुनी नहीं जाती या उसकी भूमिका को हल्का समझ लिया जाता है, तब वह अनजाने ही घर से अपना जुड़ाव ढीला करने लगती है। यह कमी दिखाई नहीं देती, पर धीरे-धीरे घर की आत्मा को रिक्त करती चली जाती है।

इसके विपरीत, जब वही स्त्री सम्मान, सहभागिता और भरोसे का अनुभव करती है, तो उसका प्रभाव सहज ही चमत्कारी हो उठता है। तब वह घर को केवल सुव्यवस्थित नहीं रखती, बल्कि उसे संवेदनशील और जीवंत बना देती है। वह बच्चों को संवाद की भाषा सिखाती है, बड़ों के भीतर धैर्य का विस्तार करती है और रिश्तों में संतुलन का सूत्र पिरोती है। ऐसी स्त्री आदेश नहीं देती, दिशा सुझाती है। नियंत्रण नहीं करती, समन्वय रचती है। उसका असर शोर में नहीं, स्थायित्व में दिखाई देता है- शांत, पर दूर तक फैलता हुआ। यही वह अदृश्य शक्ति है जो घर को केवल टिकाऊ नहीं, अर्थपूर्ण भी बनाती है।

यह समझना आवश्यक है कि हर स्त्री एक-सी नहीं होती। कोई नेतृत्व करना चाहती है, कोई सहयोग में सहज होती है और कोई केवल शांति के साथ अपना जीवन जीना चाहती है। कठिनाई तब उत्पन्न होती है, जब समाज सभी से एक ही भूमिका निभाने की अपेक्षा करता है। घर तभी संतुलित रह पाता है जब स्त्री को अपनी भूमिका स्वयं चुनने की स्वतंत्रता मिले, जब उसकी इच्छा, उसकी सीमा और उसकी क्षमता का आदर किया जाए, क्योंकि थोपी गई जिम्मेदारियां सृजन नहीं करतीं, वे केवल थकान, असंतोष और भीतर की रिक्तता को जन्म देती हैं।

यह स्वीकार करना होगा कि घर का बनना या बिगड़ना किसी एक व्यक्ति की मंशा का परिणाम नहीं, बल्कि स्त्री की भावनात्मक अवस्था से गहराई से जुड़ा होता है। वह प्रत्यक्ष रूप से सत्ता में न होकर भी प्रभाव के केंद्र में होती है। उसकी चुप्पी, उसकी सहमति और उसकी असहमति-सब मिलकर घर की दिशा तय करती हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

अमृत विचार कैम्पस

वर्ड स्मिथ

कहानी हाईजैक शब्द बनने की

हाईजैक शब्द की उत्पत्ति काफी दिलचस्प है और इसका रिश्ता सीधे अमेरिकी इतिहास से जुड़ता है। यह शब्द दो हिस्सों से मिलकर बना माना जाता है– 'Hi' और 'Jack'।
1920 के आसपास अमेरिका में प्रोहिबिशन एरा (शराबबंदी का दौर) चल रहा था। उस समय अवैध शराब की तस्करी आम थी। शराब लूटने वाले गिरोह ट्रकों या नावों को रोकते समय ड्राइवर को धमकाते हुए कहते थे- 'Hi, Jack!' यानी, 'रुको जैक!' या 'हाथ ऊपर करो!'
धीरे-धीरे यह बोलचाल का वाक्य एक क्रिया (verb) में बदल गया और इसका मतलब हो गया– जबरदस्ती किसी वाहन या सामान पर कब्जा करना।
अर्थ का विस्तार : शुरुआत में 'हाईजैक' का इस्तेमाल सिर्फ शराब या माल लूटने के लिए होता था, लेकिन समय के साथ इसका दायरा बढ़ता गया– ट्रक हाईजैक, गाड़ी हाईजैक, विमान हाईजैक (1950–60 के दशक में यह अर्थ बहुत प्रचलित हुआ) और जहाज हाईजैक।
आज 'हाईजैक' का मतलब – धमकी, बल या डर के जरिए किसी वाहन, वस्तु पर नियंत्रण या कब्जा करना है।
दिलचस्प तथ्य : 'Jack' उस दौर में आम आदमी या ड्राइवर के लिए इस्तेमाल होने वाला नाम था, जैसे हिंदी में 'बब्लू'।
हाईजैक शब्द अपराध की दुनिया से निकला, लेकिन आज यह वैश्विक भाषा का हिस्सा बन चुका है।

नोटिस बोर्ड

- संतकबीरनगर जिले के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान चकदही में 05 जनवरी 2026 को पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 03.00 बजे तक एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन होगा। इसके तहत उप्र परिवहन निगम के बस्ती डिपो के लिए संविदा चालकों की भर्ती की जाएगी। रोजगार मेले की जानकारी देते हुए जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि उक्त रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिए सेवायोजन विभाग के वेब पोर्टल rojgaarsangam.up.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के इच्छुक अभ्यर्थी अपने साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्र, दो फोटो एवं बायोडाटा के साथ मेले में सम्मिलित हो सकते हैं।

- लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से सेमेस्टर परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। एमए और एमएससी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा नौ जनवरी से शुरू हो जाएगी। इसी के साथ ही बैक व इंप्रूवमेंट परीक्षा कार्यक्रम भी जारी हुआ है। परीक्षाएं 22 जनवरी तक चलेंगी। विद्यार्थी परीक्षा कार्यक्रम विवि की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर जाकर देख सकते हैं।

करियर डिसीजन में क्यों झिझकते हैं स्टूडेंट्स

सूचनाओं, अवसरों और विकल्पों की बढ़ोतरी ने बाहरी जीवन को तेज बनाया है, लेकिन निर्णय लेने की क्षमता को कमजोर। प्रगति की यह निरंतर दौड़ मन को उस मोड़ पर ले आई है, जहां कदम आगे बढ़ते हैं, पर भीतर दिशा स्पष्ट नहीं होती। तकनीक ने दुनिया बदल दी है। आज जानकारी की इतनी अधिकता है कि किसी को कुछ जानने के लिए मेहनत नहीं करनी पड़ती। फोन उठाइए और दुनिया सामने है, लोग कहां घूम रहे हैं, कौन कितना कमा रहा है, किसकी जिंदगी कितनी शानदार दिख रही है। पर एक विरोधाभास भी जीवन के बीच खड़ा है। जैसे-जैसे दुनिया बाहरी रूप से आसान हुई है, भीतर मन उतना ही जटिल हो गया है। जितनी सुविधा मिली है, उतनी ही बेचैनी बढ़ी है, जितने विकल्प बढ़े हैं, उतनी ही दृढ़ता कम हुई है। कई बार ऐसा लगता है कि हम जितने सक्षम हुए हैं, उतने ही अनिश्चित भी। इस अनिश्चितता के पीछे पांच ऐसे मनोवैज्ञानिक भाव अथवा रूप हैं, जो आज के समय की नब्ज को समझने की कुंजी हो सकते हैं- FOMO, FOFO, FOBO, FOPO और FOMU। ये नाम भले अंग्रेजी में हों, लेकिन इनमें जो भाव छिपे हैं, वे किसी भाषा, क्षेत्र या समाज की सीमा में नहीं रहते। स्टूडेंट्स पर करियर को लेकर इनका असर दिखाई देता है। फर्क बस इतना है कि इनके नाम बहुत कम लोग जानते हैं, पर इनके प्रभाव से लगभग हर कोई गुजर रहा है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

क्या हैं ये फियर

पहले आता है FOMO (फियर ऑफ मिसिंग आउट) कुछ छूट जाने का डर। सोशल मीडिया के विस्तार के साथ ही लोगों की जिंदगी दूसरों की नजरों के सामने खुलने लगी। हर उपलब्धि, हर अवसर, हर खुशी और हर सफलता अब सार्वजनिक हो गई। तुलना वहीं से शुरू हुई, जो दूसरे कर रहे हैं, उसे देखकर लगता है कि हम कुछ कम कर रहे हैं। हर पार्टी, हर यात्रा, हर प्रमोशन, हर समारोह, हर तस्वीर मानो एक संदेश देती है- "देखो, तुम पीछे रह रहे हो।" यही डर व्यक्ति को लगातार दौड़ में धकेलता है। वह उन कामों की तलाश में रहने लगता है, जो उसे "पीछे छूटने" की भावना से बचा लें। किंतु विरोधाभास यह है कि जितना इंसान दौड़ता है, उतना ही उसे लगता है कि अभी भी बहुत कुछ छूट रहा है। यह डर प्रेरणा से ज्यादा दबाव पैदा करता है, उपलब्धि से ज्यादा अधूरापन बढ़ाता है।

FOFO (फियर ऑफ फाइंडिंग आउट)

यहीं एक और भाव जन्म लेता है– FOFO (फियर ऑफ फाइंडिंग आउट), यानी सच जानने का डर। जब स्टूडेंट्स दौड़ में लगा रहता है और फिर भी खुद को पीछे महसूस करता है, तो सच्चाई डरावनी लगने लगती है। कोई रिपोर्ट हो, नतीजा हो, फीडबैक हो, मेडिकल जांच हो, करियर या रिश्तों पर बातचीत हो या आर्थिक स्थिति की हकीकत बहुत से लोग इन्हें केवल इसलिए टालना चाहते हैं या टालते हैं कि सच सामने आ गया, तो मन को स्वीकार करना पड़ेगा कि सब उतना सुंदर नहीं जितना मान रखा है या दिखता है। ऐसे में मन यह मानने लगता है कि "न जानना" अस्थायी राहत देता है। अनिश्चितता सुरक्षित लगती है, लेकिन यही बचाव आगे की कठिनाइयां पैदा करता है, क्योंकि सच्चाई जितनी देर बाद सामने आती है, उतनी भारी हो जाती है।

FOBO (फियर ऑफ अ बेटर ऑप्शन)

इसी तरह आगे बढ़कर मन FOBO (फियर ऑफ अ बेटर ऑप्शन) में प्रवेश करता है यानी बेहतर विकल्प छूट जाने का डर। आधुनिक जीवन में चुनाव आसान नहीं रहे। नौकरी हो या शहर, शादी हो या करियर, व्यवसाय हो या मकान हर जगह इतने विकल्प हैं कि किसी एक विकल्प को अपनाने का मतलब है बाकी सब छोड़ देना। तब मन बार-बार पूछता है- "जो चुना, इससे बेहतर भी कुछ हुआ तो?" और इस सवाल के चलते फैसला लेना मुश्किल होता जाता है। बहुत से लोग सपनों के रास्ते पर इसलिए नहीं निकल पाते, क्योंकि वे गलत राह चुनने से अधिक डरते हैं। वे दिशा तय करने में इतना समय लगा देते हैं कि सफर शुरू ही देर से होता है। यही वजह है कि फैसलों की संख्या से ज्यादा दुविधाओं की मात्रा बढ़ती है।

FOPO (फियर ऑफ अदर पीपल्स ओपिनियन)

जब फैसले डर से होने लगते हैं और आत्मविश्वास हिलने लगता है, तो अगला भाव FOPO (फियर ऑफ अदर पीपल्स ओपिनियन) जन्म लेता है– लोगों की राय का डर। अपनी पसंद पर भरोसा कम होने के बाद व्यक्ति दूसरों की प्रतिक्रिया को मार्गदर्शक बना लेता है। फिर चुनाव अंदर की जरूरतों से नहीं, बाहर की नजरों से होते हैं। कौन-सी जीवनशैली "स्वीकार्य" होगी, कौन-सी नौकरी "सम्मानजनक दिखेगी" इस तरह के तमाम सवाल अंदर की आवाज को दबाते जाते हैं। जीवन धीरे-धीरे निजी नहीं, भीड़ के मानदंडों से संचालित होने लगता है। व्यक्ति वही बनने की कोशिश करता है, जो दूसरों को पसंद आए, भले वह स्वयं उस भूमिका में सहज न हो। यह "दिखने वाले" सम्मान के बदले "महसूस होने वाली" शांति खोने लगता है और अंत में इस पूरी यात्रा की परिणति होती है।

FOMU (फियर ऑफ मेसिंग अप)

- फियर ऑफ मेसिंग अप अर्थात गलती कर देने का डर। यह शब्द भले ही बहु-प्रचलित न हो, लेकिन इसका अनुभव लगभग हर पीढ़ी महसूस कर रही है। ऐसे में कई बार व्यक्ति पहला कदम इसलिए नहीं उठाता, क्योंकि उसे लगता है, अगर गलती हो गई, तो दुनिया देख लेगी। असफलता की चिंता से ज्यादा अपमान की कल्पना भयावह हो जाती है। सपने और योजनाएं आदर्श रूप में तो टिकी रहती हैं, पर वास्तविक शुरुआत रुक जाती है। यही वह दुखद क्षण है, जहां जिंदगी निर्णय से नहीं, डर से चलने लगती है। यह डर अक्सर बाहरी परिस्थितियों से नहीं, भीतर से पैदा होता है।
- इन पांचों भावों को अलग-अलग नाम देना आसान है, पर इन्हें अलग-अलग होकर समझना गलत है। ये एक-दूसरे से पैदा होते हैं, एक-दूसरे को बढ़ाते हैं और एक-दूसरे के बिना पूरी तरह समझ नहीं आते। कुछ छूट जाने का डर स्टूडेंट्स को दौड़ में धकेलता है, दौड़ की थकान उसे सच से बचने पर मजबूर करती है, सच से बचाव निर्णय को टाल देता है, निर्णय में देरी दूसरों की राय पर निर्भरता पैदा करती है और यही निर्भरता गलती को असहनीय बना देती है। यह कोई वैज्ञानिक रूप से तय "अनिवार्य क्रम" नहीं, लेकिन आधुनिक मन की चालकों समझने का एक बेहद उपयोगी मनोवैज्ञानिक ढांचा जरूर है- एक ऐसा पैटर्न, जिसमें जीवन ऊपर से सक्रिय दिखता है, पर भीतर से स्थिर बना रहता है। लगता है कि हम बहुत कुछ कर रहे हैं, पर महसूस होता है कि कुछ भी पूरा नहीं हो पा रहा।
- इन मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियों का उद्देश्य किसी व्यक्ति को दोष देना नहीं है और न ही यह मान लेना कि इंसान कमजोर हो गया है। यह समय ही ऐसा है, जिसमें मन पर दबाव पहले से कहीं अधिक है। जितना समाज सार्वजनिक हुआ है, उतनी ही निजी दुनिया उलझी है। उपलब्धियों की प्रतिस्पर्धा में भावनाएं पीछे छूट गई हैं। हम सब किसी-न-किसी रूप में इस संघर्ष में हैं कुछ खुलकर, कुछ चुप रहकर, कुछ जानकर और कुछ जाने बिना।
- हो सकता है आगे भी जीवन जटिल बना रहे, अवसर बढ़ते रहें, विकल्प उलझाते रहें, लेकिन इतना समझ होगा कि डर होना कमजोरी नहीं, संवेदनशीलता है। संघर्ष होना असामान्य नहीं, बल्कि आधुनिक जीवन का हिस्सा है। हम सब अपनी-अपनी जगह पर कोशिश कर रहे हैं- कभी तेज, कभी धीमे या कभी डरे हुए।
- जीवन में ज्यादातर बदलाव किसी "बड़े कदम" से नहीं आते। कई बार बदलाव तब शुरू होता है, जब हम बस इतना स्वीकार कर लेते हैं कि हां, हम डरे हुए हैं, पर कोशिश छोड़ने वाले नहीं हैं। हो सकता है आगे भी निर्णय आसान न हों, संतुलन, स्पष्टता और आत्मविश्वास एक दिन में न आएं, लेकिन इतना तो तय है कि जिंदगी अक्सर वहीं खुलती है, जहां मन सबसे ज्यादा अटका होता है।
- डर पूरी तरह चला जाए, तब चलना शुरू हो, यह जिंदगी का नियम नहीं है। असली बात यह है कि डर रहते हुए भी चलना शुरू हो, क्योंकि साहस का अर्थ डर के अभाव में बहादुरी दिखाना नहीं, बल्कि डर के साथ कदम बढ़ाना है। वही पहला कदम, चाहे कितना ही छोटा क्यों न हो, आगे की असली दिशा बनाता है।

कैंपस में पहला दिन

प्रथम श्रेणी प्राप्त करने का रहा दबाव

मेरे लिए कॉलेज का पहला दिन उम्मीदों से भरा रहा। मेरी स्नातक (बी.ए.) की पढ़ाई राजकीय महाविद्यालय बागेश्वर से हुई। यह सरयू नदी के किनारे तीन भवनों के रूप में था, जिनमें से एक भवन टिन शेड के रूप में था और एक मुख्य भवन, जिसमें एक हॉल और प्राचार्य कक्ष और दूसरे भवन में एक लाइब्रेरी और कुछ कक्षाएं होती थीं।
पहले दिन जब मैं महाविद्यालय पहुंचा तो मेरी मुलाकात महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर रामकुमार से हुई। मैंने उनसे प्रवेश के साथ-साथ अपने परीक्षा परिणाम के बारे में भी बताया तो उन्होंने बड़े खुश होकर मुझे प्रवेश के बारे में जानकारी दी। मैं अपने सत्र में राजकीय इंटर कॉलेज बागेश्वर का कला विषयों से अकेला प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थी था, इसलिए उन्होंने प्रवेश प्रभारी से कहा कि देखो, महाविद्यालय में एक प्रथम विद्यार्थी आ रहा है। इसके अलावा उन्होंने मुझे स्कॉलरशिप तथा अन्य योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। महाविद्यालय के पहले दिन ही एक सुसज्जित पुस्तकालय देखा, जिसमें हमारे विषय की पुस्तक कम थी, लेकिन

डॉ. नवीन चंद लोहनी
कुलपति, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

पुस्तकों के प्रति मेरे प्रेम के कारण मुझे अनेक पुस्तकों से जुड़ने का अवसर मिला। हिंदी, संस्कृत, राजनीति विज्ञान और अंग्रेजी की कक्षाओं में मुझे उपस्थित रहकर बहुत आनंद आया। महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त करने के बाद अपने पुराने इंटरमीडिएट के समय के अनेक साथी कक्षा में दिखाई दिए, उनमें एक स्पर्धा भाव भी देखा, स्नातक कक्षा के दौरान निरंतर यह दबाव भी बना रहा कि महाविद्यालय में भी प्रथम श्रेणी प्राप्त करनी है। बाद में अपने शैक्षिक जीवन में आने के बाद पता चला कि विश्वविद्यालय शिक्षा में किस प्रकार चैलेंज आते हैं।

करेंट अफेयर्स

- भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना एक विशिष्ट क्लब में शामिल हो गई हैं, वह मिताली राज के बाद 10,000 अंतर्राष्ट्रीय रन पूरे करने वाली केवल दूसरी भारतीय महिला और सबसे तेज खिलाड़ी बन गईं। स्मृति ने तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ चौथे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय में यह उपलब्धि हासिल की।
- पर्यावरण मंत्रालय के तहत एक पैनल ने जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में चिनाब नदी पर 260 मेगावाट की दुलहस्ती स्टेज- II पनबिजली परियोजना (Dulhasti Stage-II hydropower project) को मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी इस साल अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करने की पृष्ठभूमि में आई है, जिससे 3,200 करोड़ से अधिक की अनुमानित लागत वाली इस रन-ऑफ-द-रिवर परियोजना के लिए निर्माण निविदाएं जारी करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।
- केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने आज बेंगलुरु में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) हेलीकॉप्टर डिवीजन में ध्रुव एनजी सिविल वेरिएंट (Dhruv NG civil variant) हेलीकॉप्टर की पहली उड़ान को हरी झंडी दिखाई। इस हेलीकॉप्टर को इसके स्वदेशी शक्ति इंजन के लिए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से नागरिक प्रमाणन प्राप्त हुआ है।
- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज में पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट का पहला सफल उड़ान परीक्षण किया है। रॉकेट का परीक्षण उसकी अधिकतम 120 किमी की सीमा के लिए किया गया। इस रॉकेट को आर्मामेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट द्वारा हाई एनर्जी मटेरियल्स रिसर्च लेबोरेटरी के सहयोग से, डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट लेबोरेटरी और रिसर्च सेंटर इमारत के समर्थन से डिजाइन किया गया है।

जॉब अलर्ट

LDCC बैंक
- पद का नाम –क्लर्क, सबग्रेड (मल्टीपर्पस सपोर्ट स्टाफ), ड्राइवर
- पदों की संख्या– 375
- योग्यता–10 वीं पास से ग्रेजुएट (पदनुसार)
- आयु सीमा–19 से 30 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि– 21 जनवरी 2026
- वेबसाइट-https://laturdccb.com

नाबार्ड यंग प्रोफेशनल भर्ती
- कंपनी का नाम– नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (नाबार्ड)
- पद का नाम– यंग प्रोफेशनल (14 विषय)
- पदों की संख्या– 44
- वेतन– 70,000/– प्रति माह (सभी भत्ते सहित)
- योग्यता– विषय की आवश्यकता के अनुसार बैचलर/मास्टर डिग्री
- आयु सीमा–21 से 30 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि– 12 जनवरी 2026
- वेबसाइट-www.nabard.org

रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड, रेल मंत्रालय
- पद का नाम– चीफ लॉ असिस्टेंट, पब्लिक प्रॉसिक्यूटर, जूनियर ट्रांसलेटर (हिंदी), सीनियर पब्लिसिटी इंस्पेक्टर, स्टाफ और वेलफेयर इंस्पेक्टर, साइंटिफिक असिस्टेंट (ट्रेनिंग), लैब असिस्टेंट ग्रेड III, साइंटिफिक सुपरवाइजर
- पदों की संख्या–312
- सैलरी–19,900 से 44,900 प्रति माह
- योग्यता–12 वीं से मास्टर डिग्री (पद के अनुसार अलग-अलग)
- आयु सीमा– 18 से 30–40 वर्ष (पदनुसार)
- आवेदन की अंतिम तिथि– 29 जनवरी 2026

नेशनल एल्युमिनियम कंपनी लि.
- पद का नाम– ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी (GET)
- पदों की संख्या–110
- वेतन–40,000 – 1,40,000 प्रति माह
- योग्यता–इंजीनियरिंग/टेक्नोलॉजी में बैचलर डिग्री
- आयु सीमा–अधिकतम 30 वर्ष, 22 जनवरी 2026 तक
- आवेदन की अंतिम तिथि–22 जनवरी 2026
- वेबसाइट-www.nalcoindia.com

बदलती इकोनॉमी में कॉमर्स स्ट्रीम के लिए बेस्ट करियर ऑप्शन

आज के समय में कॉमर्स स्ट्रीम करियर की दृष्टि से एक मजबूत और भरोसेमंद विकल्प के रूप में उभरकर सामने आई है। अकाउंटिंग, फाइनेंस, बैंकिंग और बिजनेस से जुड़े अनेक ऐसे क्षेत्र हैं, जहां न सिर्फ अच्छी सैलरी, बल्कि स्थायी करियर की संभावनाएं भी मौजूद हैं। सही कोर्स, उपयुक्त स्किल्स और व्यावहारिक अनुभव के साथ कॉमर्स स्टूडेंट्स आकर्षक पैकेज हासिल कर सकते हैं। बदलती आर्थिक परिस्थितियां और कॉर्पोरेट सेक्टर की बढ़ती जरूरतें कॉमर्स ग्रेजुएट्स के लिए नए अवसर खोल रही हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी हो जाता है कि कॉमर्स स्टूडेंट्स के लिए कौन-कौन से हाई-पेड करियर ऑप्शन उपलब्ध हैं। – फीचर डेस्क

चार्टर्ड अकाउंटेंट

कॉमर्स स्ट्रीम का सबसे प्रतिष्ठित और हाई-पेड प्रोफेशन माने जाने वाला चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) आज भी करियर की पहली पसंद बना हुआ है। एक सीए कंपनी के ऑडिटिंग, टैक्सेशन और फाइनेंशियल रिपोर्टिंग जैसे अहम कामों की जिम्मेदारी संभालता है। यह कोर्स इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) द्वारा संचालित किया जाता है। करियर की शुरुआत में एक फ्रेशर सीए की सालाना सैलरी करीब 6 से 10 लाख रुपये होती है, जो अनुभव के साथ 15 से 30 लाख रुपये प्रतिवर्ष तक पहुंच सकती है। सीए करके प्रोफेशनल्स कॉर्पोरेट कंपनियों, मल्टीनेशनल फर्म्स और सरकारी संस्थानों में उच्च पदों पर कार्य करने के मौके मिलते हैं।

कंपनी सेक्रेटरी (सीएस)

कॉर्पोरेट गवर्नेंस और कंपनी लॉ में रुचि रखने वाले स्टूडेंट्स के लिए कंपनी सेक्रेटरी एक बेहतरीन और तेजी से उभरता हुआ करियर विकल्प है। बदलते कॉर्पोरेट नियमों और कानूनी ढांचे के चलते सीएस प्रोफेशनल्स की मांग लगातार बढ़ रही है। यह कोर्स इंस्टिट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (ICSI) द्वारा संचालित किया जाता है। सीएस प्रोफेशनल्स बैंकिंग सेक्टर, कॉर्पोरेट हाउस और लीगल फर्म्स में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस फील्ड में शुरुआती सैलरी लगभग 5 से 7 लाख रुपये प्रतिवर्ष होती है।

इंवेस्टमेंट बैंकर

इंवेस्टमेंट बैंकिंग को फाइनेंस की दुनिया का सबसे ग्लैमरस और हाई-रिस्क व हाई-रिवॉर्ड करियर माना जाता है। इंवेस्टमेंट बैंकर कंपनियों को पूंजी जुटाने (Capital Raising), मर्जर-एक्विजिशन और फाइनेंशियल स्ट्रैटजी से जुड़ी सलाह देते हैं। यह प्रोफेशन चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन कमाई के लिहाज से बेहद आकर्षक है। अनुभव, कंपनी, लोकेशन और पद (एनालिस्ट, एसोसिएट, VP, MD) के अनुसार सैलरी में बड़ा अंतर होता है। एक एनालिस्ट की शुरुआती सैलरी करीब 6 से 15 लाख रुपये प्रतिवर्ष हो सकती है।

चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट (सीएफए)

अगर इंटरनेशनल लेवल पर करियर बनाने की बात हो, तो सीएफए कॉमर्स स्टूडेंट्स के लिए टॉप करियर ऑप्शंस में शामिल है। यह एक ग्लोबली रिकग्नाइज्ड प्रोफेशनल क्रेडेंशियल है, जो इंवेस्टमेंट मैनेजमेंट पर फोकस करता है। सीएफए होल्डर्स पोर्टफोलियो मैनेजमेंट, इक्विटी रिसर्च और वेल्थ मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में काम करते हैं। अनुभव और प्रोफाइल के आधार पर सीएफए प्रोफेशनल्स की सैलरी लगभग 10 से 35 लाख रुपये प्रतिवर्ष तक हो सकती है।

MBA (फाइनेंस, मार्केटिंग, HR)

MBA आज भी कॉमर्स स्टूडेंट्स के लिए सबसे पॉपुलर और वर्सेटाइल करियर ऑप्शन बना हुआ है। फाइनेंस, मार्केटिंग और HR जैसे स्पेशलाइजेशन सबसे ज्यादा डिमांड में हैं। इस कोर्स के जरिए स्टूडेंट्स में मैनेजमेंट, लीडरशिप और स्ट्रैटजिक थिंकिंग स्किल्स विकसित होती हैं। MBA के बाद मल्टीनेशनल कंपनियों में काम करने के बेहतरीन अवसर मिलते हैं। कॉलेज और स्पेशलाइजेशन के अनुसार सैलरी पैकेज 6 से 30 लाख रुपये प्रतिवर्ष तक हो सकता है।

कार्यालय नगर पंचायत धौरहरा, लखीमपुर-खीरी

पत्रांक: 1040/न.पं.धौरहरा/एफएसएसएम/2025-26 दिनांक: 31 दिसम्बर, 2025

नगर पंचायत धौरहरा, जनपद-खीरी द्वारा नगर पालिका अधिनियम, 1916 की धारा 298 एवं उसमें दी गयी उपधाराओं तथा शासन द्वारा समय-समय पर जारी शासनादेशों में दिये गये दिशा निर्देशों एवं निकाय की बोर्ड बैठक दिनांक 14.08.2025 के प्रस्ताव संख्या-02 द्वारा उपविधि बनाने हेतु अनुमोदनोपरान्त आनसाइट स्वच्छता व्यवस्था अपशिष्ट (फीकल स्लज सेप्टेज और अपशिष्ट जल) के डीस्लजिंग परिवहन एवं ट्रीटमेन्ट संबंधी और प्रासांगिक अथवा आनुसांगिक मामलों के लिये उपविधि तैयार की गयी है। उपविधि का प्रारूप उक्त ऐक्ट की धारा (1) के अधीन समस्त नगरवासियों को आपत्तियों एवं सुझाव प्राप्त कराये जाने के उद्देश्य से उपविधि की पाण्डुलेख को प्रकाशित किया जाता है जिन पर उसका प्रभाव पडने की सम्भावना है।

अतः जिस किसी को इस सम्बंध में कोई आपत्ति/सुझाव देना हो वह अपनी लिखित आपत्ति/सुझाव कार्यालय नगर पंचायत धौरहरा में इस सूचना प्रकाशन के 30 दिन के अन्दर प्रस्तुत कर सकता है, केवल उन्ही आपत्तियों तथा सुझावों पर विचार किया जायेगा जो इस सूचना के दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित होने की तिथि से 30 दिनों के अन्दर प्राप्त होगी।

फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन के लिए उपविधि-2025

अधिसूचना

उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नगर पंचायत धौरहरा द्वारा घर/भवन/प्रतिष्ठान में ऑनसाइट सेनिटेशन सिस्टम (सेप्टिक टैंक/पिट/सोख्ता) के संग्रहण, ढुलाई और उससे जुड़े मामलों के लिए निम्न लिखित उपविधियां बनाई गयी हैं।

प्राधिकार: ये उपविधि निम्नलिखित प्रावधानों को लागू करने वाला सक्षम ढांचा है:

(क) उत्तर प्रदेश राज्य सेप्टेज प्रबंधन नीति, 2019

(ख) फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन की राष्ट्रीय नीति, 2017

(ग) सीपीएचईईओ मैनुअल ऑन सीवरेज और फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन 2013

(घ) मॉडल निर्माण उपविधि, 2016 तथा अन्य लागू भवन उपविधि

(ङ) प्रोहिबिशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट ऐज़ मैनुअल स्कैवेंजर्स एंड देयर रिहैबिलिटेशन ऐक्ट - 2013

(च) आईएस कोड 2470 भाग। और II, 1985 (1996 रीअफर्म्ड) - सेप्टिक टैंक संस्थापित करने के लिए कार्य व्यवहार संहिता

(छ) केंद्रीय कानून, नियम और विनियमन पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986

(ज) जल (प्रदूषण पर रोक और नियंत्रण) अधिनियम, 1974

(झ) उत्तर प्रदेश के राजकीय कानून जैसे जल और स्वच्छता संबंधी, जैसे कि यू.पी. जल आपूर्ति एव सीवरेज अधिनियम, 1975, उत्तर प्रदेश जल संस्थान जलापूर्ति एवं सीवरेज उपविधि, 2008; तथा अन्य कोई प्रासंगिक राजकीय कानून।

क्षेत्र (स्कोप)

ये उपविधि **नगर पंचायत धौरहरा** की प्रशासनिक सीमा के भीतर फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन में संलग्न सभी हितधारकों पर लागू होते हैं, जिसमे सेप्टिक टैंक वाले घरों के मालिक एवं उपयोगकर्ता, सेप्टिक टैंक सफाई ऑपरेटर तथा निकाय के उपचार और निस्तारण में संलग्न जवाब देह एजेंसियां शामिल हैं। यह उपविधि सभी सार्वजनिक, निजी, आवासीय, वाणिज्यिक, संस्थागत, प्रस्तावित, नियोजित या निकाय **नगर पंचायत धौरहरा** भवनों पर लागू होगा।

अध्याय - I

प्रारंभिक

1. संक्षेप - शीर्षक, विस्तार और आरंभ

(i). इन उपविधियों को **'नगर पंचायत धौरहरा फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन (FSSM) उपविधि, 2025 कहा जा सकता है।**

(ii). ये उपविधि उत्तर प्रदेश राज-पत्र (गजट) में प्रकाशित होने की तारीख से क्रियान्वित होंगे और निकाय की प्रशासकीय परीसीमा के अंदर लागू होंगी।

2. परिभाषा

I. **"एक्सेस कवर"** का अर्थ है निरीक्षण, सफाई तथा अन्य रखरखाव कार्य हेतु सेप्टिक टैंक/ पिट में अंदर जाने के लिए छेद या रास्ता जिसको ढक्कन या आवरण से बंद किया हो;

II. **"अपेलेट बॉडी"** निकाय, शहरी स्वच्छता समिति, और/या, कोई अन्य संबंधित प्रासंगिक अधिकृत समिति के सदस्यों से मिल कर बना एक समूह है जिसका उद्देश्य उपविधियों से संबंधित किसी भी विवाद, अपील या मुद्दे का संबोधन करना है;

III. **फीकल स्लज या सेप्टेज का को-ट्रीटमेंट"** उस प्रक्रिया को कहते हैं जिसमें सीवेज उपचार सुविधा (एसटीपी) में, शहरों के सीवर के जरिए से ले जाने वाले घरेलू सीवेज के उपचार के अलावा, विभिन्न ऑन-साइट स्वच्छता प्रणालियों के फीकल स्लज और सेप्टेज (एफएसएस) का भी उपचार किया जाता है;

IV. **"को-ट्रीटमेंट फैसिलिटी"** का तात्पर्य है ऐसा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट जिसमें फिकल स्लज के उपचार के लिए पर्याप्त प्रावधान उपलब्ध हो;

V. **"विकेंद्रीकृत अपशिष्ट जल उपचार (DWWT) प्रणाली"** का तात्पर्य है ऐसी पद्धति से है जिसमें निजी आवासों, आवासीय संकुलों, एकल समुदायों, उद्योगों, संस्थानों या उत्पादन स्थल के निकट अपशिष्ट जल का संग्रहण, उपचार किया जाता है और निस्तारण/दुबारा इस्तेमाल योग्य बनाया जाता है। ये प्रणाली अपशिष्ट जल के तरल और ठोस दोनों घटकों के लिए प्रयुक्त होते हैं;

VI. **"नियुक्त अधिकारी"** निकाय का ऐसा अधिकारी जिसे (नगर आयुक्त/अधिशाषी अधिकारी) द्वारा लाइसेंस जारी करने के लिए अथवा उसे सौंपे गए किसी अन्य कार्य करने के लिए अधिकृत किया गया हो;

VII. **"डिस्लजिंग"** का तात्पर्य है लाइसेंसधारी ऑपरेटर अथवा निकाय के प्रशिक्षित सफाई कर्मचारियों द्वारा सेप्टिक टैंक/पिट से फीकल स्लज और सेप्टेज निकालने की प्रक्रिया;

VIII. **"निस्तारण"** का तात्पर्य है फीकल स्लज एवं सेप्टेज का अधिसूचित स्थान तक परिवहन एवं निर्वहन;

IX. **"एफ्लूयंट"** का तात्पर्य है सेप्टिक टैंक से निकलने वाला अधिप्लावी (द्रव);

X. **"फीकल स्लज एवं सेप्टेज"** का तात्पर्य है सेप्टिक टैंक अथवा ऑनसाइट सेनिटेशन प्रणालियों में जमी हुई या नीचे बैठी हुई सामग्री;

XI. **"फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट (FSTP)"** का तात्पर्य है सुरक्षित निस्तारण और दुबारा इस्तेमाल के निर्धारित मानदंडो के अनुदार ठोस और तरल घटकों को हटाने वाला स्वतंत्र फीकल स्लज एवं सेप्टेज उपचार संयंत्र;

XII. **"ग्रे वाटर"** का तात्पर्य है घरेलू अपशिष्ट जल से है जिसमें मानव मल नहीं होता। यह घर की सफाई से निकला पानी, रसोई और स्नानघर का पानी हो सकता है;

XIII. **"होस्ट यूएलबी"** का तात्पर्य है वह निकाय जो उपचार संयंत्र के संचालन और रखरखाव के लिए जिम्मेदार होता है और जो संयंत्र में निकटवर्ती निकाय के फीकल स्लज एवं सेप्टेज को उपचार की अनुमति देता है। अपनी अधिकतम क्षमता को हासिल करने तक होस्ट निकाय'होस्ट' बना रहेगा;

XIV. **"ईनसैनिटरी लेट्रिन्स"** का तात्पर्य उन शौचालयों से है जहां रात की मिट्टी (मल-कीचड़) को किसी मानव या जानवरों द्वारा ढोया या हटाया जाता है, तथा मल कीचड़ को खुली नालियों या गड्ढों में डाल दिया जाता है;

XV. **"लाइसेंस"** का अर्थ है किसी व्यक्ति को दी गई लिखित अनुमति, जिसकी मंशा फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन सेवाओं को पूरा करना होती है, जिसमें उद्देश्य, समय अवधि, नाम, पता और मार्ग आदि का उल्लेख निकाय के अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर के अंतर्गत किया जाता है;

XVI. **"लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर"** (लाइसेंसधारी) का अर्थ है ऐसा व्यक्ति जिसे फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन सेवाएं प्रदान करने हेतु निकाय द्वारा पंजीकृत किया गया हो;

XVII. **"अधिसूचित स्थान"** का अर्थ होता है निकाय द्वारा परिभाषित और निर्धारित फीकल स्लज एवं सेप्टेज की आपूर्ति और निस्तारण का स्थान;

XVIII. **"ऑनसाइट सेनिटेशन सिस्टम (ओएसएस)"** ऐसी स्वच्छता प्रणाली है जो पूरी तरह से निजी/ व्यावसायिक/सरकारी आवास और उसके आस-पास के भूखंड पर स्थित होता है। आमतौर पर, भूखंड पर स्वच्छता 'घरेलू शौचालय' के समान है, लेकिन इसमें एक ही भूखंड पर एक साथ रहने वाले कई परिवारों द्वारा साझा की जाने वाली सुविधाएं हो सकती हैं;

XIX. **"ऑपरेटर"** का तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जो फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकालने और उसके परिवहन के व्यवसाय में संलग्न है;

XX. **"मालिक"** का अर्थ है वह व्यक्ति जो निकाय की सीमा के भीतर स्थित किसी भवन या उसके किसी हिस्से का मालिक हो;

XXI. **"व्यक्ति"** का तात्पर्य एक एसे व्यक्ति से है एक एजेंसी, एक ट्रस्ट, एक समाज, एक फर्म या एक कंपनी को संदर्भित करता है प्रासंगिक कानूनों के तहत निगमित कंपनी, व्यक्तियों का एक संघ या व्यक्ति का एक निकाय चाहे निगमित हो या नहीं;

XXII. **"सैनिटरी लेट्रिन्स"** का अर्थ होगा सेप्टिक टैंक अथवा कोई ओएसएस अथवा भूमिगत सीवरेज प्रणाली से जुड़े शौचालय और मूत्रालय के प्रकार और बनावट जो मल (अपचित मलमूत्र) के सुरक्षित परिरोधन और निस्तारण को सुनिश्चित करता हो, जिनमें से प्रत्येक का निर्माण निकाय द्वारा जारी किए गए डिजाइन विनिर्देश और दिशानिर्देश के अनुरूप नियमानुसार किया गया हो;

XXIII. **"सेप्टिक टैंक"** भूमिगत निर्मित टैंक है जो आंशिक रूप से ठोस जमाव और अवायवीय पाचन के संयोजन द्वारा आंशिक रूप से फीकल स्लज एवं सेप्टेज का उपचार करता है, जिसका निर्माण आईएस कोड 2470 के डिजाइन विनिर्देश या निकाय द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया है।

XXIV. **"शेड्यूल्ड डीस्लजिंग"** का अर्थ है केंद्रीय लोक स्वास्थ्य एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग संगठन (सीपीएचईईओ) की अनुशंसाओं के आधार पर 2 - 3 वर्षों के अंतराल पर ओएसएस को नियमित रूप से खाली कराने की प्रक्रिया।

XXV. **"सेप्टेज"** का अर्थ है अच्छी तरह डिजायन किए हुए सेप्टिक टैंक से निकलने वाला फीकल स्लज।

XXVI. **"सीवेज"** का अर्थ है ब्लैक और ग्रे पानी का मिश्रण है जिसे सीवरों के माध्यम से प्रवाहित किया जाता है। इसे वेस्ट वॉटर/ यूज्ड वॉटर भी कहा जाता है।

XXVII. **"सीवर"** वो प्रणाली (सीवर लाइन / पाइप लाइन) जिसके माध्यम से समुदाय के अपशिष्ट जल को बहाया जाता है।

XXVIII. **"सीवेज पम्पिंग स्टेशन"** का अर्थ होता है शहर में सीवर नेटवर्क के पंप-हाउस का भंडारण और संग्रह कक्ष, जहाँ से सीवेज यानी मल जल या अपवाह को निर्दिष्ट स्थान पर पंप करके भेजा जाता है।

XXIX. **"सीवेज उपचार संयंत्र"** का अर्थ उस स्थान से है जहां सुरक्षित निस्तारण और दुबारा उपयोग के लिए निर्धारित मानकों के अनुसार मल जल का उपचार किया जाता है।

XXX. **"निकाय के प्रशिक्षित सफाई कर्मी"** का अर्थ है निकाय के कर्मचारी या निकाय लाइसेंसी वैक्यूम टैंकर का इस्तेमाल कर फीकल स्लज एवं सेप्टेज की सफाई करने या उसे खाली करने और ढुलाई के उद्देश्य के लिए निकाय द्वारा नियुक्त और प्रशिक्षित अनुबंधित अथवा काम पर लिए गए कर्मचारी।

XXXI. **"परिवहन या ढुलाई"** का अर्थ है लाइसेंस धारी वाहन के माध्यम से (एफएसएस) निकाले के स्थान से निर्दिष्ट निस्तारण स्थल तक फीकल स्लज एवं सेप्टेज की सुरक्षित ढुलाई।

XXXII. **"उपचार"** का अर्थ है प्रदूषण को कम करने या रोकने के लिए एफएसएस/मल जल/अपशिष्ट जल के भौतिक, रासायनिक या जैविक और रेडियोलॉजिकल विशेषता या संरचना को बदलने के लिए तैयार की गई कोई वैज्ञानिक पद्धति या प्रक्रिया।

XXXIII. **"उपचार सुविधा"** का अर्थ होगा निकाय के विनिर्देशों और दिशानिर्देशों के आधार पर बने अधिसूचित फीकल स्लज उपचार और निस्तारण हेतु निर्मित स्थल

XXXIV. **"यूएलबी क्लस्टर"** का अर्थ होगा होस्ट निकाय और इसके निकटस्थ यूएलबी/ग्राम पंचायत, जिन्हें शहर में स्थित उपचार संयंत्र में एफएस के सुरक्षित निस्तारण के लिए होस्ट निकाय जिसके साथ एमओयू की आवश्यकता होगी।

XXXV. **"निकाय पंजीकृत (वैक्यूम) टैंक"** का अर्थ ऐसे वैक्यूम टैंकर से है, जिसे निर्दिष्ट उद्देश्य पूरा करने हेतु निकाय द्वारा विधिवत पंजीकृत कराया गया हो, जिसे निकाय द्वारा निकाय क्षेत्र में फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन सेवाएं प्रदान करने हेतु निकाय द्वारा पंजीकृत किया गया हो।

XXXVI. **"निर्वात टैंकर (वैक्यूम टैंकर)"** ऐसा वाहन होता है जिसमें एक पंप और टंकी होती है, जिसे साइट पर स्वच्छता प्रणालियों से फीकल स्लज एवं सेप्टेज को वैक्यूम की मदद से खींचने के लिए बनाया गया है। इन वाहनों का उपयोग सेप्टिक टैंक से निकाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज के परिवहन के लिए भी किया जाता है।

XXXVII. **"अपशिष्ट जल (वेस्ट वॉटर)/यूज्ड वॉटर"** का अर्थ घरेलू/व्यावसायिक अथवा अन्य मानवीय गतिविधियों से निकले तरल प्रवाह से है, जिसमें शौचालय, रसोई और सफाई कार्य से निकला पानी, लेकिन इसमें विनिर्माण और औद्योगिक गतिविधियों से निकलने वाला पानी शामिल नहीं है। आमतौर पर इस तरह के प्रवाह को वर्षा-जल नालियों के माध्यम से बहाया हो, इस प्रकार इसमें तूफानी जल भी शामिल होता है।

XXXVIII. **"कर्मी"** का अर्थ है लाइसेंसधारी ऑपरेटर द्वारा फीकल स्लज एवं सेप्टेज की फीकल स्लज निकासी, ढुलाई और निस्तारण के लिए नियुक्त व्यक्ति।

सभी अन्य शब्द और अभिव्यक्ति जो इन उपविधियों में प्रयुक्त हुए हैं और जो इन उपविधियों में परिभाषित नहीं किए गए हैं और जो यहां ऊपर भी परिभाषित नहीं है लेकिन जिन्हें अधिनियम में अथवा वर्तमान में लागू किसी अन्य कानून में परिभाषित किया गया है उनका अर्थ वही होगा जो अधिनियम या कानून के तहत क्रमशः उन्हें प्रदान किया गया है और उसके अभाव में उनका अर्थ वही होगा जो जलापूर्ति और मल जल उपचार/निस्तारण उद्योग में आमतौर पर समझा जाता है।

अध्याय - II

अपशिष्ट जल का प्रबंधन और निस्तारण

3. परिसर में अपशिष्ट जल का प्रबंधन और निस्तारण

निकाय में प्रत्येक संपत्ति के मालिक/अधिग्राही (जिसमें मौजूदा या प्रस्तावित, आवासीय और व्यावसायिक और अन्य शामिल हैं तथा इसी तक सीमित नहीं हैं) यह सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी होंगे कि उनके परिसर से अपशिष्ट जल को निम्नलिखित तरीके से किसी भी या किसी के संयोजन के माध्यम से उपचार या निस्तारण किया जाता है, अर्थात्:

i. यदि घर की सीमा से 30 मीटर की दूरी या उतनी दूरी जितनी दूर से सीवर कनेक्शन घर तक आ सकता हो, या घर का मालिक कनेक्शन लेने के लिए कोई शुल्क अथवा कोई और जरूरत के अनुसार प्रक्रिया पूर्ण करा कर करे।

ii. अपशिष्ट जल को एक निकाय अनुमोदित समुदाय या स्थानीय क्षेत्र उपचार सुविधा तक पहुंचाया जाता है।

iii. यदि संपत्ति के 30 मीटर में कोई सीवर नहीं है, तो मालिक को यह सुनिश्चित करना होगा कि अपशिष्ट जल को साइट की उपचार प्रणाली में ले जाया जाए, जिसमें सेप्टिक टैंक या ट्विन-पिट या सोक-पिट या साइट पर स्थित आईएस कोड 2470 भाग 1 और 2 के अनुसार निर्मित अन्य प्रणाली शामिल हो सकती हैं। (देखें परिशिष्ट-1)।

iv. वे परिसंपत्तियाँ जो प्रतिदिन 05 किलो लीटर से अधिक अपशिष्ट जल उत्पन्न करती हैं और उनके परिसर के भीतर 230 वर्ग मीटर से अधिक खुला क्षेत्र है, तो उसमें एक विकेन्द्रीकृत अपशिष्ट जल उपचार प्रणाली स्थापित की जाए ताकि संपत्ति में एकत्र अपशिष्ट जल का उपचार किया जा सके। संपत्ति के मालिक द्वारा बागवानी / फ्लशिंग के लिए उपचारित अपशिष्ट जल का पुन: उपयोग किया जाए ताकि ताजे पानी पर निर्भरता कम हो।

अध्याय - III

ऑनसाइट स्वच्छता प्रणालियाँ

4. मालिक या अभिग्राही के कर्त्तव्य और अनुपालन

निकाय के दायरे में स्थित किसी भवन या उसके हिस्से का मालिक या अभिग्राही, जैसा भी मामला हो, इन उपविधियों के लागू होने की तारीख से निम्नलिखित दायित्वों को पूरा करने के लिए जिम्मेदार होंगे:

उपविधियों के अनुसार प्राधिकार द्वारा जारी सूचना में निर्दिष्ट समय के भीतर वह ऐसे भवन में इंसेनिटरी लेट्रिन्स उपयोग को बंद कर देंगे और निकटवर्ती सामान्य नालियों या खुले भूखंड या जल निकायों के सभी निर्गम को भी बंद कर देंगे तथा अपने स्वामित्व वाले या अपने उपयोग किए जाने वाले भवनों में केवल सेनिटरी लेट्रिन्स का निर्माण, संचालन और उनका रखरखाव करेंगे।

5. ओएसएस का डिजाइन, निर्माण और रखरखाव

i. ओएसएस का डिजाइन, निर्माण और उनकी स्थापना 'आईएस कोड 2470 भाग 1 और 2' के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा, या इसके समय समय पर किए गए संशोधित प्रावधान अथवा नगर पंचायत धौरहरा या राज्य सरकार या केंद्र सरकार द्वारा जारी किसी अन्य स्वीकृत उपयुक्त अभियांत्रिकी कार्य संहिता द्वारा संशोधित किया गया हो।

ii. ओएसएस से जुड़ी संपत्ति के मालिक/निवासी ऐसे ओएसएस से निकलने वाले फीकल स्लज के अनुरक्षण, रख-रखाव और सुरक्षित निस्तारण के लिए जिम्मेदार होंगे।

iii. परिसर का मालिक नगर पंचायत धौरहरा द्वारा निर्धारित लागत के भुगतान पर नियमित आधार पर (प्रत्येक 2-3 वर्ष में) फीकल स्लज साफ करने का काम करेगा। (अथवा जैसा कि परिशिष्ट 2 में सुझाया गया है)।

iv. परिसर का मालिक सुनिश्चित करेगा कि कंटेनमेंट संयंत्र के खराब या दोषपूर्ण निर्माण के कारण फीकल स्लज के खुली जगहों में या नाली में गिरने से पर्यावरण प्रदूषित नहीं हो।

v. परिसर के मालिक को यह सुनिश्चित करना होगा कि सेप्टिक टैंक को लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर या नगर पंचायत धौरहरा के प्रशिक्षित स्वच्छता कर्मियों द्वारा पर्याप्त सुरक्षा उपायों के साथ यांत्रिक रूप से साफ किया जाता है और हाथ से सफाई ना हो।

vi. नियमों के पालन के लिए नगर पंचायत धौरहरा या उसके अधिकृत प्रतिनिधि को ही परिसर का निरीक्षण करने का अधिकार है। नगर पंचायत धौरहरा समय-सीमा के भीतर अपने खर्चे पर अपशिष्ट जल प्रबंधन और निस्तारण से संबंधित नियम उल्लंघन की स्थिति में सुधार / संशोधन के लिए परिसर के मालिक के लिए चेतावनी जारी कर सकता है।

vii. नगर पंचायत धौरहरा अपने विवेक पर, गैर-अनुपालन प्रणालियों के रेट्रोफिटिंग / सुधार के लिए संपत्ति मालिकों को प्रोत्साहन प्रदान कर सकता है और वैकल्पिक प्रणालियों का सुझाव देने के लिए तकनीकी विशेषज्ञों को शामिल कर सकता है।

अध्याय IV

फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रहण और ढुलाई के लिए लाइसेंस और पंजीकरण

6. निकाय द्वारा जारी किया जाने वाला लाइसेंस

i. नगर पंचायत धौरहरा वर्तमान में अपनी प्रशासनिक सीमाओं में फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकालने की सेवाएँ प्रदान करने वाले निजी ऑपरेटरों के स्वामित्व वाले या किराए पर लिए गए वैक्यूम टैंकरों को पंजीकृत करेगा।

ii. नगर पंचायत धौरहरा अपने कर्मियों सहित ओपेरटरों के लिए आईईसी और क्षमता निर्माण गतिविधियाँ करेगा, जहां उन्हें फीकल स्लज एवं सेप्टेज को सुरक्षित तरीके से खाली करने और ढुलाई के लिए उपयुक्त तरीके से इस्तेमाल करने के लिए जागरुक और प्रशिक्षित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण पंजीकरण की तिथि के 1 महीने के भीतर किया जाएगा।

iii. जब ऑपरेटर को लगे कि वह लाइसेंसिंग के मानदंडों के अनुपालन में सफल है, तो वह इन उपविधियों के फॉर्म 1 (परिशिष्ट-4) की मदद से इसके लिए आवेदन कर सकता है। इसे प्रशिक्षण के पूरा होने के 2 महीने से अधिक नहीं बढ़ाया जाएगा।

iv. नगर पंचायत धौरहरा ऑपरेटर द्वारा अधिसूचित स्थानों पर फीकल स्लज निकालने और फीकल स्लज एवं सेप्टेज की ढुलाई के लिए लाइसेंस जारी करेगा।

v. इन विनियमों के फॉर्म 2 (परिशिष्ट-5) में निर्धारित प्रारूप के अनुसार लाइसेंस जारी किया जाएगा, और यदि इसे पहले रद्द नहीं किया जाता है तो जारी होने की तिथि से एक वर्ष के लिए वैध होगा, और अवधि समाप्त होने पर निर्धारित शुल्क का भुगतान करने पर लाइसेंसधारी ऑपरेटर द्वारा नियमों और शर्तों की पूर्ति के अधीन नवीकरणीय होगा।

7. लाइसेंस जारी करने की शर्तें

i. लाइसेंस हासिल करने के पात्र आवेदक का अर्थ इन उपविधियों के खंड 2 (xxi) में परिभाषित "व्यक्ति" से होगा।

ii. आवेदक को उचित सक्शन/वैक्यूम और डिस्चार्जिंग व्यवस्था के साथ रिसाव-मुक्त, गंध और छिलकाव रहित परिवहन वाहन का मालिक होना चाहिए या ऐसा वाहन उसे किराए पर लेना चाहिए।

iii. नगर पंचायत धौरहरा में परिचालन के लिए वाहन का परिवहन विभाग द्वारा जारी वैध परमिट या पंजीकरण प्रमाणपत्र होगा।

iv. आवेदक अपने वैक्यूम टैंकर को नगर पंचायत धौरहरा के साथ पंजीकृत करेगा।

क्रमशः 15

v. आवेदक का यह उत्तरदायित्व होगा कि उसके स्वामित्व वाले/किराए पर लिए गए वैक्यूम टैंकर इन विनियमों के खंड 16 में दिए गए मानदंडों को पूरा करते हैं।

vi. आवेदक का यह भी उत्तरदायित्व होगा कि नगर पंचायत धौरहरा या उसके द्वारा किराए पर ली गई एजेंसी द्वारा इस उद्देश्य के लिए नियुक्त कर्मी पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित हैं।

vii. आवेदक द्वारा कर्मियों को सुरक्षा उपस्कर और अन्य सुरक्षात्मक उपकरणों से लैस रखा जाएगा, जो कि सुरक्षित रूप से फीकल स्लज निकालने, उसकी ढुलाई करने और अधिसूचित स्थानों पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निस्तारण करने के लिए आवश्यक हैं। जरूरी पीपीई इस उपनविधि के परिशिष्ट-3 में दी गई सूची के अनुसार होगा।

8. लाइसेंस के लिए आवेदन

फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकालने, परिवहन और निपटान हेतु लाइसेंस प्राप्त करने के लिए आवेदन एफएसएस का निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत किया जाएगा, जो इन उपविधियों के फॉर्म 1 के रूप में संलग्न है, जिसमें नियमों और शर्तों सहित ऐसे दस्तावेजों के साथ जैसा कि निकाय के नामित अधिकारी (परिशिष्ट-4 देखें) द्वारा निर्धारित किया गया हो। नगर पंचायत धौरहरा द्वारा सत्यापन एवं प्रशिक्षण के बाद ही फीकल स्लज एवं सेप्टेज का संग्रहण, परिवहन एवं निपटन का लाइसेंस ऑपरेटर को दिया जायेगा (फॉर्म-2, परिशिष्ट-5)।

9. लाइसेंस के लिए आवेदन करने हेतु आमंत्रण

लाइसेंस के लिए आवेदन करने हेतु नगर पंचायत धौरहरा द्वारा संभावित आवेदकों को आमंत्रित करते हुए समय-समय पर अपनी वेबसाइट पर और प्रमुख समाचार पत्रों तथा अन्य प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से व्यापक विज्ञापन दिया जाएगा।

10. लाइसेंस के लिए पंजीकरण शुल्क

नए निजी ऑपरेटरों (फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकालने वाला) के लिए लाइसेंस प्रदान करने हेतु पंजीकरण पूरा करने के लिए समय-समय पर नगर पंचायत धौरहरा द्वारा निर्धारित पंजीकरण शुल्क (10.1 देखें) लिया जा सकता है। यह शुल्क लौटाया नहीं जाएगा और इसका भुगतान इलेक्ट्रॉनिक या नगद स्वरूप में किया जा सकता है।

10.1 पंजीकरण के शुल्क और वैधता

i. ऑपरेटर के रूप में नए निजी ऑपरेटरों को पंजीकृत कराने हेतु पंजीकरण शुल्क रु. 5000.00

ii. पंजीकरण की वैधता: पंजीकृत निजी ऑपरेटर, लाइसेंस नवीनीकरण शुल्क जमा करके अधिकतम 01 वर्ष (01 अप्रैल से 31 मार्च) तक शहर को अपनी सेवा दे सकता है। यदि निजी ऑपरेटर लाइसेंस नवीनीकरण करने में विफल रहता है तो उसका पंजीकरण स्वतः रद्द हो जाएगा और यदि वह शहर की सीमाओं में फीकल स्लज हटाने वाली सेवाओं को फिर से शुरू करना चाहता है तो उसे पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

iii. लाइसेंस नवीनीकरण शुल्क: रु. 5000.00

11. लाइंसेसधारी ऑपरेटर का विज्ञापन

नगर पंचायत धौरहरा द्वारा समय-समय पर अपनी वेबसाइट के साथ-साथ प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से लाइंसेसशुदा ऑपरेटर का व्यापक विज्ञापन दिया जाएगा।

12. जागरुकता अभियान

इन उपविधियों के बारे में जागरूक करने के साथ-साथ फीकल स्लज एवं सेप्टेज की सफाई, ढुलाई और निस्तारण हेतु नगर पंचायत धौरहरा द्वारा लोगों को केवल लाइंसेसधारी ऑपरेटर को शामिल करने की आवश्यकता के बारे में जागरूक बनाने का अभियान चलाए जाएगा।

अध्याय V

फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निष्कासन/संग्रहण (डीस्लजिंग) और परिवहन (ढुलाई)

13. संपत्ति के मालिक या अभिग्राही द्वारा केवल लाइंसेसधारी ऑपरेटर को काम पर रखा जाएगा

i. भवन के प्रत्येक मालिक/अभिग्राही का यह दायित्व होगा कि वह फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकासी और ढुलाई के लिए नगर पंचायत धौरहरा के लाइसेंसधारी ऑपरेटर अथवा प्रशिक्षित सफाई कर्मियों की ही सेवाएं लें।

ii. मालिक/अधिभोगी डीस्लजिंग सेवा से सम्बंधित सम्पूर्ण जानकारी ऑपरेटर को प्रदान करेगा (परिशिष्ट-6 देखें)।

14. फीकल स्लज एवं सेप्टेज की निकासी/ढुलाई का शुल्क

i. समय-समय पर अधिसूचित स्थानों पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकासी और ढुलाई का शुल्क निकाय के नामित अधिकारी द्वारा अधिसूचित किया जाएगा (परिशिष्ट 2 देखें)।

ii. शहर में जब कभी नगर पंचायत धौरहरा द्वारा "शेड्यूल्ड डीस्लजिंग" पालन करने का फैसला किया जाता है, तो फीकल स्लज निकासी शुल्क को 'सफाई शुल्क' से बदल दिया जाएगा या इसे संपत्ति/जल कर में शामिल किया जा सकता है, जिसे नगर पंचायत धौरहरा द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किया जाएगा।

iii. लाइसेंस धारी ऑपरेटर सम्पत्ति के मालिक/अभिग्राही से निकाय द्वारा समय-समय पर अधिसूचित शुल्क से अधिक राशि नहीं वसूलेगा।

iv. फीकल स्लज एवं सेप्टेज की निकासी और ढुलाई कार्य के लिए अधिसूचित शुल्क से अधिक राशि मांगने पर लाइसेंस धारी ऑपरेटर का लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा और इन उपविधियों के उल्लंघन के लिए निर्धारित जुर्माना लगाया जाएगा।

15. फीकल स्लज एवं सेप्टेज की ढुलाई के वाहन

i. फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकासी और ढुलाई कार्य केवल लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर या नगर पंचायत धौरहरा के प्रशिक्षित सफाई कर्मियों द्वारा ही किया जाएगा।

ii. आवश्यक शर्तों के पूरा नहीं होने पर भी वैक्यूम टैंकर को 1 वर्ष की अवधि के लिए पंजीकृत कराया जा सकता है। ऐसी स्थिति में, संबंधित ऑपरेटर को निश्चित समय सीमा के भीतर वैक्यूम टैंकर को समुन्नत अपग्रेड करना चाहिए।

iii. डीस्लजिंग वाहनों का परिचालन फीकल स्लज एवं सेप्टेज की सुरक्षित और कुशल ढुलाई के लिए समय-समय पर नगर पंचायत धौरहरा द्वारा चिह्नित निर्दिष्ट मार्गों पर ही किया जाएगा।

iv. ऑपरेटर को जारी लाइसेंस की एक प्रति और नगर पंचायत धौरहरा वाहन का पंजीकरण नंबर फीकल स्लज एवं सेप्टेज की ढुलाई हेतु प्रयुक्त वाहन पर स्पष्टता से प्रदर्शित किया जाएगा।

v. वाहन/टैंकर को पीले रंग से पेंट किया जाएगा जिस पर लाल रंग में (सावधानी के लिए) "**septic tank waste**" (अंग्रेजी में) और "**मलकुंड अपशिष्ट**" (हिंदी में) लिखा होगा।

vi. फीकल स्लज एवं सेप्टेज की ढुलाई में प्रयुक्त प्रत्येक वाहन में जीपीएस उपकरण (निकाय द्वारा प्रदत्त) लगाया जाएगा और इसका एक्सेस अधिकार [नगर आयुक्त या अधिशासी अधिकारी] और ऐसे वाहनों की ट्रैकिंग के लिए निकाय द्वारा अधिसूचित एजेंसी के पास होगा।

16. ढुलाई के दौरान सावधानी

लाइसेंस धारी ऑपरेटर यह सुनिश्चित करेगा कि निस्तारण के लिए डीस्लजिंग स्थल से अधिसूचित स्थान तक ढुलाई के दौरान फीकल स्लज एवं सेप्टेज से कोई रिसाव या छलकाव न हो।

17. दुर्घटना की स्थिति में बचावकारी उपाय

फीकल स्लज एवं सेप्टेज ले जाने वाला वाहन संचलन के दौरान किसी भी आकस्मिक छलकाव के कारण पर्यावरण के लिए किसी भी खतरे से बचने के लिए पर्याप्त रूप से सुसज्जित होना चाहिए।

18. दुर्घटना की स्थिति में लाइसेंसधारी ऑपरेटर की जिम्मेदारी

किसी दुर्घटना या आपदा की स्थिति में लाइसेंसधारी ऑपरेटर किसी भी व्यक्ति, वाहन, संपत्ति या पर्यावरण को होने वाले किसी भी प्रकार के नुकसान के लिए पूर्ण जिम्मेदार होगा और ऐसे में यदि किसी प्राधिकारी अथवा न्यायालय द्वारा पीड़ितों / उनके कानूनी उत्तराधिकारियों को किसी प्रकार के क्षति शुल्क या मुआवजा प्रदान किए जाने का निर्णय दिया जाता है तो उसका भुगतान उसे ही करना होगा।

19. नियुक्त कर्मियों के लिए सुरक्षा - उपाय

हाथ में रखकर इस्तेमाल होने वाले गैस-डिटेक्टर, गैस-मास्क, सुरक्षा उपकरण, ऑक्सीजन-सिलेंडर के साथ ऑक्सीजन-मास्क और प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स आदि के प्रावधान सहित सभी सुरक्षा उपाय तथा प्रोहिबिशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट एज मैनुअल स्कैवेंजर्स एंड देयर रिहैबिलिटेशन एक्ट , 2013 में निर्दिष्ट ऐसे अन्य उपाय उपलब्ध कराने के लिए लाइसेंसधारी ऑपरेटर जिम्मेदार होगा।

20. फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निस्तारण

i. लाइसेंसधारी ऑपरेटर नगर पंचायत धौरहरा द्वारा समय-समय पर अधिसूचित स्थानों पर ही फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निस्तारण करेगा।

ii. लाइसेंस धारी ऑपरेटर इन उपविधि के फॉर्म 3 में निर्धारित विधिवत हस्ताक्षरित फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकासी और निस्तारण फॉर्म, जो विधिवत रूप से भरा गया और हस्ताक्षरित हो, अधिसूचित स्थानों पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने के लिए नामित निकाय के अधिकारी के पास जमा करेगा (परिशिष्ट-6 देखें)।

iii. होस्ट यूएलबी ये सुनिश्चित करेगा की उपचार सुविधा पर यूएलबी क्लस्टर या ग्राम पंचायत का पंजीकृत ऑपरेटर ही फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निस्तारण करे।

21. निकाय (उपचार सुविधा वाले) के अधिकार

i. निकाय किसी पास के निकाय या ग्राम पंचायतों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) (परिशिष्ट 7, फॉर्म-4) पर हस्ताक्षर करेगा और इसके तहत केंद्र पर उपलब्ध उपचार सुविधा पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज के सुरक्षित निस्तारण की अनुमति देने के लिए होस्ट यूएलबी बन जाएगा।

ii. नगर पंचायत धौरहरा होस्ट यूएलबी से जुड़े यूएलबी क्लस्टर की सीमा के अंदर काम करने वाले (निजी/सरकारी) ऑपरेटर को उपचार सुविधा के परिचालन अवधि, निस्तारण प्रक्रिया, टिपिंग शुल्क और निर्दिष्ट अवधि के दौरान प्रतिबंधित किए गए वितरण मार्गों के बारे में सूचित करेगा।

iii. नगर पंचायत धौरहरा वैक्यूम टैंकर की गुणवत्ता और रखरखाव का निरीक्षण करेगा और उनपर नियंत्रण रखेगा।

iv. संग्रहीत किए जाने वाले और उपचार सुविधा पर ढोए जाने वाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज की गुणवत्ता का निरीक्षण नगर पंचायत धौरहरा द्वारा किया जाएगा।

v. होस्ट यूएलबी अन्य क्लस्टर यूएलबी या ग्राम पंचायत को फीकल स्लज एवं सेप्टेज की उस स्वीकार्य मात्रा के बारे में जानकारी देगा जिसे "उपचार सुविधा" में निस्तारित किया जा सकता है।

vi. एमओयू अवधि के किसी भी समय, यदि "होस्ट यूएलबी" को लगे कि क्लस्टर यूएलबी/ग्राम पंचायत से आने वाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज को निस्तारित नहीं किया जा सकता है, तो ऐसी स्थिति आने से पहले होस्ट यूएलबी कम से कम 15 दिन पहले इसकी सूचना देगा।

22. निकाय (बिना उपचार सुविधा वाला) के कर्त्तव्य

i. निकाय या ग्राम पंचायत [जिनके पास उपचार सुविधा नहीं है उस निकाय का नाम] होस्ट यूएलबी के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करेगा और होस्ट यूएलबी के पास उपलब्ध उपचार सुविधा पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज के सुरक्षित निस्तारण के लिए क्लस्टर यूएलबी का सदस्य बनेगा।

ii. निकाय या ग्राम पंचायत (जिनके पास उपचार संयंत्र नहीं है) अपने प्रशासनिक क्षेत्र में काम करने वाले (निजी/सरकारी) ऑपरेटरों को उपचार सुविधा की कार्य अवधि, निस्तारण प्रक्रिया, टिपिंग शुल्क (यदि कोई हो) निकाय द्वारा निर्धारित निर्दिष्ट घंटों के दौरान विशिष्ट आपूर्ति मार्ग के जानकारी देंगे।

iii. यदि निकाय होस्ट यूएलबी के क्लस्टर यूएलबी की स्पष्ट सीमा में नहीं है, तो निकाय उपचार के बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए राज्य के पास पहुंच सकता है और फीकल स्लज एवं सेप्टेज के लिए एक अंतरिम निस्तारण स्थल विकसित कर सकता है।

iv. नगर पंचायत धौरहरा विनिर्दिष्ट वाहनों की गुणवत्ता और रखरखाव का निरीक्षण करेगा और उन पर नियंत्रण रखेगा।

v. होस्ट यूएलबी संग्रहीत किए जाने और निर्दिष्ट निस्तारण स्थल तक ढोए जाने वाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज की गुणवत्ता का निरीक्षण करेगा।

vi. यदि "होस्ट यूएलबी" की क्षमता क्लस्टर यूएलबी के फीकल स्लज एवं सेप्टेज को निबटाने के लिए कम पड़ जाता है, तो नगर पंचायत धौरहरा को एक नए "होस्ट यूएलबी" की खोज करनी चाहिए या नए "उपचार सुविधा" के निर्माण के लिए केंद्र के पास अनुरोध भेजना चाहिए।

23. कर्मियों का प्रशिक्षण

लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर फीकल स्लज एवं सेप्टेज की फीकल स्लज निकासी, ढुलाई और निस्तारण में तैनात कर्मचारियों के सावधिक प्रशिक्षण के लिए उत्तरदायी होगा।

24. कर्मियों की नियमित स्वास्थ्य जांच

यह सुनिश्चित करने का दायित्व लाइसेंसधारी ऑपरेटर का होगा कि प्रत्येक नियुक्त कर्मी का साल में कम से कम एक बार स्वास्थ्य जांच होनी चाहिए और उसका रिकॉर्ड निकाय को दिया जना चाहिए, जिसमें विफल रहने पर लाइसेंसधारी ऑपरेटर को समय-समय पर अधिसूचित दंड का भुगतान करना पड़ सकता है।

25. बीमा

लाइसेंसधारी ऑपरेटर द्वारा काम पर रखे गए कर्मियों का प्रोहिबिशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट एज मैनुअल स्कैवेंजर्स एंड देयर रिहैबिलिटेशन एक्ट, 2013 और 2003 की रिट याचिका संख्या 583 (सफाई कर्मचारी आंदोलन तथा अन्य बनाम भारत संघ तथा अन्य) में फीकल स्लज एवं सेप्टेज की निकासी, ढुलाई और निस्तारण की प्रक्रिया के दौरान दुर्घटना की स्थिति में सर्वोच्च न्यायालय के दिनांक 27-03-2014 के आदेश के तहत पीड़ितों अथवा उनके कानूनी उत्तराधिकारियों को दिए जाने वाले मुआवजे को कवर करने के लिए बीमा किया जाएगा।

26. लाइसेंस रद्द किया जाना

इन उपविधि सहित हाथ से मैला ढोने वालों के रूप में रोजगार निषेध और उनका पुनर्वास एक्ट, 2013 के किसी भी प्रवधान के उल्लंघन के मामले में, लाइसेंस धारी ऑपरेटर समय-समय पर अधिसूचित दंड के भुगतान करने का भागी होगा, जिसमें लाइसेंस रद्द किया जाना और निष्पादन गारंटी का अपहार शामिल है जो शहरी स्वच्छता समिति (CSC) अथवा विनिर्दिष्ट अधिकारी (अधिकारियों) की सिफारिश के मुताबिक होगा।

अध्याय VI

फीकल स्लज एवं सेप्टेज का उपचार और पुनः उपयोग/निस्तारण

27. उपचार/निस्तारण स्थल की पहचान

i. नगर पंचायत धौरहरा उस स्थल (स्थलों) की पहचान करेगा और सूचित करेगा जहां लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर या नगर पंचायत धौरहरा के प्रशिक्षित सफाई कर्मी द्वारा फीकल स्लज एवं सेप्टेज का उपचार/निस्तारण किया जाएगा।

ii. उपचार सुविधा के अभाव में नगर पंचायत धौरहरा, आस पास के होस्ट यूएलबी जिसमे सुचारू उपचार सुविधा हो, उनके साथ समझौता ज्ञापन करके उसके सुविधा का इस्तेमाल करेगा (फॉर्म 4 परिशिष्ट 7)

iii. फीकल स्लज एवं सेप्टेज के सुरक्षित निस्तारण हेतु नगर पंचायत धौरहरा के आसपास के क्षेत्र में "क्लस्टर यूएलबी" की अनुपस्थिति की स्थिति में, उपचार के बुनियादी ढांचे (खंड 28) के निर्माण तक एक अंतरिम निस्तारण योजना का विकल्प चुना जा सकता है।

28. फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने के लिए अवसंरचना का निर्माण

नगर पंचायत धौरहरा जरूरी आधारभूत ढांचा तैयार करेगा (यदि अनुप्रयोज्य हो तो आदर्श उपचार संयंत्र की व्यवस्था होने तक अंतरिम उपचार बुनियादी ढांचा भी) और पंजीकृत वाहनों द्वारा लाए गए फीकल स्लज एवं सेप्टेज के उपचार/निस्तारण की सुविधा के लिए अधिसूचित स्थल या स्थलों पर आवश्यक उपकरण प्रदान करेगा।

29. फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने के लिए कर्मचारियों की नियुक्ति

i. फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने और इसे संबंधित उपचार सुविधा में स्थानांतरित करने के लिए नगर पंचायत धौरहरा द्वारा प्रत्येक अधिसूचित स्थल पर पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों (लिंग तटस्थ) को नियुक्त किया जाएगा। [यदि निकाय के पास उपचार सुविधा है यानी होस्ट यूएलबी]

ii. फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने और इसे अंतरिम "उपचार सुविधा" में स्थानांतरित करने या इसे "होस्ट यूएलबी" के "उपचार सुविधा" में भेजने के लिए निकाय प्रत्येक अधिसूचित स्थल पर पर्याप्त कर्मचारी (किसी भी लिंग का हो सकता है) नियुक्त करेगा। [यदि निकाय के पास उपचार सुविधा नहीं है यानी आप क्लस्टर यूएलबी का हिस्सा हैं]

30. फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने का समय

नगर पंचायत धौरहरा द्वारा नियुक्त कर्मचारियों द्वारा प्रत्येक अधिसूचित स्थल पर समय-समय पर [निकाय (या होस्ट यूएलबी लागू हो)] द्वारा अधिसूचित अवधि के दौरान फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त किया जाएगा।

31. औद्योगिक अपशिष्ट जिनकी अनुमति नहीं है

अधिसूचित स्थल पर औद्योगिक अपशिष्ट वाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज के निस्तारण की अनुमति नहीं दी जाएगी।

32. फीकल स्लज एवं सेप्टेज पर प्रशिक्षण

नगर पंचायत धौरहरा द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को अधिसूचित स्थल पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करने और उपचार / निस्तारण करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

33. उपचारित फीकल स्लज एवं सेप्टेज का दुबारा इस्तेमाल

निकाय किसानों को अनुपचारित फीकल स्लज एवं सेप्टेज के कृषि अनुप्रयोग के स्वास्थ्य एवं पर्यावरणीय दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करेगा और उन्हें उपचार सुविधा से उपचारित फीकल स्लज एवं सेप्टेज इस्तेमाल करने को प्रोत्साहित करेगा।

अध्याय VII

प्रशासन और प्रवर्तन

34. प्रशासन और प्रवर्तन

i. इन नियमों की प्रशासनिक और प्रवर्तक शक्तियाँ [नगर आयुक्त/अधिशासी अधिकारी] अथवा नगर आयुक्त/अधिशासी अधिकारी द्वारा विधिवत अधिकृत निकाय के अभिहित अधिकारी के पास रहेंगी।

ii. नगर पंचायत धौरहरा फीकल स्लज की निकासी, ढुलाई या उपचार की सेवाएं प्रदान करने के लिए समय-समय पर निर्धारित और अधिसूचित उपयोगकर्ता शुल्क (यूज़र फ़ीस) लगा सकता है। लागत वसूली सुनिश्चित करने के लिए, उपयोगकर्ताओं को इन सेवाओं के लिए भुगतान करना होगा।

क्रमशः 16

iii. नगर पंचायत धौरहरा शहरी स्वच्छता समिति (CSC) का गठन करेगा जो निकाय प्रशासनिक क्षेत्र में समग्र फीकल स्लज एवं सेप्टेज का पर्यवेक्षण और निगरानी सुनिश्चित करेगा।

iv. नगर पंचायत धौरहरा फीकल स्लज एवं सेप्टेज की निकासी ढुलाई के लिए सुरक्षित तरीके सुनिश्चित करने के लिए एक इमर्जेन्सी रिसपोंस सैनिटेशन यूनिट (ईआरएसयू) नियुक्त करेगा।

35. जांच के लिए विशेष शक्ति

इन उपविधियों के प्रभावी तरीके से लागू करने और प्रवर्तन के उद्देश्य से, नगर पंचायत धौरहरा के पास किसी भी समय किसी भी परिसर में, परिवहन वाहनों और फीकल स्लज एवं सेप्टेज उपचार सुविधा के निरीक्षण की शक्ति होगी।

36. नियम उल्लंघन और जुर्माना

i. इन उपविधियों के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन करने पर व्यक्ति को नियम अनुपालन के लिए नोटिस भेजा जाएगा।

ii. किसी भी व्यक्ति पर इन नियमों के तहत दंडात्मक प्रावधान लागू होंगे, यदि ऐसा व्यक्ति - (क) इन उपविधियों के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन करता है या उसका पालन करने में विफल रहता है; (ख) इन विनियमों के तहत किसी भी शक्ति के प्रयोग या किसी कर्त्तव्य निष्पादन में निकाय के एक अधिकृत अधिकारी या अन्य अधिकारी के काम में बाधा डालता है, या हस्तक्षेप करता है; (ग) किसी भी ओएसएस/सीवर की हाथ से फीकल स्लज निकासी की प्रक्रिया संचालित कराता है।

iii. इन उपविधियों के प्रावधानों के उल्लंघन का दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति को परिशिष्ट-8 में उल्लेखित राशि की सीमा तक दंडित किया जाएगा और उचित कानून के तहत मुकदमा चलाया जाएगा और जैसा भी मामला हो, दोषी पाए जाने की स्थिति में एफ.एस.एस. निकासी/ढोने के वाहन भी ज़ब्त हो सकता है।

iv. जो कोई भी, किसी भी मामले में, जिसमें दंड परिशिष्ट-8 में स्पष्ट रूप से प्रदान नहीं किया गया है, दोषी पाया जाता है, समय-समय पर नगर पंचायत धौरहरा द्वारा तय किए जाने वाले जुर्माने के साथ दंडनीय होगा।

v. संदेह दूर करने के लिए, यह घोषित किया जाता है कि इन उपविधियों की कोई भी बात किसी भी व्यक्ति को उस समय लागू किसी अन्य प्रासंगिक अधिनियम या इन उपविधियों के तहत दंडनीय कोई कार्य के लिए या चूक के लिए उसके तहत मुकदमा चलाने, दंडित करने से नहीं रोकेगा।

37. अपील

निकाय के अधिकृत अधिकारी के निर्णय से असंतुष्ट कोई भी व्यक्ति इन उपविधियों के तहत नगर आयुक्त / अधिशासी अधिकारी के पास इस तरह के निर्णय के विरुद्ध अपील (इन उपविधियों के फॉर्म 5 में संलग्न प्रारूप में) कर सकता है (परिशिष्ट-9 देखें)

38. विवाद समाधान उपविधि

इन उपविधियों के क्रियान्वयन के संदर्भ में उत्पन्न किसी भी विवाद का समाधान केवल नगर पंचायत धौरहरा के अधिकार क्षेत्र वाले सक्षम न्यायालय द्वारा भारतीय कानूनों के तहत किया जाएगा।

39. फीकल स्लज एवं सेप्टेज उपविधियों में संशोधन

मानक प्रक्रिया का पालन करते हुए आवश्यकता पड़ने पर निकाय के पास फीकल स्लज एवं सेप्टेज उपविधियों में संशोधन करने का अधिकार होगा।

40. संदर्भ प्रलेख

उपविधियों के क्रियान्वयन और लागू करने में सुविधा के लिए, इन विनियमों के परिशिष्ट-10 में प्रदान किए गए मानकों, रणनीतियों, मैनुअल, दिशानिर्देशों और नीतियों की एक सूची का संदर्भ लिया जा सकता है।

41. डीस्लजर के लिए सम्मान/पुरस्कार

अच्छे काम और व्यवहार के लिए निकाय समय-समय पर प्रेरित करने और समग्र प्रशंसा हेतु अच्छे प्रदर्शन के लिए फीकल स्लज निकासी (डीस्लजिंग) ऑपरेटरों के लिए सम्मान/पुरस्कार समारोह आयोजित कर सकता है।

42. उपविधियों के लिए पूरक राज्य सरकार के निर्देश

इन उपविधियों के प्रवर्तन में कठिनाइयों को दूर करने के लिए राज्य सरकार द्वारा फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संबंध में निर्देश जारी किया जा सकता है।

परिशिष्ट-1

(खंड 2(xxiii), 3(iii) और 5(i) देखें)

सेप्टिक टैंक का डिजाइन

सेप्टिक टैंक स्थापित करने के लिए बीआईएस कार्य संहिता प्रदान करता है (आईएस 2470 [भाग 1] 1985)। सेप्टिक टैंक के निर्माण के लिए यह कुछ मान्यताओं के आधार पर डिजाइन मानदंड प्रदर्शित करता है। छोटे और बड़े क्षेत्रों के लिए यह आबादी को ध्यान में रखते हुए डिजाइन इंस्टॉलेशन का विवरण प्रदान करता है। केंद्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी संगठन, एमओएचयूए के अनुसंधान प्रभाग द्वारा प्रकाशित सीवरेज और मलजल उपचार पर मैनुअल के भाग ए में ओएसएस पर व्यापक डिजाइन मानक दिए गए हैं। प्रचलित और सुरक्षित साइट स्वच्छता के लिए इस खंड में तकनीकों के मानक डिजाइन बताए गए हैं। साथ ही, भारत में सेप्टिक टैंक को आमतौर पर काले पानी के लिए ही हाइलाइट किया जाता है।

सेप्टिक टैंक के विनिर्देशन

- आयताकारः लंबाई और चौड़ाई का अनुपात: 2 से 4
- गहराई: 1.0 से 2.5 मी. के बीच
- दो कक्ष: पहला कक्ष कुल लंबाई का 2/3
- तीन कक्ष: पहला कक्ष कुल लंबाई का आधा
- मशीन-छेद (मैनहोल) प्रत्येक कक्ष के ऊपर
- निर्विवाद, टिकाऊ और स्थिर टैंक

सेप्टिक टैंक का अनुशंसित आकार

उपयोगकर्ता की संख्या	लंबाई (मी.)	चौड़ाई (मी.)	द्रव की गहराई (सफाई अंतराल) (मी.)
			दो वर्ष
5	1.5	0.75	1.05
10	2	0.90	1.40
15	2	0.90	2.00
20	2.3	1.10	1.80

नोट 1: सेप्टिक टैंक का आकार कुछ अनुमानों (तरल प्रवाह) पर आधारित होता है, सेप्टिक टैंक के आकार का चयन करते समय सटीक गणना की जानी चाहिए। इस बारे में जानकारी के लिए, कृपया बीआईएस 2470 (भाग 1), 1985 देखें।

नोट 2: फ्री बोर्ड के लिए 300 मिमी का प्रावधान रखना चाहिए।

स्रोतः सीवरेज और मलजल उपचार पर मैनुअल - भाग एः इंजीनियरिंग। सीपीएचईईओ, 2012

सेप्टिक टैंक की क्षमता

टैंक की क्षमता फीकल स्लज निकासी की अवधि को समझने में उपयोगी होती है, सेप्टिक टैंक की क्षमता मापने में निम्नलिखित प्रमुख बिंदुएं है:

- **अवसादन (सेडीमेंटेशन):** निलंबित ठोस पदार्थों के पर्याप्त अवसादन के लिए प्रत्येक 10 ली/मिनट की पीक दर से प्रवाह के लिए 0.92 वर्ग मीटर क्षेत्रफल की आवश्यकता होती है। आम तौर पर, अवसादन क्षेत्र की गहराई 0.3 मीटर होती है।
- फीकल स्लज डाइजेशनः डेएजेशन जोन की क्षमता प्रति कैपिटा 0.032 होनी चाहिए।
- फीकल स्लज और मल भंडारणः फीकल स्लज सफाई के 1 साल के अंतराल के लिए, एक फीकल स्लज भंडारण क्षमता 0.0002*365 =0.073 m3/कैपिटा की आवश्यकता होती है।
- फ्री बोर्ड: कम से कम 0.3 मी.

परिशिष्ट-2

(खंड 14 (i) और 5 (iii) देखें)

नगर पंचायत धौरहरा में फीकल स्लज निकासी और सेप्टेज की ढुलाई सेवा के लिए उपयोगकर्ता शुल्क (यूजर फ़ीस) की सूची-

क्र.सं.	श्रेणी	रु. में शुल्क की सीमा (प्रतिट्रिप 3000 लीटर तक)
1.	आवासीय	1500
2.	व्यावसायिक	2000
3.	सरकारी स्कूल/कालेज/छात्रावास	1500
4.	निजी स्कूल/कालेज/छात्रावास	2000
5.	सरकारी कार्यालय	2000
6.	होटल रेस्टोरेन्ट, निजी अस्पताल/सरकारी अस्पताल	2000
7.	राइस मिल/अन्य मिल व औद्योगिक संस्थान	3500

स्रोतः सेप्टेज प्रबंधन के लिए उत्तराखंड राज्य प्रोटोकॉल 2022 से एक संदर्भ लिया गया है।

नोटः1 उपयोगकर्ता शुल्क (यूज़र फ़ीस) की इन सीमाओं में निकाय द्वारा समय-समय पर संशोधन किया जा सकता है

2. उपरोक्त श्रेणियाँ प्रति 3000 लीटर फीकल स्लज एवं सेप्टेज सेप्टेज की निकासी पर आधारित हैं। रेंज की ऊपरी सीमा पर विचार करना चाहिए जब अन्य कचरे (पॉलीबैग की उच्च संख्या, निस्तारण किए गए कपड़े, सैनिटरी पैड, डायपर, कंडोम, प्लास्टिक की बोतलें, अन्य कचरे) को व्यापक तरीके से डाला गया हो।

परिशिष्ट-3

(खंड: 7 (vii) देखें)

बचाव उपस्कर और सुरक्षा उपकरण

कार्य स्थल पर निम्नलिखित बचाव उपस्कर और सुरक्षा उपकरण उपलब्ध होने चाहिए:-

i. शरीर के सुरक्षा वस्त्र मुख्य रूप से पॉलिएस्टर से बने होते हैं, जो रिफ्लेक्टिव होते हैं और रासायन गिरने से शरीर की रक्षा करते हैं
ii. शरीर की रक्षा सज्जा / सुरक्षा बेल्ट
iii. सर्जिकल फेस मास्क / रेस्पिरेटर जो धूल, धुएं, धुंध और जीवाणुओं आदि से बचाता है
iv. सेफ्टी टॉर्च
v. भारी रसायन प्रतिरोधी दस्ताने जो यांत्रिक बचाव और खतरनाक सामग्री के छलक कर गिरने से अतिरिक्त सुरक्षा देते हैं और ब्यूटाइल के बने होते हैं
vi. संक्रामक पदार्थों को आंखों में जाने से रोकने के लिए रासायनिक छींटे झेलने की क्षमता वाले सेफ्टी गॉगल्स
vii. टॉर्च के साथ लगे सेफ्टी हेलमेट (कॉर्डेड) जो अंधेरे में काम करने के लिए मददगार होता है
viii. दुबारा इस्तेमाल होने वाला इयरप्लग, जो एक लचीले बैंड से अच्छी तरह जुड़ा होता है जिसे जरूरत न होने पर गर्दन के चारों ओर पहना जा सकता है। ये सिलिकॉन के बने होने चाहिए और वैक्यूम टैंकरों के आसपास उपयोगी होते हैं जहां औसत ध्वनि स्तर 85dBa से अधिक होता है
ix. आपातकालीन मेडिकल ऑक्सीजन पुनर्जीवन किट
x. गैस मॉनीटर
xi. हेड लैंप
xii. गाइड पाइप सेट
xiii. सेफ्टी ट्राइपॉड सेट
xiv. वेडर बूट
xv. एयर कंप्रेसर और ब्लोअर
xvi. मॉड्यूलर एयरलाइंस सप्लाई ट्रॉली सिस्टम
xvii. रेनकोट

परिशिष्ट-4

(खंड 6 (iii) और 8 देखें)

कार्यालय नगर पंचायत धौरहरा जनपद-खीरी

Registration form for Private Desludging Operator

फॉर्म 1: निकाय नगर पंचायत धौरहरा जनपद-खीरी में फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रहण, परिवहन और निपटान के लिए लाइसेंस आवेदन पत्र

फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकालने वाले ऑपरेटर/ठेकेदार का निकाय मोहर के साथ एक पासपोर्ट साइज फोटो चिपकाएं

1. आवेदक का नाम: (श्री/सुश्री): ____________________
2. पताः ____________________
3. पंजीकृत कार्यालय का पता: ____________________
4. टेलीफोन नंबरः (कार्यालय)____________________ (मो.):____________________

ईमेल आईडीः ____________________

मल कीचड़ साफ करने वाले वाहनों का विवरण						
क्रम संख्या	वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर	वाहनों का प्रकार (ट्रैक्टर-माउंटेड या ट्रक माउंटेड)	प्रतिरूप (मॉडल) संख्या	वैक्यूम टैंकरों/टैंकर की छमता (लीटर में)	बीमा किस तारीख तक वैध है	टिप्पणी
i						
ii						
iii						
iv						

7. लाइसेंस की प्रॉसेसिंग फीस के भुगतान का विवरण, नकद____________________ (रसीद संख्या)
8. संलग्न प्रलेखों की सूची (स्व-प्रमाणित प्रति) (हां /नहीं):

दस्तावेज़ के प्रकार	हां /नहीं	दस्तावेज़ के प्रकार	हां /नहीं	दस्तावेज़ के प्रकार	हां /नहीं
पहचान प्रमाण		पता प्रमाण		कर्मचारियों की सूची	
पंजीकरण प्रमाणपत्र		फिटनेस सर्टिफिकेट		बीमा और पॉलिसी अनुसूची के प्रमाण पत्र	
प्रदूषण प्रमाणपत्र		ड्राइविंग लाइसेंस		पासपोर्ट साइज फोटो	

अनुलग्नकों की कुल संख्या:

मैं/हम प्रमाणित करते है कि मेरे/हमारे द्वारा कॉलम 1 से 8 में दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य है। मैं यह भी प्रमाणित करता हूं कि मैंने संलग्न नियमों और शर्तों को पढ़ और समझ लिया है और उनका पालन करने के लिए सहमत हूं। मैं सहमत हूं कि यदि मेरे द्वारा दी गई कोई भी जानकारी गलत पाई जाती है तो लाइसेंस के लिए आवेदन किसी भी समय रद्द करने के लिए उत्तरदायी **रहूँगा।**

आवेदक के हस्ताक्षर

दिनांकः..................

नियम और शर्तें

1. फीकल स्लज एवं सेप्टेज को केवल एक यूएलबी द्वारा जारी लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर द्वारा ही संग्रहीत किया जाएगा और ढुलाई की जाएगी।
2. निर्दिष्ट उपचार संयंत्र तक फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रह और ढुलाई के लिए शुल्क यूएलबी द्वारा समय -समय पर निर्धारित किया जाएगा। कोई भी अनुज्ञप्तिधारी ऑपरेटर घर/संपत्ति के मालिक से निर्धारित शुल्क से अधिक कोई राशि नहीं वसूलेगा।
3. फीकल स्लज एवं सेप्टेज की ढुलाई यूएलबी द्वारा इस प्रयोजन के लिए अनुमोदित वाहनों द्वारा ही किया जाएगा।
4. लाइसेंसधारी ऑपरेटर यह सुनिश्चित करेगा कि संग्रह स्थल से निर्दिष्ट उपचार संयंत्र तक ढुलाई के दौरान फीकल स्लज एवं सेप्टेज का कोई रिसाव न हो।
5. फीकल स्लज एवं सेप्टेज ले जाने वाला वाहन संचलन के दौरान किसी भी आकस्मिक छलकाव के कारण पर्यावरण के लिए किसी भी खतरे से बचने के लिए पर्याप्त रूप से सुसज्जित होना चाहिए।
6. अनुज्ञप्तिधारी केवल निर्दिष्ट शोधन संयंत्र में ही फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निपटान करेगा।
7. फीकल स्लज एवं सेप्टेज के परिवहन के लिए उपयोग किए जाने वाले वाहन पर लाइसेंस की एक प्रति प्रमुखता से प्रदर्शित की जाएगी।
8. वाहन/टैंकर कर को पीले रंग से पेंट कियाजाएगाजिस पर लालरंग में सावधानी के साथ "septic tank waste" (अंग्रेजी में) और "मलकुंड अपशिष्ट" (हिंदी में) लिखाहोगा।
9. निर्दिष्ट उपचार संयंत्र सप्ताह में ------ तक फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करेगा। ऑपरेटरों को तदनुसार अपने डीस्लजिंग संचालन की योजना बनानी चाहिए।
10. प्रभावी सफाई सेवाएं प्रदान करने और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए तैनात कर्मचारियों के नियमित प्रशिक्षण के लिए लाइसेंसधारी जिम्मेदार होगा।

क्रमशः 17

11. उपरोक्त बिंदुओं में से किसी के उल्लंघन के मामले में, लाइसेंस रद्द करने के लिए उत्तरदायी होगा, लाइसेंसधारक की सुरक्षा जब्त कर ली जाएगी और वह इन विनियमों के उल्लंघन के लिए निर्धारित दंड का भुगतान करने के लिए भी उत्तरदायी होगा।

परिशिष्ट-5

खंड 6 (v) और 8 देखें

लाइसेंस प्रारूप

कार्यालय नगर पंचायत धौरहरा जनपद-खीरी

License for Private Desludging Operator

फॉर्म 2: फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रहण, ढुलाई और निस्तारण हेतु लाइसेंस प्रदान करना

निकाय नगर पंचायत धौरहरा में फीकल स्लज एवं सेप्टेज मल-कीचड़ और सेप्टेज के संग्रहण, ढुलाई और निस्तारण के लिए लाइसेंस इसके द्वारा अनुमति दी जाती है:

1. आवेदक का नामः (श्री / सुश्री): ______________________
2. पत्राचार का पताः ______________________
3. निकाय **(नगर निगम/नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत)** का नाम) में फीकल स्लज / सेप्टेज **प्रबंधन सेवाएं प्रदान करने के लिए** लाइसेंस संख्याः______________
4. **मान्यता** ______________ से ______________ तक
5. वाहन (वाहनों) का रजिस्ट्रेशन नंबर: (i) __________ (ii) __________ (iii) __________ (iv) __________

फीकल स्लज एवं सेप्टेज निकालने वाले ऑपरेटर/ठेकेदार का निकाय मोहर के साथ एक पासपोर्ट साइज फोटो चिपकाएं

लाइसेंस, लाइसेंस धारक द्वारा पिछले पृष्ठ में बताई गई शर्तों के अनुपालन के अधीन होगा।

जारी करने वाले प्राधिकारी के हस्ताक्षर

नियम और शर्तें

1. फीकल स्लज एवं सेप्टेज को केवल एक यूएलबी द्वारा जारी लाइसेंस प्राप्त ऑपरेटर द्वारा ही संग्रहीत किया जाएगाऔर ढुलाई की जाएगी।
2. निर्दिष्ट उपचार संयंत्र तक फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रह और ढुलाई के लिए शुल्क यूएलबी द्वारा समय -समय पर निर्धारित किया जाएगा। कोई भी अनुज्ञप्तिधारी ऑपरेटर घर/संपत्ति के मालिक से निर्धारित शुल्क से अधिक कोई राशि नहीं वसूलेगा।
3. फीकल स्लज एवं सेप्टेज की ढुलाई यूएलबी द्वारा इस प्रयोजन के लिए अनुमोदित वाहनों द्वारा ही किया जाएगा।
4. लाइसेंसधारी ऑपरेटर यह सुनिश्चित करेगा कि संग्रह स्थल से निर्दिष्ट उपचार संयंत्र तक ढुलाई के दौरान फीकल स्लज एवं सेप्टेज का कोई रिसाव न हो।
5. फीकल स्लज एवं सेप्टेज ले जाने वाला वाहन संचलन के दौरान किसी भी आकस्मिक छलकाव के कारण पर्यावरण के लिए किसी भी खतरे से बचने के लिए पर्याप्त रूप से सुसज्जित होना चाहिए।
6. अनुज्ञप्तिधारी केवल निर्दिष्ट शोधन संयंत्र में ही फीकल स्लज एवं सेप्टेज का निपटान करेगा।
7. फीकल स्लज एवं सेप्टेज के परिवहन के लिए उपयोग किए जाने वाले वाहन पर लाइसेंस की एक प्रति प्रमुखता से प्रदर्शित की जाएगी।
8. वाहन/टैंकर कर को पीले रंग से पेंट कियाजाएगाजिस पर लालरंग में सावधानी के साथ "septic tank waste" (अंग्रेजी में) और "मलकुंड अपशिष्ट" (हिंदी में) लिखाहोगा।
9. निर्दिष्ट उपचार संयंत्र सप्ताह में ----- फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्राप्त करेगा। ऑपरेटरों को तदनुसार अपने डीस्लजिंग संचालन की योजना बनानी चाहिए।
10. प्रभावी सफाई सेवाएं प्रदान करने और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए तैनात कर्मचारियों के नियमित प्रशिक्षण के लिए लाइसेंसधारी जिम्मेदार होगा।
11. उपरोक्त बिंदुओं में से किसी के उल्लंघन के मामले में, लाइसेंस रद्द करने के लिए उत्तरदायी होगा, लाइसेंसधारक की सुरक्षा जब्त कर ली जाएगी और वह इन विनियमों के उल्लंघन के लिए निर्धारित दंड का भुगतान करने के लिए भी उत्तरदायी होगा।

परिशिष्ट-6

(खंड 13 (ii). 20 (ii) देखें)

फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रह, परिवहन और निपटान का रिकॉर्ड

फॉर्म 3: फीकल स्लज एवं सेप्टेज के संग्रह, परिवहन और निपटान का रिकॉर्ड

नगर पंचायत धौरहरा में मल कीचड़ और सेप्टेज के संग्रह, परिवहन और निपटान का रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए

दिनांक:.............................समय: ....

I. ऑनसाइट सिस्टम के मालिक का विवरण

1.नाम: ....

2.पता:...

(क) वार्ड संख्या: ....

(क) टेलीफोन नं.:...........................

II. रोकथाम

1. निर्माण का वर्ष .... 2. पिछला कीचड़ निकालना (MM/YYYY):...........................

3. आउटलेट मौजूद (हां/नहीं): .... 4. यदि हां, तो किससे जुड़ा है: ....

5. रोकथाम के प्रकार: (चेकबॉक्स में उपयुक्त विकल्प चुनें)

रोकथाम के प्रकार	सही करें	रोकथाम के प्रकार	सही करें
सेप्टिक टैंक ट्विन		ट्वीन पिट (पंक्तिबध	
संग्रह टैंक		ट्विन पिट (अनलाइन्ड	
सोख्ता गड्ढे के साथ सेप्टिक टैंक		पूरी तरह से अटे टैंक	
सिंगल पिट (लाइनेड)		सिंगल पिट (अनलाइन)	

6. रोकथाम का आकार और आकार:नियंत्रण का प्रकार नियंत्रण का प्रकार टिक करें

7.. संपत्ति के भीतर रोकथाम का स्थान (चेकबॉक्स में नीचे उपयुक्त विकल्प चुनें)

घर में स्थान	सही करें	घर में स्थान	सही करें
घर के पिछले हिस्से में		एक कमरे के फर्श के नीचे	
घर के सामने की तरफ		अन्य	

III. कीचड़ साफ करना

1. फीकल स्लज एवं सेप्टेज की मात्रा (लीटर) ....

2. कीचड़ निकालने में लगने वाला समय: ....

3. ट्रिप की लंबाई (किमी): ....

4. आने-जाने में समय: ....

IV. कीचड़ साफ करने वाले सेवा प्रदाता का विवरण

ऑपरेटर का नाम: ....

ड्यूटी पर खाली स्टाफ FSSTP ऑपरेटर: ....

ड्यूटी पर टेंक सफ़ाई स्टाफ़ के हस्ताक्षर **उपचार सुविधा ऑपरेटर का हस्ताक्षर**

परिशिष्ट-7

(खंड 21 (i) और 27 (ii) देखें)

होस्ट यूएलबी तथा बिना उपचार संयंत्र वाले निकाय के बीच समझौता ज्ञापन प्रारूप

फॉर्म 4: "होस्ट यूएलबी" पर उपलब्ध "उपचार संयंत्र" में फीकल स्लज एवं सेप्टेज के सुरक्षित निस्तारण की अनुमति के लिए समझौता ज्ञापन।

होस्ट निकाय के उपचार संयंत्र पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज के सुरक्षित निस्तारण की अनुमति हेतु निकाय (नगर निगम/नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत) और होस्ट निकाय (होस्ट निकाय का नाम) के बीच समझौता ज्ञापन के लिए फॉर्म

फीकल स्लज एवं सेप्टेज एवं सेप्टेज प्रबंधन के तहत, एक्सवाईजेड निकाय (संपर्क करने वाले निकाय का नाम) की प्रशासनिक सीमाओं के भीतर घरों, सार्वजनिक / सामुदायिक शौचालयों के नियंत्रण से आने वाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज और सेप्टेज (फीकल स्लज एवं सेप्टेज) के सुरक्षित निस्तारण हेतु जरूरी शर्तें पूरा करने के लिए, "होस्ट यूएलबी" (होस्ट निकायका नाम) के प्रशासन के तहत "उपचार संयंत्र" पर, समझौता।

प्रथम पक्ष "होस्ट यूएलबी" - (होस्ट निकाय का नाम)

द्वितीय पक्ष "एक्सवायजेड यूएलबी" - (संपर्क करने वाले निकाय का नाम)

उपबंधः

1. यह कि "प्रथम पक्ष" दिनांक दिन/महीना/वर्ष (प्रारंभ तारीख) से दिन/महीना/वर्ष (प्रारंभ तारीख) तक "द्वितीय पक्ष" की प्रशासनिक सीमाओं से उनके "उपचार संयंत्र" पर आने वाले फीकल स्लज एवं सेप्टेज के सुरक्षित निस्तारण की अनुमति देगा। /वर्ष (अंतिम तिथि)
2. "प्रथम पक्ष "अपने प्रशासनिक क्षेत्र से आने वाले भार से समझौता करने से बचने के लिए अपने "उपचार संयंत्र" पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज की दैनिक अनुमत मात्रा की जानकारी देगा।
3. यह कि "द्वितीय पक्ष" समझ के अनुसार "प्रथम पक्ष" को फीकल स्लज एवं सेप्टेज के निस्तारण के प्रति खेप टिपिंग शुल्क के रूप में रु. xxx देने के लिए सहमत है।
4. यह कि "प्रथम पक्ष" उपचार सुविधा के संचालन का समय, अनुमत पहुंच मार्ग, फीकल स्लज एवं सेप्टेज की अनुमत मात्रा, उपचार सुविधा का रखरखाव बंद आदि आवश्यक विवरण समय-समय पर साझा करेगा।
5. कि उपरोक्त कार्यों को करते समय बीच में आने वाली किसी भी कठिनाई को दोनों पक्ष मिलकर सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाएं।
6. कि "द्वितीय पक्ष" केवल लाइसेंसधारी फीकल स्लज निकासी ऑपरेटर को प्रथम पक्ष की उपचार सुविधा पर फीकल स्लज एवं सेप्टेज के निस्तारण की अनुमति देगा।
7. प्रथम पक्ष उपचार सुविधा में उनके लाइसेंस पर "द्वितीय पक्ष" की मुहर के साथ लाइसेंसधारी ऑपरेटर का प्रवेश सुनिश्चित करेगी।

प्रथम पक्ष
अधिशाषी अधिकारी का हस्ताक्षर

द्वितीय पक्ष
अधिशाषी अधिकारी का हस्ताक्षर

परिशिष्ट-8

जुर्माना और फाइन

क्रम संख्या	विवरण	खंड संख्या	सांकेतिक फाइन सीमा (₹₹` में)	जुर्माना (₹ या किसी अन्य पीनल एक्शन में)
1.1	नाला/सड़क/खुले क्षेत्र में अपशिष्ट जल का सीधा/असुरक्षित प्रवाह	3	50-100	
1.2	लगातार उल्लंघन का दूसरा मामला	3	50-100	
1.3	लगातार उल्लंघन का तीसरा मामला	3	10-15 प्रति दिन	संपत्ति की जब्ती
2.1	ओएसएस का अवैज्ञानिक डिजायन और निर्माण	5	100-150	
2.2	लगातार उल्लंघन का दूसरा मामला	5	100-150	
2.3	लगातार उल्लंघन का तीसरा मामला	5	10-15 प्रति दिन	संपत्ति की जब्ती
3.1	बिना निकाय पंजीकरण के वैक्यूम टैंकर परिचालित करना	6	50-100	
3.2	लगातार उल्लंघन का दूसरा मामला	6	50-100	
3.3	लगातार उल्लंघन का तीसरा मामला	6	150-200 प्रति दिन	वाहन की जब्ती
4.1	आकस्मिक बिखराव में भाग लेने के लिए गैर-अनुपालन	16,17	1000-1500	
4.2	लगातार उल्लंघन का दूसरा मामला	16,17	1000-1500	
4.3	लगातार उल्लंघन का तीसरा मामला	16,17	300 प्रति दिन	वाहन की जब्ती
5.1	एसटीपी से अनुपचारित FSS प्रवाहित करना	27,28,33	5000-10000	
5.2	लगातार उल्लंघन का दूसरा मामला	27,28,33	5000-10000	
5.3	लगातार उल्लंघन का तीसरा मामला	27,28,33	1000-1500 प्रति दिन	संपत्ति की जब्ती
6.1	निकायद्वारा अधिसूचित स्थल के अलावा अन्य स्थल पर अनुपचारित फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रवाहित करना	6,7,14,27, 28,29	5000-10000	
6.2	लगातार उल्लंघन का दूसरा मामला	6,7,14,27, 28,29	5000-10000	
6.3	लगातार उल्लंघन का तीसरा मामला	6,7,14,27, 28,29	1500-2000 प्रति दिन	वाहन की जब्ती

नोट: जुर्माने और जुर्माने की उपरोक्त तालिका पर नगर स्वच्छता समिति के सदस्यों के बीच पहले चर्चा की जानी चाहिए। शहर में यूएलबी जिस स्तर की सख्ती का पालन करना चाहता है, उसके आधार पर इसे समय-समय पर संशोधित भी किया जा सकता है।

परिशिष्ट-9

अपील हेतु ज्ञापन

(खंड 37 देखें)

फॉर्म 5: अपेलेट बॉडी के पास अपील हेतु ज्ञापन, अपेलेट बॉडी के पास अपील हेतु ज्ञापन का फॉर्म, "अपीली प्राधिकार के पास
-- (पदनाम)

1. आवेदक का पूरा नाम: ....
2. आवेदक का पता: ....
3. नगर पालिका अधिकारी का विवरण जिसके आदेश के विरुद्ध अपील की गई
   नामः .... पद ....
4. उस आदेश के प्राप्त करने की तारीख जिसके विरुद्ध अपील की गईः..
5. अपील दायर करने की तारीख: ....
6. सूचना विवरण
   क. संक्षेप में अपील की विषय-वस्तु (जिस आदेश के विरूद्ध अपील की गई है उसकी प्रति संलग्न करें)
   ख. अपील का आधार (इनमें से किसी का विवरण अलग शीट में संलग्न किया जाना है)

सत्यापन

मैं, ... (अपीलकर्ता का नाम) पुत्र/पुत्री/पत्नी.................................... एतदद्वारा घोषित करता/करती हूँ कि अपील में दिए गए विवरण मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही हैं और मैंने किसी भी तथ्य को छुपाया नहीं है।

अपीलकर्ता का हस्ताक्षर

स्थानः ....तिथिः..........................

अनुलग्नक के रूप में जमा किए गए प्रलेखः

1..

2..

....यहाँ फाड़ें..

पावती

संख्या.. तिथिः ....

अनुलग्नक फॉर्म के साथ प्राप्त अपील ज्ञापन..

स्थानः..... .... तिथिः ....

अधिकृत अधिकारी की मुहर और हस्ताक्षर
आदेश से (नगर निगम/नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत का नाम)

(नगर आयुक्त/अधिशासी अधिकारी की मुहर एवं हस्ताक्षर)
(नगर निगम/नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत का नाम)

परिशिष्ट-10

(खंड 40 देखें)

संदर्भित दस्तावेज

(इन आदर्श उपविधियों की रचना निम्नलिखित अधिनियमों व अन्य राज्य की उपविधियों का अध्ययन करके किया गया है)

निकाय द्वारा मार्ग दर्शन के लिए निम्नलिखित प्रलेखों के नवीनतम संस्करण का उपयोग किया जा सकता है:

1. उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916
2. उत्तर प्रदेश सेप्टेज प्रबंधन नीति, 2019 नगर विकास विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार।
3. बिजनौर फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन उपविधि, 2022, कार्यालय राजपत्र प्रयागराज, उत्तर प्रदेश सरकार।
4. सलाहकार नोटः शहरी भारत में सेप्टेज प्रबंधन, 2013, शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार।
5. उत्तर प्रदेश में फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन के लिए दिशानिर्देश, 2018, शहरी विकास विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार।
6. एकीकृत फीकल स्लज एवं सेप्टेज, सेप्टेज और अपशिष्ट जल प्रबंधन रणनीति सह दिशानिर्देश, 2019, चुनार नगर पालिका परिषद, उत्तर प्रदेश
7. आईएसः 2470 - 1985, सेप्टिक टैंक की स्थापना और सेप्टिक टैंक के प्रवाह के निस्तारण के लिए भारतीय मानक संहिता, भारतीय मानक ब्यूरो,
   (1) (भाग I) डिजाइन शर्तें और निर्माण
   (2) (भाग II) द्वितीयक उपचार और सेप्टिक टैंक के तरल पदार्थ का निस्तारण।
8. सीवरेज और मलजल उपचार प्रणाली पर मैनुअल, 2013, केंद्रीय लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण और पर्यावरण संगठन, भारत सरकार।
9. बिना नेटवर्क तकनीकी पर मेन्यू, 2019, सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट, नई दिल्ली।
10. फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन पर राष्ट्रीय नीति, 2017, आवास और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार।
11. राष्ट्रीय शहरी स्वच्छता नीति, 2008, शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार।
12. फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन (फीकल स्लज एवं सेप्टेज) के उपविधि, 2020, सेप्टेज प्रबंधन के लिए उत्तराखंड राज्य प्रोटोकॉल।
13. फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन पर नीति, 2018, तेलंगाना सरकार।
14. तमिलनाडु सरकार का राजपत्र, 2022, फीकल स्लज एवं सेप्टेज प्रबंधन पर उपविधि।
15. सेप्टेज प्रबंधन प्रैक्टिशनर गाइड, 2017, विज्ञान और पर्यावरण केंद्र।
16. सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई के लिए मानक संचालन प्रक्रिया, 2018, आवास और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार
17. फीकल स्लज एवं सेप्टेज / सेप्टेज, 2019, के लिए उथली और गहरी खाइयों पर तकनीकी नोट जल, स्वच्छता एवं स्वच्छता संस्थान, नई दिल्ली
18. प्रोहिबिशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट एज मैनुअल स्कैवेंजर्स एंड देयर रिहैबिलिटेशन एक्ट, 2013 कानून एवं न्याय मंत्रालय, भारत सरकार

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत धौरहरा
लखीमपुर-खीरी

अध्यक्ष
नगर पंचायत धौरहरा
लखीमपुर-खीरी

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,220.60	26,129.60
बढ़त	545 .52	190 .75
प्रतिशत में	0 .64	0 .74

सोना 1,37,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,39,000 प्रति किलो

अमृत विचार
बरेली, गुरुवार ,1 जनवरी 2026
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2535, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2250, रविन्द्रा 2410, फॉर्चुन 13 किग्रा 1980, जय जवान 1990, सचिन 2010, सूरज 1990, अवसर 1865, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1855, क्लासिक (किग्रा) 2145, मोर 2185, चक्र टिन 2300, ब्लू 2085, आशीर्वाद मस्टर्ड 2300, स्वास्तिक 2490

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7200, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9900, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4280, बहेड़ी 4220

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3200, मसूरी- 990, बासमती- 5000, परमल- 1300

दाल दलहन : काला चना- 2200, साबुत चना दाल- 2000, मूंग साबुत- 4700, राजमा- 8200-11200, दाल उड़द- 5200, साबुत मसूर दाल- 3000, मसूर दाल- 2400, उड़द साबुत- 4700, काबुली चना- 8300, अरहर दाल- 10200, लोबिया/करमानी- 1300

अस्थिरता के बाद भी अर्थव्यवस्था में उच्च वृद्धि

आरबीआई की वित्तीय स्थिरता की रिपोर्ट के ताजा संस्करण की भूमिका पर बोले गवर्नर मल्होत्रा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि अस्थिर एवं प्रतिकूल बाहरी कारकों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत घरेलू खपत और निवेश के दम पर उच्च वृद्धि दर्ज करने की उम्मीद है। आरबीआई की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के ताजा संस्करण की भूमिका में मल्होत्रा ने लिखा है कि वित्तीय स्थिरता बनाए रखना और वित्तीय प्रणाली को मजबूत करना हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि वित्तीय क्षेत्र के नियामक यह मानते हैं कि वित्तीय स्थिरता अपने आप में एक लक्ष्य नहीं है। नवाचार एवं वृद्धि को बढ़ावा देना, उपभोक्ताओं की रक्षा करना, विनियमन व पर्यवेक्षण के लिए एक व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना जो वित्तीय प्रणाली की दक्षता में सुधार करता है, समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। गवर्नर ने कहा कि नीति निर्माताओं का सबसे महत्वपूर्ण योगदान एक ऐसी वित्तीय प्रणाली को बढ़ावा देना है जो मजबूत और झटकों के प्रति मजबूत हो,

• कहा- वित्तीय क्षेत्र के नियामक मानते हैं कि वित्तीय स्थिरता अपने आप में लक्ष्य नहीं

वित्तीय सेवाएं प्रदान करने में कुशल हो तथा जिम्मेदार नवाचार को बढ़ावा दे। मल्होत्रा ने कहा कि मजबूत वृद्धि, कम मुद्रास्फीति, वित्तीय व गैर-वित्तीय कंपनियों का बेहतर बही-खाता, पर्याप्त भंडार और सूझ-बूझ वाले नीति सुधारों से भारतीय अर्थव्यवस्था तथा वित्तीय प्रणाली मजबूत बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि अस्थिर और प्रतिकूल बाहरी कारकों के बावजूद, मजबूत घरेलू खपत एवं निवेश से भारतीय अर्थव्यवस्था के उच्च वृद्धि दर्ज करने की उम्मीद है। फिर भी, हम बाह्य प्रभावों से उत्पन्न होने वाली अल्पकालिक चुनौतियों को पहचानते हैं और अर्थव्यवस्था की सुरक्षा के लिए निरंतर मजबूत उपाय कर रहे हैं।

चुनौतियों के बावजूद मजबूत वृद्धि की संभावना

मुंबई। वैश्विक आर्थिक माहौल चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत वृद्धि बनाए रखने की संभावना है और इसे मजबूत घरेलू मांग, नियंत्रित मुद्रास्फीति एवं संतुलित व्यापक आर्थिक नीतियों से समर्थन मिल रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को जारी अपनी वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) में कहा कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की वित्तीय स्थिति मजबूत है। बैंकों के पास पर्याप्त पूंजी और नकदी भंडार है, उनकी परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ है और लाभ भी मजबूत बना हुआ है। घरेलू वित्तीय प्रणाली मजबूत है जिसे सुदृढ़ बहीखाते, अनुकूल वित्तीय हालात और वित्तीय बाजारों में कम उतार-चढ़ाव से समर्थन मिला है। हालांकि, निकट अवधि में भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक व्यापार अनिश्चितता से जोखिम बने हुए हैं। केंद्रीय बैंक के व्यापक दबाव परीक्षण के परिणाम इसकी पुष्टि करते हैं कि बैंक प्रतिकूल परिस्थितियों में भी संभावित नुकसान सहन करने में सक्षम हैं और उनकी पूंजी नियामकीय न्यूनतम स्तर से काफी ऊपर बनी रहेगी।

समाशोधन निगमों की स्थिति मजबूत

रिपोर्ट में म्यूचुअल फंड कंपनियों और समाशोधन निगमों की स्थिति को भी मजबूत बताया गया है। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) पर्याप्त पूंजी, स्थिर आय और बेहतर परिसंपत्ति गुणवत्ता के कारण मजबूत बनी हुई हैं। आरबीआई रिपोर्ट के मुताबिक, बीमा क्षेत्र में भी बहीखाते की स्थिति मजबूत है और एकीकृत सॉल्वेंसी अनुपात भी तय न्यूनतम सीमा से ऊपर है। सॉल्वेंसी अनुपात बीमा क्षेत्र में किसी कंपनी की दीर्घकालिक देनदारियों को पूरा करने और पॉलिसीधारकों के दावों का भुगतान करने की क्षमता को मापता है। यह रिपोर्ट वित्तीय स्थिरता एवं विकास परिषद (एफएसडीसी) की उप-समिति के उस सामूहिक आकलन को दर्शाती है, जिसमें भारतीय वित्तीय प्रणाली की मजबूती और वित्तीय स्थिरता से जुड़े जोखिमों का मूल्यांकन किया गया है।

टीवी, रेफ्रिजरेटर, एलपीजी चूल्हा, कूलिंग टॉवर पर स्टार रेटिंग अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने 1 जनवरी से रेफ्रिजरेटर, टीवी, एलपीजी गैस चूल्हा एवं कूलिंग टॉवर जैसे कई उपकरणों पर ऊर्जा दक्षता वाली स्टार रेटिंग को अनिवार्य कर दिया है। बिजली मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) की गजट अधिसूचना के मुताबिक, इस नए नियम का विस्तार डीप फ्रीजर, वितरण ट्रांसफॉर्मर और ग्रिड से जुड़े सोलर इनवर्टर पर भी होगा।

उल्लेखनीय है कि बीईई का स्टार रेटिंग ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने वाले प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है। इसके तहत उपकरणों पर एक से पांच स्टार की रेटिंग दी जाती है जो बताता है कि संबंधित उपकरण कितनी बिजली खपत करेगा। पहले फ्रॉस्ट-फ्री एवं डायरेक्ट कूल रेफ्रजरेटर, डीप

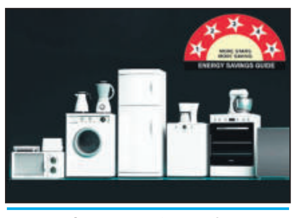

• बिजली मंत्रालय के ऊर्जा दक्षता ब्यूरो की अधिसूचना के अनुसार नियम आज से लागू

रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर (कैसेट, फ्लोर स्टैंडिंग टावर, सीलिंग, कॉर्नर एसी), रंगीन टीवी और अल्ट्रा एचडी टीवी जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर स्टार रेटिंग को दर्शाना स्वैच्छिक था। एक अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि स्टार-रेटिंग वाले उपकरणों की सूची समय-समय पर अद्यतन की जाती है। इन उपकरणों के लिए मसौदा नियम जनता से सुझाव लेने के लिए जारी किए गए थे।

डीआईआई के साथ से सेंसेक्स-निफ्टी में बढ़त

मुंबई, एजेंसी

• पांच कारोबारी सत्रों की गिरावट के बाद बाजार ने की वापसी

साल के आखिरी सत्र में बुधवार को घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) का साथ मिलने से सेंसेक्स और निफ्टी करीब एक प्रतिशत तक चढ़ गए। लगातार कारोबारी सत्रों में गिरावट के बाद दोनों सूचकांक ने बढ़त दर्ज की है।

बीएसई का सेंसेक्स 545.52 अंक उछलकर 85,220.60 अंक पर बंद हुआ। सत्र के दौरान 762.09 अंक बढ़ा था। वहीं, एनएसई का निफ्टी चार दिनों की गिरावट से उबरकर 190.75 अंक चढ़कर 26,129.60 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में से टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, टाइटन और ट्रेंट के शेयर बढ़त में रहे। टीसीएस, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस और सन फार्मा के शेयरों में बिकवाली देखी गई। इस साल सेंसेक्स 7,081.59 अंक यानी 9% चढ़ा, जबकि निफ्टी में 2,484.8 अंक यानी 10.50% की तेजी रही। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में बंद हुए, जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुआ। यूरोपीय बाजारों में कारोबार के दौरान हल्की गिरावट देखी गई। अमेरिकी बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे। मंगलवार को विदेशी निवेशकों (एफआईआई) ने 3,844.02 करोड़ के शेयर बेचे जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 6,159.81 करोड़ के शेयर खरीदे।

वीआईएल के एजीआर बकाया पर सरकार ने लगाई रोक

नई दिल्ली। सरकार ने वोडाफोन-आइडिया के लिए बड़े राहत पैकेज को बुधवार को मंजूरी दी। इसके तहत उसके बकाया भुगतान से पांच साल की मोहलत दी गई है। इससे कर्ज में फंसी दूरसंचार कंपनी को बड़ी राहत मिली है। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वोडाफोन-आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) के 87,695 करोड़ रुपये के समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाया पर रोक लगाने पर सहमति जतायी है जिसे संकटग्रस्त कंपनी को वित्त वर्ष से 2031-32 से 2040-41 तक चुकाना होगा।

• वोडाफोन-आइडिया को बड़ी राहत देते हुए दी गई पांच साल की मोहलत

एजीआर बकाया से तात्पर्य समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) के आधार पर दूरसंचार कंपनियों द्वारा सरकार को देय भुगतान से है। यह वह राजस्व है जिस पर दूरसंचार संचालकों को लाइसेंस शुल्क और स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क का भुगतान करना होता है। इसमें सभी राजस्व शामिल हैं यहां तक कि गैर-दूरसंचार आय (जैसे ब्याज, किराया, परिसंपत्ति बिक्री) भी। इन बकाया राशियों के अलावा 2017-18 और 2018-19 से संबंधित एजीआर बकाया कंपनी द्वारा 2025-26 से 2030-31 के बीच बिना बदलाव के देय होगा।

ईयू का कार्बन कर आज से होगा लागू

भारतीय इस्पात, एल्युमीनियम निर्यातकों को नुकसान की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी

यूरोपीय संघ (ईयू) का कुछ धातुओं पर कार्बन कर (सीबीएएम) 1 जनवरी से लागू होने जा रहा है, जिससे भारत के इस्पात एवं एल्युमीनियम निर्यात को झटका लग सकता है। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने बुधवार को यह जानकारी दी।

यूरोपीय संघ के 27 देशों का समूह उन वस्तुओं पर यह कर लगा रहा है, जिनके निर्माण के दौरान कार्बन उत्सर्जन होता है। इस्पात क्षेत्र में ब्लास्ट फर्नेस-बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस (बीएफ-बीओएफ) मार्ग में उत्सर्जन सबसे अधिक होता है जबकि गैस आधारित डीआरआई में यह कम तथा कबाड़ (स्क्रैप) आधारित इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) में सबसे कम होता है। इसी तरह एल्युमीनियम में बिजली का स्रोत एवं ऊर्जा की खपत अहम भूमिका निभाती है। कोयले से उत्पादित बिजली से कार्बन बोझ बढ़ता है, जिससे सीबीएएम लागत भी अधिक होती है।

छोटे निर्यातक ईयू बाजार से हो सकते हैं बाहर

आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि ईयू में प्रवेश करने वाली भारतीय इस्पात एवं एल्युमीनियम की हर खेप पर कार्बन लागत जुड़ेगी क्योंकि सीबीएएम रिपोर्टिंग चरण से भुगतान चरण में प्रवेश करेगा। जटिल आंकड़ा और सत्यापन प्रक्रियाओं से अनुपालन लागत बढ़ेगी, जिससे कई छोटे निर्यातक ईयू बाजार से बाहर हो सकते हैं। उत्सर्जन का सही आकलन अब प्रतिस्पर्धा का आधार बन गया है। 2026 से उत्सर्जन आंकड़ों का स्वतंत्र सत्यापन अनिवार्य होगा और केवल ईयू-मान्यता प्राप्त या आईएसओ 14065 के अनुरूप सत्यापनकर्ताओं को ही स्वीकार किया जाएगा। आईएसओ 14065 पर्यावरणीय सूचना विवरणों के सत्यापन एवं प्रमाणीकरण करने वाले निकायों के लिए सिद्धांतों और आवश्यकताओं को निर्दिष्ट करता है। कम उत्सर्जन वाले उत्पादकों के लिए हालांकि सीबीएएम प्रतिस्पर्धात्मक लाभ भी बन सकता है। जीटीआरआई के अनुसार, भारत का ईयू को इस्पात एवं एल्युमीनियम निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में 7 .71 अरब डॉलर से घटकर 2025 में 5 .82 अरब डॉलर रह गया जो 24 .4 प्रतिशत की गिरावट है।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार, कई भारतीय निर्यातकों को कीमतों में 15 से 22 प्रतिशत तक की कटौती करनी पड़ सकती है ताकि ईयू के आयातक उसी मुनाफे (मार्जिन) से सीबीएएम कर का भुगतान कर सकें। भारतीय निर्यातकों को सीधे तौर पर कर का भुगतान नहीं करना पड़ेगा क्योंकि यूरोपीय संघ स्थित आयातकों (जो अधिकृत सीबीएएम घोषणाकर्ता के रूप में पंजीकृत हैं) को आयातित वस्तुओं में निहित उत्सर्जन से संबंधित सीबीएएम प्रमाणपत्र खरीदने होंगे। इसका भार अंततः भारतीय निर्यातकों पर पड़ेगा।

बंगाल में घुसपैठ और भ्रष्टाचार का खतरा मौजूद

पूर्वी कोलकाता में कार्यकर्ताओं और नेताओं की बंद कमरे में केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने ली बैठक

• शाह ने तय किया एजेंडा, जिम्मेदारियां सौंपीं, आरएसएस से समन्वय और चुनावी मुद्दों को दिया अंतिम रूप

कोलकाता, एजेंसी

भाजपा के लिए 2026 के पश्चिम बंगाल चुनाव की भूमिका तय करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को घुसपैठ और भ्रष्टाचार के मुद्दों को राज्य की सत्ता से तृणमूल कांग्रेस को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए पार्टी का मुख्य चुनावी हथियार बताया। पूर्वी कोलकाता के 'साइंस सिटी ऑडिटोरियम' में जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और नेताओं की बंद कमरे में हुई बैठक में शाह ने कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार के तहत घुसपैठ और भ्रष्टाचार ने संस्थागत रूप ले लिया है और यह महानगर इन बुराइयों के प्रभाव से ज्यादा समय तक अछूता नहीं रह पाएगा।

शाह भाजपा के कोलकाता महानगर क्षेत्र के बूथ स्तर और मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं से बात कर रहे थे। यह क्षेत्र शहर और आसपास की 28 विधानसभा सीटों को शामिल करता है। यह बैठक शाह के 48 घंटे के पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान लगातार आयोजित बैठकों की श्रृंखला की अंतिम कड़ी थी। उन्होंने एजेंडा तय किए, नेताओं को जिम्मेदारियां सौंपीं, राज्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के साथ समन्वय किया और आगामी महीनों में चुनावी मैदान में उतरने के लिए मुद्दों को अंतिम रूप दिया। बैठक में शामिल कार्यकर्ता के अनुसार शाह ने कहा कि दिल पे लिख लो, इस बार हमारी सरकार। शाह ने कार्यकर्ताओं से कहा कि घुसपैठ का खतरा साफ और मौजूद है और अगर इससे लड़ने के लिए लोग नहीं जागे तो शहरवासी जल्द ही इससे गंभीर रूप से प्रभावित होंगे। उन्होंने सत्ता में आने के समय तृणमूल के मां-माटी-मानुष नारे का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने इन तीनों मूल्यों को अपने शासन में दूषित किया है। शाह ने कहा कि राज्य में महिलाएं असुरक्षित हैं, इसलिए 'मां' खतरे में है, बेहतर अवसरों के लिए लोग राज्य छोड़कर जा रहे हैं इसलिए मानुष के लिए जगह कम है और राज्य की माटी पर घुसपैठियों का कब्जा हो रहा है।

कोलकाता में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल अमित शाह।

विस चुनाव को लेकर की कार्य योजना पर चर्चा

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा की राज्य इकाई की तैयारियों का जायजा लेने के तहत अमित शाह ने पार्टी के वर्तमान एवं पूर्व जन प्रतिनिधियों के समक्ष कार्य योजना प्रस्तुत की तथा पार्टी की प्रदेश इकाई के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष को मुख्य चुनावी चेहरों में से एक पेश किया। राज्य में भाजपा की गतिविधियों में अग्रणी भूमिका से पिछले कई महीनों से काफी हद तक दूर रहे घोष को भी बंद दरवाजे के भीतर हुई इस बैठक के लिए आमंत्रित किया गया था। ऐसा बताया जा रहा है कि शाह ने एक अलग बैठक की जिसमें घोष के साथ-साथ राज्य इकाई के एक अन्य पूर्व अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, मौजूदा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य और राज्य में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद थे।

ममता बनर्जी पर शाह को धमकी देने का आरोप

भुवनेश्वर। भाजपा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना करते हुए उन पर राज्य के दौरे पर आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को धमकी देने का आरोप लगाया और दावा किया कि वह तानाशाही कर रही हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने बांकुड़ा जिले में जनसभा के दौरान कहा कि शाह कोलकाता के जिस होटल में ठहरे हुए हैं वहां से बाहर वह उनकी मर्जी से ही निकल पाए हैं। बनर्जी ने देश के गृह मंत्री को ऐसी भाषा में धमकी दी है, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। हमने इसे देखा है।

चलती कार में महिला से सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में दो गिरफ्तार

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में 25 वर्षीय विवाहित महिला से चलती वैन में सामूहिक दुष्कर्म करने के बाद में उसे सड़क पर फेंक दिया गया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने इस संबंध में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार, यह घटना सोमवार देर रात तब घटी जब दोनों आरोपी परिवहन का इंतजार कर रही महिला को लिफ्ट की पेशकश की। दोनों उसे उसके गंतव्य के बजाय गुरुग्राम ले गए और कार में उससे दुष्कर्म किया। रात तीन बजे राजा चौक के पास तेज रफ्तार गाड़ी से महिला बाहर फेंक दिया। पुलिस के बताया कि महिला के चेहरे और सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। उसकी हालत गंभीर है। पीड़िता की बहन ने मामले की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया कि उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के निवासी और फरीदाबाद में रह रहे दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों ने जुर्म कबूल कर लिया है।

विकास के लिए बुनियादी ढांचे का किया जा रहा निर्माण : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

• बोले- प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना से देश के आर्थिक विकास को मिलेगी गति

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा एक नया राजमार्ग बनाने और मौजूदा राजमार्ग को चौड़ा करने को मंजूरी देने के फैसले से आवागमन को बढ़ावा मिलेगा और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित होगा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा नासिक और सोलापुर के बीच छह-लेन वाले एक नए ग्रीनफील्ड कॉरिडोर को मंजूरी देने और ओडिशा में राष्ट्रीय राजमार्ग-326 के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण को मंजूरी देने के बाद, प्रधानमंत्री ने एक्स पर कहा, विकास के लिए अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जा रहा है। मोदी ने कहा कि मंत्रिमंडल ने महाराष्ट्र में छह लेन वाले नासिक-सोलापुर-अक्कलकोट ग्रीनफील्ड कॉरिडोर को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना के अनुरूप यह महत्वपूर्ण परियोजना यात्रा के समय को काफी कम करेगी, पश्चिम से पूर्व की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी, आवागमन को बढ़ावा देगी और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित करेगी, जिससे आर्थिक विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि ओडिशा में राष्ट्रीय राजमार्ग-326 के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी से राज्य की प्रगति को गति मिलेगी। मोदी ने कहा कि ओडिशा की प्रगति को गति मिलेगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ओडिशा में राष्ट्रीय राजमार्ग-326 के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह महत्वपूर्ण परियोजना ओडिशा के गजपति, रायगढ़ और कोरापुट जिलों में यात्रा को तेज और कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगी। उन्होंने कहा कि इससे रोजगार के अवसर पैदा होंगे, पर्यटन और उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही आदिवासी क्षेत्रों में समावेशी विकास में तेजी आएगी।

राजस्थान : कार से 150 किलो अमोनियम नाइट्रेट बरामद

टोंक (राजस्थान), एजेंसी

• 200 कारतूस व सेफ्टी फ्यूज तार के छह बंडलों के साथ दो लोग गिरफ्तार

राजस्थान के टोंक जिले की पुलिस ने एक कार से 150 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री, 200 कारतूस और सेफ्टी फ्यूज तार के छह बंडलों के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार यह विस्फोटक सामग्री अरावली क्षेत्र में अवैध खनन स्थलों पर विस्फोट के लिए ले जाई जा रही थी।

पुलिस ने बताया कि जब्त सामग्री के स्रोत, इसे कहां ले जाया जा रहा था, संभावित उपयोग और किसी आपराधिक नेटवर्क से संबंधों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। आरोपियों में बूंदी जिले के निवासी सुरेंद्र पटवा और सुरेंद्र मोची है। टोंक पुलिस उपाधीक्षक (नगर) मृत्युंजय मिश्रा ने बताया कि आरोपी विस्फोटक सामग्री को बूंदी से टोंक ले जा रहे थे। एनएच-52 पर गश्त के दौरान जब पुलिस ने उन्हें पकड़ा तो आरोपियों ने दावा किया कि वे बोरियों में कृषि उपयोग के लिए खाद ले जा रहे हैं। तलाशी पर बोरियों में अमोनियम नाइट्रेट मिला। इसके 200 कारतूस और 1,100 मीटर लंबाई के सेफ्टी फ्यूज तार के छह बंडल भी मिलें। विस्फोटक सामग्री ढोने के लिए इस्तेमाल की गई कार को भी पुलिस ने जब्त कर लिया गया है। मिश्रा ने बताया कि खुफिया सूचना के अनुसार नए साल की पूर्व संध्या पर बड़े पैमाने पर क्षेत्र में उत्सवों से पहले दहशत का माहौल बन गया। अमोनियम नाइट्रेट खुली खदानों और पत्थर की खानों में विस्फोट के लिए इस्तेमाल होने वाला प्रमुख घटक है।

कारोबारी की अवैध गिरफ्तारी पर सुनवाई से सुप्रीम इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड के हल्द्वानी निवासी व्यवसायी की उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा की अवैध गिरफ्तारी के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई से बुधवार को इन्कार कर दिया। शीर्ष अदालत ने मामले में हाईकोर्ट जाने की अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और प्रशांत मिश्रा की अवकाशकालीन पीठ ने याचिकाकर्ता उमंग रस्तोगी को राहत के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट का रुख करने को कहा। पीठ ने संज्ञान लिया कि याचिकर्ता के पिता की गिरफ्तारी के संबंध में याचिका दिल्ली हाईकोर्ट में है। न्यायालय ने कहा, आप पहले ही हाईकोर्ट जा चुके हैं। हाईकोर्ट को इस पर भी विचार करना चाहिए।

ठंड-कोहरे की मार झेल रहा उत्तर भारत, जनजीवन प्रभावित

• वाहनों के पहिए थमे, कई राज्यों में स्कूल बंद, पहाड़ों पर बर्फबारी जारी

नई दिल्ली, एजेसी

देश का उत्तरी हिस्सा कड़ाके की ठंड और घने कोहरे की मार झेल रहा है। ठंड से कई राज्यों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं तो कई में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया। वहीं घने कोहरे से वाहन सड़कों पर रेंगते नजर आ रहे है, जिससे समूचे उत्तर भारत का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। जहां कोहरे से बसें रेंग रही हैं, वहीं रेलगाड़ियां भी घंटों लेट चल रही हैं।

वहीं, दिल्ली बुधवार को घने कोहरे की चादर में लिपटी रही और वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इसे लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया। कई जगहों पर दृश्यता 50 मीटर से भी कम रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) औसतन 384 रहा। 21 केंद्रों पर बहुत खराब और 16 केंद्रों पर 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज की गई।

असम में ठंड से स्कूल एक सप्ताह के लिए बंद : ठंड को देखते हुए असम के कई जिले में स्कूलों को एक सप्ताह के लिए बंद कर दिया गया है। आईएमडी ने कुछ हिस्सों में हल्की बारिश और हल्के कोहरा का पूर्वानुमान जताया है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी साझा की है।

कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी

श्रीनगर। कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा बर्फबारी हुई। साथ ही मौसम विभाग ने 24 घंटे में हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बर्फबारी के बावजूद, घाटी में असामान्य रूप से मौसम गर्म रहा, जहां तापमान सामान्य से तीन से सात डिग्री अधिक है।

झारखंड में घने कोहरे के लिए येलो अलर्ट जारी

रांची। आईएमडी ने झारखंड में अगले दो दिन तक घने कोहरे की आशंका को देखते हुए बुधवार को येलो अलर्ट जारी किया। आईएमडी के अनुसार, गढ़वा, पलामू, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिले में घना कोहरा छाया रहेगा। ।

राजस्थान में करौली सबसे ठंडा

जयपुर। राजस्थान के करौली का तापमान 4 .6 डिग्री रहा। अलवर में पारा 6 .5, दौसा में 6 .6, टोंक में 6 .9, पिलानी में 8 .8, चूरू में 9 .1 और भीलवाड़ा में 9 .6 डिग्री सेल्सियस रहा। कई जिलों में बारिश और राज्य के उत्तरी, पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों में बेहद घना कोहरा छाने की आंशका है।

नव विहान की दस्तक...

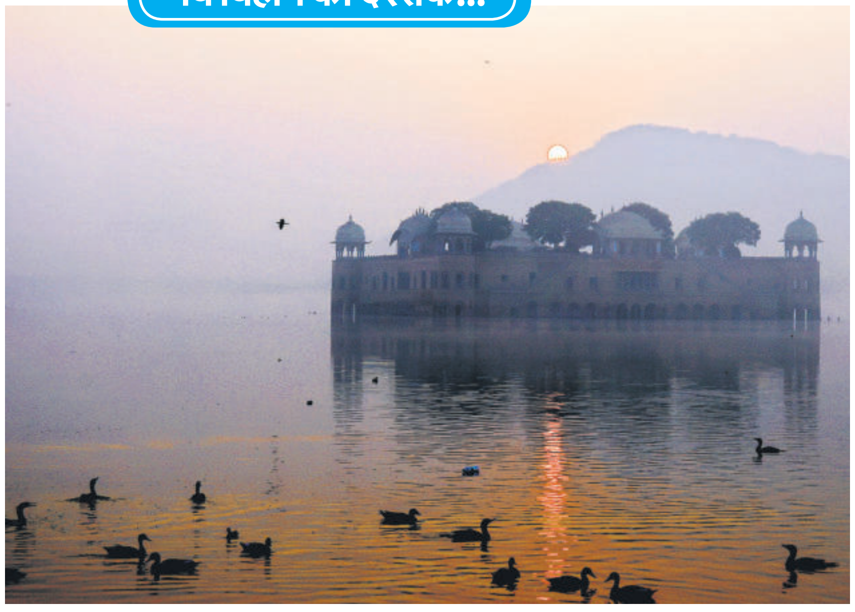

जयपुर के जल महल के ऊपर से बुधवार शाम को ओझल होता सूर्य जहां वर्ष 2025 के बीतने का संदेश दे रहा है वहीं नव वर्ष 2026 के आगमन की दस्तक भी दे रहा है। यह भी कि आने वाला कल शुभ होगा।

गणतंत्र दिवस परेड में दिखाई देगी सेना के मूक योद्धाओं की झलक

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस परेड में इस बार कर्तव्य पथ पर सेना के मार्चिंग दस्तों और हथियारों के साथ-साथ देश की रक्षा में प्राणों की बाजी तक लगाने वाले उसके 'मूक योद्धाओं' यानी पशु दस्ते की झलक भी देखने को मिलेगी। यह एक विशेष और भावनात्मक दृश्य होगा जिसमें सेना के पशु दस्ते पहली बार र संगठित रूप में परेड में शामिल होंगे। ये पशु न केवल सेना की ताकत का प्रतीक होंगे बल्कि यह भी बताएंगे कि देश की रक्षा में उनके योगदान को कितनी अहम जगह दी जाती है। इस विशेष दस्ते में दो बैक्ट्रियन ऊंट , चार ज़ांस्कर पोनी, चार शिकारी पक्षी (रैप्टर्स), सेना के दस देसी श्वान और 6 पारंपरिक सैन्य श्वान शामिल होंगे।

सेना के भरोसे पर खरे श्वान

● परेड का सबसे भावुक हिस्सा भारतीय सेना के श्वान होंगे जिन्हें प्यार से मूक योद्धा कहा जाता है। इन श्वान को मेरठ स्थित रिमाउंट एंड वेटरनरी कोर में प्रशिक्षित किया जाता है। ये आतंकवाद विरोधी अभियानों, विस्फोटक और बारूदी सुरंगों की पहचान, खोज-बचाव कार्यों और आपदा राहत में सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हैं। कई मौकों पर इन श्वान ने अपनी जान की परवाह किए बिना सैनिकों की जान बचाई है। आत्मनिर्भर भारत के तहत सेना अब मुधोल हाउंड, रामपुर हाउंड, चिप्पीपराई, कोम्बई और राजापलायम जैसी भारतीय नस्लों के कुत्तों को भी बड़े स्तर पर शामिल कर रही है। यह भारत की अपनी क्षमताओं पर बढ़ते भरोसे का साफ संकेत है।

देश की रक्षा में पशुओं का भी योगदान

● गणतंत्र दिवस परेड में जब ये पशु कर्तव्य पथ से गुजरेंगे तो यह याद दिलाएंगे कि देश की रक्षा सिर्फ हथियारों से नहीं होती। सियाचिन की बर्फीली चोटियों से लेकर लद्दाख के ठंडे रेगिस्तान तक, इन पशुओं ने चुपचाप लेकिन मजबूती से अपना फर्ज निभाया है। ये सिर्फ सहायक नहीं हैं, बल्कि भारतीय सेना के सच्चे साथी और चार पैरों पर चलने वाले वीर योद्धा हैं। इन पशुओं पर भारतीय सेना को नाज है। यह ने केवल जांबाज योद्धा है वरन सैनिकों के रक्षक और दोस्त भी हैं।

बैक्ट्रियन ऊंट

● पशु दस्ते की अगुवाई बैक्ट्रियन ऊंट करेंगे, जिन्हें हाल ही में लद्दाख के ठंडे रेगिस्तानी इलाकों में तैनात किया गया है। ये ऊंट बहुत ठंडे मौसम और 15,000 फुट से ज्यादा ऊंचाई पर आसानी से आ-जा सकते हैं। ये 250 किलो तक सामान ढो सकते हैं और कम चारे-पानी में लंबी दूरी तय करते हैं। इससे सेना को दूरदराज और कठिन इलाकों में रसद पहुंचाने में बड़ी मदद मिलती है।

पोनी और रैप्टर्स

● परेड में जांस्कर पोनी जो लद्दाख की एक दुर्लभ और स्वदेशी नस्ल हैं। छोटी होने के बावजूद जबरदस्त ताकत और सहनशक्ति होती है। ये पोनी शून्य से 40 डिग्री कम तापमान और अत्यधिक ऊंचाई वाले इलाकों में 40 से 60 किलो वजन लेकर चल सकती हैं। ये कई बार एक दिन में 70 किमी तक गश्त करती हैं। चार शिकारी पक्षी (रैप्टर्स) और लंबी टांग वाले बाज भी परेड में शामिल होंगे।

वर्ल्ड ब्रीफ

जर्मनी में बैंक से उड़ाए तीन करोड़ यूरो

बर्लिन। जर्मनी के एक बैंक की छुट्टियों में उस समय खलल पड़ गई जब कुछ चोरों ने एक बड़ी ड्रिल की मदद से बैंक के वॉल्ट में घुसकर तीन करोड़ यूरो (3.5 करोड़ डॉलर) की नकदी, सोना और गहने चुरा लिए। पुलिस और बैंक ने बताया कि पश्चिमी शहर गेल्सेंकिर्चेन में हुई इस घटना में गैंग ने 3,000 से ज़्यादा डिपॉजिट बॉक्स तोड़ दिए और लूट का सामान लेकर भाग निकले और अभी भी फरार हैं। मंगलवार को सैकड़ों बैंक ग्राहक ब्रांच के बाहर जमा हो गए और जानकारी की मांग करने लगे।

ईरान-वेनेजुएला नए अमेरिकी प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरान और वेनेजुएला के बीच कथित तौर पर हो रहे हथियारों के व्यापार को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए दोनों देशों की 10 संस्थाओं और व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। अमेरिका का आरोप है कि तेहरान, वेनेजुएला को पारंपरिक हथियारों की आपूर्ति कर रहा है, जिससे अमेरिकी सुरक्षा हितों को खतरा पैदा हो गया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि इन प्रतिबंधों का उद्देश्य ईरान और वेनेजुएला के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग को रोकना है।

डॉ. जोशी को एशिया कॉन्टिनेंट अवार्ड

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के सुप्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य एवं समाजसेवी डॉ. (वैद्य) शिवशंकर जोशी को नेपाल की राजधानी काठमांडू में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वैश्विक शांति समरसता सम्मेलन में एशिया कॉन्टिनेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

बेगम खालिदा जिया राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक

पति और बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान के बगल में दफनाया गया

● **संसद परिसर में पढ़ी गई जनाजे की नमाज, उमड़े लाखों समर्थक**

ढाका, एजेंसी

बंगलादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री एवं देश की राजनीति की दिग्गज शख्सियत बेगम खालिदा जिया को बुधवार को प्रशंसकों एवं समर्थकों के भारी भीड़ के बीच सुपुर्द-ए-खाक किया गया। मंगलवार की सुबह बेगम जिया का 80 वर्ष की आयु में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। बुधवार की सुबह सात बजे नमाज-ए-जनाजा निकला तो ढाका एवं अन्य जिलों से लोगों का काफिला उमड़ पड़ा। बेगम जिया को उनके पति और बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान के बगल में पूरे राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

इसके पूर्व कड़ी सुरक्षा के बीच खालिदा जिया के जनाजे की नमाज अदा की गई। नमाज-ए-जनाजा बुधवार दोपहर को मानिक मियां एवेन्यू में अदा की गई। बैतुल मुकर्रम राष्ट्रीय मस्जिद के खतीब मुफ्ती मोहम्मद अब्दुल मलिक ने जनाजे की नमाज अदा की, जबकि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की स्थायी समिति के सदस्य नजरुल इस्लाम खान ने जिया की संक्षिप्त जीवनी पढ़ी। अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस, प्रधान न्यायाधीश जुबैर रहमान चौधरी और खालिदा जिया के बेटे एवं बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान विदेशी गणमान्य व्यक्तियों, अंतरिम सरकार के सलाहकारों, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं और वरिष्ठ सरकारी एवं सैन्य अधिकारियों के साथ जनाजे की नमाज में शामिल हुए। जिया के बड़े बेटे रहमान ने नमाज से पहले वहां मौजूद लोगों से कहा कि कृपया अल्लाह से दुआ करें कि उन्हें जन्नत में जगह मिले। बांग्लादेश की तीन बार प्रधानमंत्री रहीं जिया की नमाज-ए-जनाजा में लाखों लोग शामिल हुए। लोगों ने जिया की आत्मा की शांति के लिए दुआ की।

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में संसद भवन के बाहर पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नमाज-ए-जनाजा के दौरान लाखों की संख्या में उनके प्रशंसक एवं समर्थकों की भीड़ उमड़ी, उनकी तस्वीर वाला झंडा लहराता एक समर्थक।

विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत की ओर से व्यक्त की संवेदना

ढाका। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता तारिक रहमान को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पत्र सौंपा। जयशंकर पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए यहां पहुंचे हैं। ढाका पहुंचने के तुरंत बाद जयशंकर ने बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष और जिया के सबसे बड़े बेटे रहमान से मुलाकात की और तीन दशकों से अधिक समय तक देश की राजनीति पर अपना दबदबा बनाए रखने वाली इस महान नेता के निधन पर भारत की ओर से गहरी संवेदना व्यक्त की। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में कहा कि मैंने उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पत्र सौंपा। मैंने भारत सरकार और जनता की ओर से गहरी संवेदना व्यक्त की। मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी ने शोक व्यक्त किया था।

ईडी ने लंदन में बकिंघम पैलेस के पास कुर्क की 150 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी

● **बैंक धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन मामले में एजेंसी ने की कार्रवाई**

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कपड़ा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एस. कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड और उसके पूर्व चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) नितिन कासलीवाल से जुड़े कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी और धनशोधन मामले में लंदन में बकिंघम पैलेस के पास स्थित 150 करोड़ रुपये मूल्य की एक अचल संपत्ति को कुर्क किया है।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने बुधवार को कहा कि इस संपत्ति को कुर्क करने के लिए मंगलवार को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अस्थायी आदेश जारी किया गया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बताया कि बकिंघम पैलेस के पास स्थित 150 करोड़ रुपये मूल्य की यह उच्च मूल्य वाली संपत्ति नितिन शंभुकुमार कासलीवाल और उनके परिवार के सदस्यों के लाभकारी स्वामित्व में है। ईडी के अनुसार, कासलीवाल पर भारतीय बैंकों के एक संघ ने लगभग 1,400

करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। विदेश में स्थित संपत्ति को कुर्क करने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) उस देश की समकक्ष एजेंसियों से संपर्क करता है ताकि धनशोधन रोधी कानून के आपराधिक प्रावधानों के तहत ऐसी संपत्ति का कब्जा लिया जा सके।

एजेंसी ने आरोप लगाया कि नितिन कासलीवाल ने एस. कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड के माध्यम से बैंकों के एक संघ के साथ धोखाधड़ी की और विदेशी निवेश की आड़ में धनराशि को भारत से बाहर भेज दिया। इसके बाद उन्होंने विदेशों में कई अचल संपत्ति खरीदीं जिन्हें विदेशी क्षेत्रों में निजी ट्रस्ट और कंपनियों की जटिल संरचना के माध्यम से छिपाया गया। ईडी ने इस मामले में 23 दिसंबर को छापेमारी की थी और कुछ दस्तावेज तथा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए थे। एजेंसी ने कहा कि उक्त सामग्री के विस्तृत विश्लेषण से पता चला कि नितिन कासलीवाल ने ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स, जर्सी और स्विट्जरलैंड सहित, कर चोरी के मामले में पनाहगाह माने जाने वाले कई देशों में ट्रस्ट और कंपनियों का एक जटिल नेटवर्क स्थापित किया था।

एजेंसी ने बताया कि जांच में यह भी सामने आया कि नितिन कासलीवाल ने कैथरीन ट्रस्ट (पूर्व में सूर्या ट्रस्ट) की स्थापना की थी, जिसमें वह और उनके परिवार के सदस्य मुख्य लाभार्थी थे। बयान के अनुसार, यह ट्रस्ट जर्सी और ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स में स्थित कैथरीन प्रॉपर्टी होल्डिंग लिमिटेड (सीपीएचएल) नामक कंपनी को नियंत्रित करता था जिसके पास लंदन में स्थित उस अचल संपत्ति का स्वामित्व था जिसे अब कुर्क किया गया है।

क्वाड देशों के राजदूतों ने बीजिंग में की बैठक

बीजिंग। चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के सदस्य देशों अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान के राजदूतों ने बीजिंग में सार्वजनिक रूप से प्रचारित दुर्लभ बैठक की। अमेरिकी राजदूत डेविड परड्यू ने एक्स पर एक तस्वीर साझा की और बताया यह बैठक बीजिंग स्थित अमेरिकी दूतावास में मंगलवार को हुई। परड्यू ने पोस्ट में चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बनाए रखने में एक सकारात्मक शक्ति है। बीजिंग में चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद के सदस्य देशों के राजदूतों से मिलकर खुशी हुई। उन्होंने कहा कि चार देशों-अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान-के बीच संबंध स्थिर और मजबूत बने हुए हैं। उन्होंने चारों राजदूतों की तस्वीर साझा की जिसमें बीजिंग में भारत के राजदूत प्रदीप कुमार रावत भी नजर आ रहे हैं। भारतीय दूतावास ने बैठक पर टिप्पणी नहीं की है।

युद्ध से डरता नहीं है ईरान किंतु टकराव नहीं चाहता

तेहरान, एजेंसी

● **विदेश मंत्री अराघची ने कहा-हम गंभीर बातचीत को तैयार**

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा है कि उनके देश को युद्ध का डर नहीं है, लेकिन उसने अमेरिका के साथ कभी कोई टकराव नहीं चाहा और वह सच्ची और गंभीर बातचीत के लिए तैयार है। उन्होंने यह बात एक्स पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस बयान के बाद लिखी, कि ईरान को बैलिस्टिक मिसाइल या परमाणु हथियार कार्यक्रम फिर से शुरू करने पर बड़े सैन्य हमले का सामना करना पड़ेगा।

अराघची ने कहा कि ईरान ने अमेरिका के साथ कभी कोई टकराव नहीं चाहा। उन्होंने कहा कि ईरान के सशस्त्र बल किसी भी हमले का निर्णायक उपायों से जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा, "हमारे संयम को कमजोरी नहीं समझना चाहिए। यही एकमात्र कारण है कि हमारे क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकाने सुरक्षित रहे। ईरानी आपसी हित के मुद्दों पर एक निष्पक्ष और संतुलित समझौते के उद्देश्य से सच्ची और गंभीर बातचीत से पीछे नहीं हटते हैं। उन्होंने कहा कि ईरान के लोग परमाणु हथियार नहीं चाहते हैं, लेकिन अपने कानूनी अधिकारों को कभी नहीं छोड़ेंगे। अराघची ने कहा कि अमेरिका या तो इज़रायल की गढ़ी गई कहानियों पर निर्भर रहना जारी रख सकता है, या फिर यथार्थवाद, आपसी सम्मान पर आधारित रास्ता अपना सकता है।

अराघची ने अन्य देशों के विदेश मंत्रियों को पत्र लिखकर अमेरिका की ईरान विरोधी धमकियों को अंतर्राष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन बताया।

अवैध रूप से बनाया गया था गोवा का नाइट क्लब

पणजी, एजेंसी

● **मजिस्ट्रेट ने अपनी जांच रिपोर्ट में किया खुलासा**

गोवा के जिस नाइटक्लब में दिसंबर के पहले सप्ताह में आग लगने से 25 लोगों की मौत हुई, वह अवैध रूप से बनाया गया था और बिना लाइसेंस के संचालित किया जा रहा था। राज्य सरकार के निर्देश पर हुई मजिस्ट्रेट जांच की रिपोर्ट में बुधवार को यह खुलासा हुआ है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तरी गोवा के अरपोरा गांव में स्थित 'बर्च बाय रोमियो लेन' बिना वैध लाइसेंस के अवैध रूप से संचालित किया जाता रहा और स्थानीय पंचायत ने संपत्ति को सील करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की। रिपोर्ट के अनुसार, छह दिसंबर की रात प्रतिष्ठान में उचित सावधानी व सतर्कता बरते बिना तथा पर्याप्त अग्नि-सुरक्षा उपकरणों के बगैर आतिशबाजी की गई जिसके कारण आग लग गई। इस हादसे में नाइटक्लब के कर्मचारियों और पर्यटकों समेत 25 लोगों की मौत हो गई थी।

चीन-ताइवान का एकीकरण अपरिहार्य

● **चीनी राष्ट्रपति बोले-मातृभूमि का एक होना समय की मांग**

बीजिंग, एजेंसी

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नववर्ष के मौके पर बुधवार को अपने संबोधन में कहा कि चीन के साथ ताइवान का पुनः एकीकरण अपरिहार्य है। उन्होंने देश की बढ़ती रक्षा क्षमताओं का उल्लेख करते हुए ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध के निर्माण को भी रेखांकित किया।

राष्ट्रीय टेलीविजन पर प्रसारित 2026 के नववर्ष संदेश में शी ने कहा कि ताइवान जलडमरूमध्य के दोनों

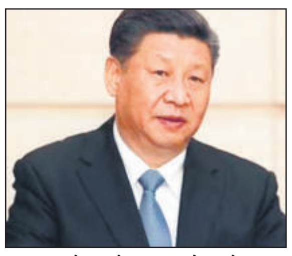

ओर रहने वाले चीनी लोगों के बीच रक्त व पारिवारिक संबंध हैं। उन्होंने कहा कि हमारी मातृभूमि का पुनः एकीकरण समय की मांग है और इसे रोका नहीं जा सकता। यह बयान ऐसे समय आया है जब चीन ने पिछले तीन दिन में स्वशासित ताइवान द्वीप के आसपास अपनी सैन्य गतिविधियों को तेज कर दिया है। चीन ताइवान को अपने मुख्य भूभाग का हिस्सा मानता है। जिनपिंग (72) ने आर्थिक, रक्षा व प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में देश की प्रगति को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यारलुंग त्सांगपो (ब्रह्मपुत्र नदी) के निचले हिस्से में जलविद्युत परियोजना का निर्माण शुरू हो गया है। चीन ने पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील तिब्बत क्षेत्र में, अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सीमा के निकट ब्रह्मपुत्र नदी पर 170 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत वाले बांध के निर्माण की औपचारिक शुरुआत कर दी है। इस परियोजना को लेकर भारत और बांग्लादेश की ओर से बाढ़ की आशंका में चिंता जताई गई हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 1 जनवरी, गुरुवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी 22.22 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

आज का पंचांग

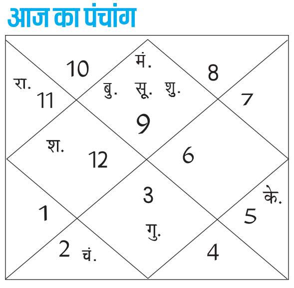

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-रोहिणी 22.48 तक तत्पश्चात मृगशिरा।

मेष — आज जॉब को बदलने का विचार बना सकते हैं। धर्म के प्रति मन में आस्था कम हो सकती है। आपके आदर्शों और व्यवहार की प्रशंसा होगी। व्यवसाय में आपका प्रदर्शन बेहतरीन रहेगा। बड़े भाई-बहनों के साथ व्यवहार में कड़वाहट हो सकती है।

वृष — आज बड़े अधिकारियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। धार्मिक आयोजन में जानें का अवसर मिल सकता है। आपके आत्मविश्वास में कमी आ सकती है। बाहरी लोगों पर अपना समय बर्बाद न करें। संतान के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

मिथुन — आज आपकी दिनचर्या अच्छी नहीं रहेगी। आपका मन किसी कारण खराब हो सकता है। नए लोगों से दोस्ती करने से बचें। व्यवसाय में धन का नुकसान होगा। बच्चों का व्यवहार अच्छा नहीं रहेगा। घर में मांगलिक कार्यक्रम की योजना बना सकते हैं।

कर्क — आज संतान की उन्नति से मन प्रसन्न रहेगा। जिम्मेदार व्यक्तियों का मार्गदर्शन मिलेगा। अपना मनोबल और आत्मविश्वास बनाए रखें। दोपहर के बाद आपको शुभ समाचार मिलेंगे। व्यस्तता के बावजूद परिवार के लिए समय निकालेंगे।

सिंह — आज कार्यक्षेत्र में भावुकता में आकर निर्णय न लें। जॉब को लेकर इंटरव्यू दे रहे हैं, तो सफलता अवश्य मिलेगी। समय का बेहतरीन सदुपयोग कर पाएंगे। शाम के समय बाहर डिनर के लिए जा सकते हैं। बच्चों के साथ समय बिताएंगे।

कन्या — आज अपने लक्ष्य पर पूरा फोकस बनाए रखें। आप में सकारात्मक ऊर्जा की अधिकता रहेगी। उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे। विरोधी आपकी आलोचना कर सकते हैं। मन में अज्ञात भय पनप सकता है। कर्मचारियों की गतिविधियों की जानकारी रखें।

तुला — आज आवश्यक कार्यों को दोपहर से पहले पूर्ण कर लें। संपत्ति के क्रय-विक्रय से धन लाभ होगा। वैवाहिक संबंधों का तनाव दूर होगा। ऑफिस में आपके कार्यों की लोग आलोचना कर सकते हैं। आपको बड़े परिवर्तन करने से बचना चाहिए।

वृश्चिक — आज परोपकार के कार्यों में मन लगाएंगे। विद्यार्थी पढ़ाई में शानदार प्रदर्शन करेंगे। जीवनसाथी आपका काफी ध्यान रखेगा। परिवार के सदस्य आपसे प्रसन्न रहेंगे। किसी सरकारी मामले में विजय होने की संभावना है। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

धनु — आज आपको नए अनुभवों के लिए तैयार रहना चाहिए। त्वरित प्रतिक्रिया देने से बचें। कार्यक्षेत्र में अपनी उपलब्धियों को लेकर असंतुष्ट रहेंगे। आप जिन अवसरों को तलाश रहे थे, वे आपको प्राप्त हो सकते हैं।

मकर — आज विद्यार्थियों को परीक्षा में उत्तम परिणाम मिलने के योग बन रहे हैं। अपने गुस्से को नियंत्रित करके शांति से काम लें। करियर को लेकर किसी से ज्यादा सलाह लेना उचित नहीं है। सभी कार्यों को समय से पूर्ण कर लेंगे।

कुंभ — आज पहले की गई मेहनत सुखद परिणाम दे सकती है। कोर्ट केस में विजय मिल सकती है। परिजनों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में कुछ नई योजना बना सकते हैं। प्रेम संबंधों को लेकर थोड़ी परेशानी रहेगी।

मीन — आज आपका दिन बहुत ही शुभ रहने वाला है। निर्माण कार्यों में प्रगति होगी। परिवार के साथ बैठकर गंभीर विषयों पर चिंतन करेंगे। सरकारी कार्यों से धन लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र के लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर लेंगे।

सुडोकू -19

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

6			2					
3				7				8
	5	8	1			9		
	4	9		1	3			7
	1		4		5		8	
5			6	9		2	4	
		7			2	1	5	
9				4				3
					8			6

सुडोकू - 18 का हल

7	8	2	5	9	4	1	3	6
4	6	3	1	8	2	9	7	5
1	5	9	6	3	7	2	8	4
3	2	4	8	6	1	7	5	9
9	1	5	2	7	3	6	4	8
8	7	6	4	5	9	3	1	2
6	9	1	3	4	8	5	2	7
5	3	8	7	2	6	4	9	1
2	4	7	9	1	5	8	6	3

“दौड़ने से अनुशासन, विश्वास और दृढता सीखने को मिलती है, जो आपके साथ हमेशा रहती है। मुझे टाटा मुंबई मैराथन के 21वें सत्र का हिस्सा बनकर गर्व महसूस हो रहा है।

-आंद्र डि ग्रासे, फर्राटा धावक

स्टेडियम

बरेली, गुरुवार, 1 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

ली और कॉप ने दिल्ली कैपिटल्स के साथ शुरू की ट्रेनिंग

मडगांव (गोवा)। दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी ऑलराउंडर मरिजाने कॉप और उनकी हमवतन लिजेल ली आगामी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) से पहले दिल्ली कैपिटल्स के ट्रेनिंग सत्र में शामिल हो गई हैं। भारतीय खिलाड़ी तानिया भाटिया, निकी प्रसाद, मीनू मणि, ममता मडीवाला, दीया यादव और नंदनी शर्मा भी शिविर में शामिल हो गई हैं। तीन बार फाइनल में पहुंची दिल्ली कैपिटल्स अपने डब्ल्यूपीएल 2026 अभियान की शुरुआत 10 जनवरी को नवी मुंबई में मुंबई इंडियंस के खिलाफ करेगी। दिल्ली कैपिटल्स की टीम मुख्य कोच जोनाथन बैटी की देखरेख में ट्रेनिंग कर रही है और मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला खत्म होने के बाद भारतीय टीम की अन्य खिलाड़ी भी इसमें शामिल होंगी। सत्र पूर्व शिविर के बारे में बात करते हुए बैटी ने कहा हमारी टीम में कुछ नए चेहरे हैं इसलिए टीम का घुलना मिलना अच्छा होगा। गोवा का मौसम तैयारियों के लिए एकदम सही है।

साई के नए केंद्र का खेलमंत्री ने किया वर्चुअल उद्घाटन

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण के बेंगलुरु स्थित नेताजी सुभाष दक्षिण केंद्र को नया अत्याधुनिक हाई परफॉर्मेंस केंद्र मिलने जा रहा है जिसके शिलान्यास समारोह का खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को वर्चुअल उद्घाटन किया। करीब 75 करोड़ की लागत से बनने वाले प्रस्तावित केंद्र को हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड से सीएसआर सहयोग के द्वारा स्थापित किया जायेगा जो इसके लिये 60 करोड़ रूपये देगा। साइ के सूत्र के अनुसार यह अगले 12 महीने में तैयार हो जायेगा। खेल मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार इससे भारत के एलीट खिलाड़ियों की तैयारियों का इकोसिस्टम मजबूत होगा चूंकि उन्हें एक छत के नीचे विश्व स्तरीय खेल विज्ञान और सहायक सुविधायें मिल सकेंगी।

आईसीसी ने ईडन गार्डन्स पिच को संतोषजनक बताया

दुबई। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने कोलकाता के ईडन गार्डन्स पिच को संतोषजनक रेटिंग दी है। इस मैदान पर 14 नवंबर से भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट खेला गया था, और मैच तीन दिनों के अंदर खत्म हो गया, जिसमें भारत को मेहमान टीम से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, सतह की कोई निंदा नहीं हुई। “यह बिल्कुल वैसी ही पिच थी जिसकी हम तलाश कर रहे थे। यह बिल्कुल वैसी ही पिच है और मुझे लगता है कि क्यूरेटर बहुत, बहुत मददगार थे। और हम बिल्कुल यही चाहते थे। और हमें बिल्कुल यही मिला। जब आप अच्छा नहीं खेलते हैं, तो ऐसा ही होता है,” भारत के कोच गौतम गंभीर ने अपनी टीम के 30 रनों से हारने के बाद कहा था, जब वे 124 रनों का पीछा करने में नाकाम रहे। हालांकि, बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने गुवाहाटी पहुंचने पर गंभीर की बात का खंडन किया – जो दूसरे टेस्ट का स्थान था, उन्होंने कहा कि कोई भी कोलकाता जैसी पिच नहीं चाहता था। पिच ने पहले दिन से ही तेज टर्न दिया।

भारतीय खेलों के लिए व्यस्त रहेगा 2026

अंडर-19 विश्व कप से शुरुआत और विश्व शतरंज से होगा वर्ष का समापन

नई दिल्ली, एजेंसी : भारतीय खेलों के लिए वर्ष 2026 रोमांचक और चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। इसमें विभिन्न खेलों में विश्व खिताब दाव पर होंगे। ओलंपिक क्वालीफिकेशन का नया सत्र शुरू होगा, जिससे लॉस एंजिलिस खेल 2028 के टिकट कटाने का मौका मिलेगा। भारत के नए और पुराने खिलाड़ी अगले साल की चुनौतियों के लिए तैयार हो रहे हैं। वैभव सूर्यवंशी समेत कई नए खिलाड़ी आकर्षण का केंद्र रहेंगे ऐसे में पीटीआई ने नए साल के खेल कैलेंडर पर नजर डाली है। पेश है विवरण।

जनवरी, फरवरी, मार्च

साल की पहली तिमाही क्रिकेट को समर्पित होगी, क्योंकि देश के पसंदीदा खेल में इस साल तीन विश्व कप हैं। यह 15 जनवरी से 6 फरवरी तक जिम्बाब्वे और नामीबिया में 50 ओवर के अंडर-19 विश्व कप से शुरू होगा, जहां वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे जैसे उभरते हुए युवा सितारों पर करीब से नजर रखी जाएगी। इस आयु वर्ग के फाइनल के एक दिन बाद सीनियर पुरुष टीम भारत और श्रीलंका की मेजबानी में सात फरवरी से आठ मार्च तक होने वाले टी20 विश्व कप में खिताब के बचाव के लिए उतरेगी। आस्ट्रेलियाई ओपन 12 जनवरी से एक फरवरी के बीच आयोजित होगा, लेकिन भारत की चुनौती असरदार नहीं है। बैडमिंटन ऑल इंग्लैंड चैम्पियनशिप तीन मार्च से शुरू होगी जिसमें पीवी सिंधु और बाकी भारतीय खिलाड़ी 2025 की नाकामी से उबरना चाहेंगे। भारतीय फुटबॉल प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है कि एक मार्च से ऑस्ट्रेलिया में शुरू हो रहे एएफसी महिला एशियाई कप में लंबे समय बाद भारतीय टीम खेलते नजर आएगी।

पीवी सिंधु।

अप्रैल, मई, जून

मार्च के आखिर से अप्रैल तक साइप्रस में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट खेला जाएगा। जिससे विश्व चैम्पियनशिप खिताब के चैलेंजर का पता चलेगा। अभी भारत के डी गुकेश विश्व चैम्पियन हैं। मंगोलिया में एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप खेली जाएगी। दोनों टूर्नामेंट 28 मार्च से शुरू होंगे जिसमें ओपन वर्ग में भारत के आर प्रज्ञानानंदा और महिला वर्ग में आर वैशाली, कोनेरू हम्पी और दिव्या देशमुख भाग लेंगे। शतरंज टूर्नामेंट 16 अप्रैल तक चलेगा और मुक्केबाजी टूर्नामेंट 11 अप्रैल को खत्म होगा। एशियाई भारोत्तोलन चैम्पियनशिप एक से दस अप्रैल तक अहमदाबाद में खेली जायेगी। इसके बाद 24 अप्रैल से तीन मई तक थॉमस और उबेर कप बैडमिंटन खेला जाएगा। इसके कुछ दिन बाद आईटीटीएफ विश्व टीम टेबल टेनिस चैम्पियनशिप फाइनल्स लंदन में 28 अप्रैल से दस मई तक चलेगा जिसके लिये भारतीय महिला और पुरुष टीमों ने क्वालीफाई कर लिया है। जून में महिला टी20 विश्व कप होगा जिसमें हरमनप्रीत कौर की टीम 2025 में वनडे विश्व कप की सफलता को दोहराना चाहेगी। एथलेटिक्स सत्र की शुरुआत मई में डायमंड लीग से होगी जिसमें भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा पर नजरें होंगी। मई में फ्रेंच ओपन और जून में विंबलडन खेला जाएगा। इसके बाद अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में संयुक्त रूप से फीफा विश्व कप फुटबॉल का आयोजन होगा।

कोनेरू हम्पी।

जुलाई, अगस्त, सितंबर

राष्ट्रमंडल खेल 23 जुलाई से दो अगस्त तक ग्लास्गो में आयोजित होंगे जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से एथलेटिक्स, मुक्केबाजी और भारोत्तोलन में देखने को मिलेगा। निशानेबाजी, कुश्ती और हॉकी जैसे खेलों को बजट में कटौती के लिए रोस्टर से हटा दिया गया है। इन खेलों के बाद दिल्ली में 17 अगस्त से विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप होनी है। नीदरलैंड और बेल्जियम में 14 अगस्त से हॉकी विश्व कप शुरू होगा। भारतीय पुरुष टीम एशिया कप जीतकर विश्व कप का टिकट कटा चुकी है जबकि महिला टीम मार्च में हैदराबाद में क्वालीफायर खेलेगी। इसी दौरान भुवनेश्वर में 22 अगस्त से विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर रजत स्तर का टूर्नामेंट होगा। जापान के नागोया में 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक एशियाई खेलों का आयोजन होगा। इसमें हॉकी में स्वर्ण जीतने वाली टीम लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 का टिकट कटायेगी जबकि निशानेबाजी में भी कोटा स्थान होंगे। एथलेटिक्स में डायमंड लीग फाइनल चार से पांच सितंबर तक ब्रसेल्स में होगा। शतरंज ओलंपियाड का 46वां सत्र सितंबर महीने में ताशकंद में खेला जाएगा।

अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर

बहरीन में 24 अक्टूबर से विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप होगी। इसके बाद भारोत्तोलन विश्व चैम्पियनशिप 27 अक्टूबर से आठ नवंबर तक खेली जाएगी। एक नवंबर से दोहा में आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप होगी। दिसंबर में विश्व शतरंज चैम्पियनशिप होगी जिसकी तारीख और स्थान अभी तय नहीं है।

श्रीलंका के खिलाफ एक मैच में विकेट लेने बाद जश्न मनाती दीप्ति शर्मा। फाइल फोटो

दीप्ति शर्मा ने बनाया एक और रिकॉर्ड

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

- **टी-20 में सबसे अधिक विकेट लेने वाली पहली गेंदबाज बनीं**

ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा अंतर्राष्ट्रीय टी-20 में महिला और पुरुष वर्ग दोनों में सबसे अधिक विकेट लेने वाली पहली भारतीय गेंदबाज बन गई है। दीप्ति ने मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ खेले गए पांचवें अंतर्राष्ट्रीय टी-20 में नीलाक्षिका सिल्वा को आउट कर मेगन शट के 151 विकेटों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। उन्होंने 2016 में पर्दापण के बाद से 133 मैचों में अपना 152वां टी-20 विकेट लेकर यह मुकाम हासिल किया।

इसी के साथ दीप्ति ने ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज मेगन शट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस सूची में पाकिस्तान की निदा डार 144 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं। रवांडा की हेनरीट इशिम्वे 117 मैचों में 144 विकेट के साथ चौथे तथा इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन 101 मैचों 142 विकेट के साथ पांचवें स्थान पर है। इस उपलब्धि के साथ ही दीप्ति शर्मा महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने के झूलन गोस्वामी के रिकॉर्ड के करीब पहुंच रही हैं। दीप्ति के पास (टेस्ट में 20, एकदिवसीय में 162 और टी-20 में 152 विकेट) सहित कुल 334 विकेट हैं, जबकि गोस्वामी ने (टेस्ट में 44, एकदिवसीय में 255, टी-20 में 56 विकेट) कुल 355 विकेट के साथ सबसे आगे हैं। इंग्लैंड की कैथरीन साइवर-ब्रंट 335 विकेट के साथ दीप्ति से ठीक आगे हैं।

फीफा रेफरी सूची में तीन और भारतीय शामिल

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने बुधवार को बताया कि एक महिला सहित तीन भारतीय रेफरी को फीफा की 2026 अंतर्राष्ट्रीय मैच अधिकारियों की सूची में शामिल किया गया है। गुजरात की रचना कमानी को महिला रैफरी की फीफा सूची में शामिल किया गया है जबकि पुडुचेरी के अश्विन कुमार और दिल्ली के आदित्य पुरकायस्थ को पुरुष रैफरी के रूप में जगह मिली है। एआईएफएफ ने कहा कि अश्विन कुमार और आदित्य पुरकायस्थ ने मलेशिया के कुआलालंपुर में एएफसी रैफरी अकादमी का कोर्स पूरा कर लिया है वहीं रचना कमानी यह कोर्स कर रही हैं।

यूपी की लगातार चौथी जीत जुयाल ने बनाए नाबाद 150 रन

राजकोट, एजेंसी

विजय हजारे ट्रॉफी

- **वीजेडी प्रणाली से असम को 58 रनों से हराया**

उत्तर प्रदेश ने आर्यन जुयाल के नाबाद 150 रन की बदौलत बुधवार को यहां बारिश से प्रभावित विजय हजारे ट्रॉफी मैच में 'वीजेडी' प्रणाली से असम पर 58 रन से जीत दर्ज कर ग्रुप बी में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। असम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया जिसमें कप्तान सुमित घडीगांवकर ने 86 गेंद में शानदार 101 रन बनाए। उनके अलावा सिबशंकर रॉय ने 83 गेंद में 82 रन की पारी खेली। लेकिन जीशान अंसारी (60 रन देकर तीन विकेट) और विप्रज निगम (66 रन देकर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के सामने असम की टीम 48.4 ओवर में 308 रन पर सिमट गई। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए जुयाल ने 140 गेंद की नाबाद पारी में 15 चौके और तीन छक्के जड़े। उन्होंने पिछले तीन मैच में से दो में 80 और 134 रन बनाए थे। वह फिलहाल विकेटकीपिंग नहीं कर रहे हैं क्योंकि यह जिम्मेदारी ध्रुव जुरेल संभाल रहे हैं। जुयाल को प्रियम गर्ग का अच्छा साथ मिला जिन्होंने पांच चौके की मदद से 53 गेंद में 52 रन बनाए जबकि कप्तान रिंकू सिंह ने 15 गेंद में 37 रन का योगदान दिया। जब बारिश के कारण खेल रुका तो उत्तर प्रदेश ने 42 ओवर में दो विकेट पर 291 रन बना लिए थे। और अंत में उसे 'वीजेडी' प्रणाली से विजेता घोषित किया गया।

आर्यन जुयाल।

मुकेश कुमार और आकाश दीप ने अपनी बेहतरीन गेंदों से कहर बरपाया जिससे बंगाल ने जम्मू कश्मीर को कम स्कोर वाले मुकाबले में नौ विकेट से शिकस्त दी। गेंदबाजी करने का फैसला करते हुए मुकेश (16 रन देकर चार विकेट) और आकाश (32 रन देकर चार विकेट) ने चार-चार विकेट लिए जबकि मोहम्मद शमी ने 14 रन देकर दो विकेट प्राप्त किए। इससे बंगाल ने जम्मू कश्मीर को 20.4 ओवर में महज 63 रन पर ऑल आउट कर दिया। केवल कप्तान पारस डोगरा (19) और शुभम खजूरिया (12) ही दोहरे अंक तक पहुंच पाए जबकि तीन बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल पाए। अभिषेक पोरेल (30) और सुदीप घरामी (25) ने 9.3 ओवर में यह लक्ष्य हासिल कर बंगाल को तीसरी जीत दिलाई जिससे टीम दूसरे स्थान पर पहुंच गई।

पीडब्ल्यूएल की नीलामी | 3 जनवरी को लगेगी बोली, 15 जनवरी से एक फरवरी तक होगी प्रतियोगिता

सहरावत व सुसाकी का सबसे अधिक आधार मूल्य

नई दिल्ली, एजेंसी

पेरिस ओलंपिक्स के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत 18 लाख रुपये के आधार मूल्य के साथ प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) की नीलामी में सबसे महंगे घरेलू खिलाड़ी के तौर पर शामिल हुए हैं जबकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता युई सुसाकी और दिग्गज खिलाड़ी युस्नेलिस गुजमेन लोपेज को भी इतने ही आधार मूल्य के वर्ग में रखा गया है।

पीडब्ल्यूएल नीलामी तीन जनवरी को होनी है जबकि लीग 15 जनवरी से एक फरवरी तक होगी। आगामी सत्र में मुकाबला करने वाली छह फ्रेंचाइजी हरियाणा थंडर्स, टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल, पंजाब रॉयल्स, महाराष्ट्र केसरी, दिल्ली दंगल वारियर्स और यूपी डॉमिनेटर्स हैं।

विश्व चैंपियनशिप के दौरान वजन प्रबंधन नहीं करने के कारण 21 साल के सहरावत पर लगा प्रतिबंध हाल ही में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने हटा दिया था। वह हाल के सत्रों में भारत के सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। उन्होंने ओलंपिक खेलों और एशियाई खेलों में पदक जीते। विश्व और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता दीपक पूनिया का आधार मूल्य 10 लाख रुपये है। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता नवीन भी इसी वर्ग में हैं। मौजूदा समय में भारत के सबसे अच्छे पहलवानों में से एक सुजीत कलकल ने हालांकि अपना आधार मूल्य सिर्फ सात लाख रुपये रखा है।

विदेशी पुरुषों के वर्ग में यूरोपीय और यूरेशियाई पहलवानों का दबदबा है। पूर्व विश्व और यूरोपीय चैंपियन रूस के अबासगदजी मागोमेदोव का आधार मूल्य 10 लाख है। इसी वर्ग में आर्मेनिया के विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता अरमान एंड्रियासियन और हंगरी के 2023 के विश्व चैंपियन इस्जमेल मुसुकाजेव भी हैं।

आर्सेन व अखमेद पर बड़ी बोली लगाने की उम्मीद

कई बार के विश्व और यूरोपीय पदक विजेता और ओलंपियन आर्मेनिया के आर्सेन हारुत्युनियन और मौजूदा विश्व और यूरोपीय चैंपियन रूस के उस्मानोव अखमेद पर बड़ी बोली लगाने की उम्मीद है। दोनों का आधार मूल्य 10 लाख रुपये है। महिला कुश्ती में विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता और भारत की स्टार खिलाड़ी अंतिम पंघाल को 10 लाख रुपये आधार मूल्य के वर्ग में रखा गया है जबकि फॉर्म हासिल करने के लिए जूझ रही अंशु मलिक भी इसी वर्ग में हैं। स्वाति शिंदे, पूजा गहलोत भी उन शीर्ष भारतीय नामों में शामिल हैं जिनमें काफी दिलचस्पी होने की उम्मीद है।